

कंफर्म! नवंबर में शादी करेंगे अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन, कब और कहां लेंगे सात फेरे

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 19

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 289 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 18 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 8 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अभिजीत दीपके को मिल गई जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने बताया कि दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 65 के तहत हिरासत से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बोरा को रिहा कर दिया गया था जबकि दीपके को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126 और 170 के तहत शांति भंग करने के एक नए मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले, दस अक्टूबर को जब दीपके को हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था, तब भी शांति भंग करने का एक अलग मामला दर्ज किया गया था। उस समय उनसे एक साल तक शांति बनाए रखने के मुचलके पर हस्ताक्षर कराए गए थे।



महासप्तमी पर पटना में सीएम सम्राट ने की दुर्गा आराधना

पटना/गयाजी (एजेंसी)। पिछले 20 वर्षों में ये पहला मौका होगा, जब नीतिश कुमार महासप्तमी को पटना से बाहर हैं। शारदीय नवरात्रि के महासप्तमी के पावन अवसर पर बिहार में धार्मिक आस्था और प्रशासनिक उपलब्धियों का अनोखा संगम देखने को मिला।



पटना में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा कर मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। दूसरी ओर, ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी गयाजी में पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों को दर्शाती 20 साल बेमिसाल प्रदर्शनी का औपचारिक आगाज खुद नीतिश कुमार ने किया। इस प्रदर्शनी के जरिए पिछले दो दशकों को दिखाया गया है।

अमरीकी राष्ट्रपति बोले-यह कदम हमारे लिए फायदेमंद

ट्रम्प ने भारत पर 100 फीसदी टैरिफ प्लान वाला बिल रोका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के हित में है। इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे।



प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

- **ट्रम्प को 30 दिन के अंदर फैसला लेना था-** ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। कानून पर साइन करने के बाद ट्रम्प को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के अंदर करना था। हालांकि, ट्रम्प ने इससे पहले ही प्रतिबंधों और टैरिफ पर छूट दे दी। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी थी। भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था।

कश्मीर के कुपवाड़ा में मुठभेड़, 2 आतंकी ढेर

● **एलओसी के पास सुबह साढ़े 3 बजे शुरू हुई टक्कर**

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। सेना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3.30 बजे सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। 12 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी के पास कृष्णा घाटी सेक्टर से जुड़े इलाके में धमाका हुआ। इसमें चार लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि वे भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। मृतकों में लश्कर-ए-तैयबा का एक कमांडर भी शामिल था। 12 अक्टूबर को ही पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सेना को बॉर्डर फेंस के पास दो जंग लगी बारूदी सुरंगें मिलीं।



'काला शनिवार'

4 हादसों में 19 की मौत

राजस्थान के कोटा में नाले में गिरी मिनी बस, आठ की मौत



कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैंपो ट्रैवलर (मिनी बस) पुलिया से गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मध्य प्रदेश के बैतूल के रहने वाले थे। एक्सीडेंट शनिवार सुबह 6 बजे सिमलिया थाना क्षेत्र में हुआ। एसएचओ नंद सिंह ने बताया कि ट्रैवलर भोपाल से खाटूश्यामजी जा रहा था। कोटा शहर से 35 किलोमीटर दूर कराड़िया टोल के पास ट्रैवलर पुलिया से 15 फीट नीचे गिर गया। एक्सीडेंट में 17 पैसेंजर्स घायल हुए हैं। अंधेरे के कारण रेस्क्यू में कुछ देरी भी हुई।

दिल्ली में डीटीएस बस की टक्कर से 2 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में शनिवार को डीटीएस बस ने तीन दोपहिया वाहनों और एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा 212 बस स्टैंड के पास हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बस टिकरी बॉर्डर की ओर जा रही थी।

गुजरात के भरूच की दवा फैक्ट्री में ब्लास्ट,5 की मौत

भरूच (एजेंसी)। गुजरात के भरूच की सिंजील फार्माकेम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिएक्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि यह धमाका किस वजह से हुआ। हादसा उस वक्त हुआ जब 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिएक्टर में काम चल रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि रिएक्टर के परखच्चे उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे। धमाके की आवाज करीब 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।



बिहार में चार लोगों की डूबने से मौत, बच्चों को बचाने के लिए सोन नदी में कूदे नौजवान की भी गई जान



आरा (एजेंसी)। बिहार में भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र स्थित तीर्थकौल गांव के पास शनिवार को एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां सोन नदी में डूबने से तीन बच्चों समेत कुल चार लोगों की जान चली गई। गांव के सात बच्चे नदी की ओर गए थे, जहां नहाने के दौरान तीन बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए। बच्चों को डूबता देख उन्हें बचाने के लिए गांव का ही एक युवक नदी में कूद पड़ा, लेकिन वह भी गहरे पानी की चपेट में आ गया। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस-प्रशासन के सहयोग से चारों शवों को नदी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। शनिवार को तीर्थकौल गांव के सात बच्चे खेलते हुए सोन नदी के तट की ओर गए थे। नहाने के दौरान तीन बच्चे नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

● **शिवराज की नाराजगी के बाद आदिवासियों को बड़ी राहत**

सीएम मोहन यादव ने मानी मांग उसी जमीन पर करते रहेंगे खेती



भोपाल/सीहोर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमी के आदिवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अब कोसमी गांव के आदिवासी अपनी उसी पारंपरिक जमीन पर खेती करते रहेंगे और उन्हें वहां से हटाया नहीं जाएगा। यह जानकारी बुधनी से भाजपा विधायक रमाकांत भार्गव ने दी है, जिन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आदिवासियों की सभी जायज मांगें मान ली हैं। विधायक रमाकांत भार्गव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि वन विभाग की ओर से की गई कार्रवाई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम था। इस मामले को लेकर आदिवासी भाई-बहनों का एक प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिला था।

पुनर्वास के लिए भी दिए हैं आदेश

प्रशासनिक स्तर पर राहत देते हुए यह भी तय किया गया है कि वन विकास निगम के कर्मचारियों द्वारा जिन आदिवासियों के आवास तोड़े गए थे, उन्हें पुनः स्थापित किया जाएगा। इसके तहत सिंगपुर गांव में उन्हें प्लॉट उपलब्ध कराकर नए मकान बनाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, वन विभाग और वन विकास निगम के कर्मचारियों द्वारा अनावश्यक रूप से नोटिस देकर आदिवासियों को परेशान किए जाने की प्रक्रिया पर भी तुरंत रोक लगाने की सहमति बनी है।

मुख्यमंत्री ने दिए निष्पक्ष जांच के निर्देश

विधायक के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस बात पर सख्त नाराजगी जताई है और आश्वासन दिया है कि आदिवासी भाई-बहनों के साथ जो अभद्र व्यवहार किया गया है, उसकी निष्पक्ष जांच करवाकर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि जिस भूमि पर आदिवासी भाई-बहन लंबे समय से खेती कर रहे थे, वे उसी स्थान पर अपनी खेती जारी रखेंगे।

बच्चों के लिए भी इंटरनेट है 'मौलिक' अधिकार

● **उम्र देखकर नहीं लगा सकते प्रतिबंध, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला ● एससी ने कहा-बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में कहा कि इंटरनेट तक पहुंच एक मौलिक अधिकार है, जो बच्चों सहित सभी पर लागू होता है। शीर्ष कोर्ट ने शनिवार को संविधान के अनुच्छेद 21 और 19(1)(ए) का जिक्र किया। अदालत ने इसके तहत बच्चों सहित हर व्यक्ति के लिए इंटरनेट तक पहुंच और इसके इस्तेमाल को एक मौलिक अधिकार घोषित किया है।



शीर्ष अदालत ने कहा कि हमारे बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने सुझाव दिया कि बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखने के बजाय, चाइल्ड मोड जैसे उपाय अपनाकर सुरक्षा को मजबूत करें।

अधिकारों से वंचित करना बेतुका होगा

बेंच ने कहा कि हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत इंटरनेट तक पहुंच और इसका इस्तेमाल हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे बच्चों को, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, यही अधिकार प्राप्त हैं। उन्हें इन अधिकारों से पूरी तरह वंचित करना बेहद बेतुका होगा।



अनमोल वचन

सुनहु भरत भावी प्रबल बिलखि कहेहु मुनि नाथ।
हानि लाभु जीवनु मरनु जसु अपजसु बिधि हाथ॥

रामचरितमानस के इस उद्धरण का भाव यह है कि भावी प्रबल है, अर्थात जो होना है वह होकर रहता है। वस्तुओं पर हमारा कोई वश नहीं अर्थात ये हमारे अधीन नहीं हैं, ये विधाता के अधीन हैं। हमारे क्रियमाण कर्मों के आधार पर परमात्मा की व्यवस्था के अनुसार इनका होना निश्चित है। ये हैं– हानि और लाभ, जीवन और मृत्यु, यश और अपयश। हम कोई भी कार्य प्रारम्भ करेंगे तो हानि होगी अथवा लाभ होगा। जीवन और मृत्यु भी किसी के हाथ में नहीं। यदि हाथ में होती तो संसार में किसी की भी मृत्यु न होती। ऐसे लोग पर्याप्त मिल जाएँगे जो निःसंतान हैं। काफी प्रयासों और नाना प्रकार के यत्न करने के पश्चात भी संतान का मुख न देख सके क्योंकि जन्म देना उनके वश में नहीं था। किसी भी कार्य को करके यश मिले अथवा अपयश प्राप्त हो, यह भी मनुष्य के वश में नहीं। किसी श्रेष्ठ कार्य को करने के पश्चात भी मनुष्य अपयश का भागी हो जाता है और कुछ व्यक्ति थोड़ा करके अथवा बिना कोई योगदान दिये यश पा जाते हैं। जो बात विधाता के हाथ में है उसे उसी पर छोड़ दें। जो अपने हाथ में नहीं उसका अफसोस क्यों करें। हमारा वश अच्छे कार्य करने तक है। हमें स्वयं को वहीं तक सीमित रखना चाहिए।

आज होगा 37 करोड़ की जलभराव मुक्ति परियोजना का आगाज, गांधी कॉलोनी से बाईपास तक बनेगा बड़ा नाला

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार करेंगे भूमि पूजन, गांधी कॉलोनी, अंकित विहार, लाल बाग और सरवट समेत कई इलाकों को बरसात में जलभराव से राहत मिलने की उम्मीद

मुजफ्फरनगर। बरसात में जलभराव की समस्या से जूझ रहे शहर के कई इलाकों के लिए राहत की बड़ी उम्मीद जगी है। गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए दिल्ली-देहरादून बाईपास तक करीब 37 करोड़ रुपये की लागत से नाले का निर्माण कराया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि पूजन रविवार यानी आज कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार करेंगे। जल निगम के माध्यम से बनने वाला यह नाला शहर की जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। परियोजना पूरी होने के बाद गांधी कॉलोनी, अंकित विहार, लाल बाग, सरवट और आसपास की कई बड़ी कॉलोनियों में बरसाती पानी की निकासी बेहतर होने की उम्मीद है। बारिश के मौसम में जलभराव के कारण लोगों को आवागमन और रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में करीब 37 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित नाला निर्माण क्षेत्र की लंबे समय से महसूस की जा रही जरूरत को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बरसात में जलभराव से जूझने वाले इलाकों पर खास ध्यान

शहर की आबादी और आवासीय कॉलोनियों का विस्तार होने के साथ जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था की जरूरत भी बढ़ी है। गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए बाईपास तक बनने वाला नाला बरसाती पानी की निकासी को सुचारु बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इससे उन इलाकों के लोगों को राहत मिलने की संभावना है, जहां बारिश के दौरान पानी जमा होने से परेशानी बढ़ जाती है। गांधी कॉलोनी, अंकित विहार, लाल बाग और सरवट समेत आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की निगाहें अब इस परियोजना पर टिकी हैं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि नाले का निर्माण पूरा होने के बाद जलभराव की समस्या में कमी आएगी और बारिश के दिनों में आवागमन पहले से बेहतर हो सकेगा।

37 करोड़ की परियोजना, जल निगम कराएगा निर्माण



गांधी कॉलोनी से पचेंडा रोड होते हुए दिल्ली-देहरादून बाईपास तक प्रस्तावित नाले के निर्माण पर करीब 37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना की कार्यदायी संस्था जल निगम होगी। रविवार को भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य की शुरूआत की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा।

यह मार्ग विधानसभा क्षेत्र पुरकाजी को शहर से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में इसके आसपास जल निकासी व्यवस्था बेहतर होने से स्थानीय आबादी को लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि, परियोजना से वास्तविक राहत कितनी मिलेगी, यह नाले की क्षमता, निर्माण की गुणवत्ता और समय पर काम पूरा होने पर निर्भर करेगा।

भूमि पूजन में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को आमंत्रण

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार रविवार, 18 अक्टूबर को परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, क्षेत्र के गणमान्य लोगों और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। परियोजना को शहर की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य तेजी और गुणवत्ता के साथ पूरा होगा, जिससे आगामी बरसात में जल निकासी व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। करीब 37 करोड़ रुपये की यह परियोजना शहर के कई इलाकों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आई है; इसकी असली सफलता जलभराव की समस्या में आने वाली कमी से तय होगी।

मां काली धाम पुरकाजी में कालरात्रि की पूजा-अर्चना, कन्या पूजन कर वस्त्र व प्रसाद वितरित

पूर्व विधायक उमेश मलिक और विभोर सिंगल ने कन्याओं का पूजन कर लिया मां काली का आशीर्वाद, विशाल आरती में उमड़े श्रद्धालु



मुजफ्फरनगर। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि की आराधना के अवसर पर मां काली धाम, भोजाहेडी पुरकाजी में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बुढ़ाना के पूर्व विधायक उमेश मलिक और भाजपा किसान मोर्चा के नगर कोषाध्यक्ष विभोर सिंघल ने विधि-विधान के साथ कन्या पूजन किया। उन्होंने कन्याओं को वस्त्र वितरित किए और प्रसाद ग्रहण कराकर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन के साथ भक्तिमय वातावरण बना रहा। इसके बाद उमेश मलिक और विभोर सिंगल ने श्रद्धालुओं के साथ विशाल आरती में भाग लिया। आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और मां काली के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।

मंदिर के प्रबंधक अंकित अग्रवाल ने मां काली की महिमा बताते हुए कहा कि वर्तमान समय को कलियुग कहा जाता है, लेकिन मां काली की आराधना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि मां काली की पूजा-अर्चना से परिवार में सुख-शांति, व्यापार में उन्नति और शत्रुओं पर विजय का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक आस्था के साथ मां भगवती की आराधना करने का आह्वान किया। इस अवसर पर योगेंद्र पंवार भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष, रविंद्र प्रधान हरेटी, सत कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग तथा सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मां काली की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

मुजफ्फरनगर की बेटी की स्मृति में वेल्हम गर्ल्स स्कूल में ट्रॉफी स्थापित



मुजफ्फरनगर। देहरादून के प्रतिष्ठित वेल्हम गर्ल्स स्कूल ने अपने 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुजफ्फरनगर की बेटी और स्कूल की पूर्व छात्रा भावना स्वरूप की स्मृति में एक विशेष ट्रॉफी स्थापित कर उन्हें अनूठी श्रद्धांजलि दी है। मुजफ्फरनगर के प्रमुख उद्योगपति आलोक स्वरूप की पुत्री भावना स्वरूप का 25 वर्ष पूर्व असामयिक निधन हो गया था। उनकी याद में शुरू की गई 'भावना स्वरूप ट्रॉफी' अब हर वर्ष जूनियर स्कूल में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर छात्रा को प्रदान की जाएगी। स्थापना दिवस समारोह के दौरान आयोजित विशेष सभा में इस ट्रॉफी का पहला उद्घाटन किया गया। सभा की अध्यक्षता वेल्हम गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्य विभा कपूर ने की, जबकि मुख्य अतिथि वेल्हम बॉयज स्कूल की प्रधानाचार्य संगीता कैन रहीं। इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बनने के लिए मुजफ्फरनगर से भावना के पिता आलोक स्वरूप, माता माधवी स्वरूप, भाई प्रभाव स्वरूप, बहन श्रेया स्वरूप और उनकी मित्र खुशी जैन विशेष रूप से मौजूद रहे।

भावना स्वरूप ने वर्ष 1997 से 2000 तक वेल्हम गर्ल्स स्कूल में कक्षा 5 से 7 तक शिक्षा ग्रहण की थी। कक्षा 8 में प्रवेश के समय ही उनका निधन हो गया था। विद्यालय प्रबंधन ने भावना की बहुमुखी प्रतिभा और स्कूल के प्रति उनके लगाव को जीवंत रखने के लिए इस ट्रॉफी की स्थापना की है। इस वर्ष यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दो छात्राओं, देवेशी अहलावत और धनश्री भोपाल को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

समारोह में उद्योगपति आलोक स्वरूप ने परिवार की ओर से एक हृदयस्पर्शी संबोधन दिया। उन्होंने विद्यालय द्वारा अपनी पुत्री को दिए गए इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि संगीता कैन ने छात्राओं को जीवन में अपना रास्ता खुद बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्य विभा कपूर ने कहा कि यह ट्रॉफी आने वाले वर्षों में छात्राओं को प्रेरित करती रहेगी और भावना स्वरूप की यादों को विद्यालय प्रांगण में सदैव जीवित रखेगी। मुजफ्फरनगर के औद्योगिक और सामाजिक हलकों में भी इस पहल की सराहना की जा रही है।

भाजपा ने एमएलसी चुनाव को लेकर तेज किया जनसंपर्क अभियान, दिनेश गोयल के समर्थन में हुई बैठक

23 अक्टूबर को स्नातक और शिक्षक प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील, गांधीनगर स्थित भाजपा कार्यालय में जुटे पदाधिकारी और कार्यकर्ता



मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जनपद में विधान परिषद चुनाव को लेकर भाजपा ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गांधीनगर स्थित भाजपा कार्यालय में स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा के स्नातक प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि बैठक में जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने कहा कि भाजपा सरकारों द्वारा विकास, सुशासन और जनकल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने स्नातक मतदाताओं से भाजपा के स्नातक प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल तथा शिक्षक मतदाताओं से शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा के समर्थन में मतदान करने की अपील की। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा की और कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के बीच पहुंचकर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में सफलता के लिए संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं का समन्वित प्रयास महत्वपूर्ण है। भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री व चुनाव संयोजक वैभव गोयल ने बताया कि आगामी 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होना है। ऐसे में स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री एवं एमएलसी चुनाव संयोजक वरुण गोयल ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों व भाजपा पदाधिकारियों को मतदाताओं से डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर वोट डलवाने है। बैठक में चुनाव संयोजक श्रीमोहन तायल, विधानसभा प्रभारी ममता अग्रवाल, विधानसभा संयोजक पंकज माहेश्वरी, संजय गर्ग,

मोरना क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन का तार टूटा: करंट से तीन पशुओं की मौत, विद्युत विभाग की लापरवाही के खिलाफ ग्रामीणों में भारी रोष, मुआवजे की मांग

जमीन में फैला 11 हजार वोल्ट का करंट ने तड़पकर मरे पशु



मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव इलाहाबास में शनिवार दोपहर बिजली विभाग की घोर लापरवाही के कारण बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का इंसुलेटर खराब होने से टूटा तार जमीन पर गिर गया, जिससे फैले करंट की चपेट में आकर तीन पशुओं (भैंस व भैंसा) की मौके पर ही तड़पकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान एक पशुपालक ने किसी तरह बोगी से कूदकर अपनी जान बचाई। एक साथ तीन मवेशियों की मौत से ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ भारी रोष व्याप्त हो गया।

चिकित्सालय ले जाते समय रास्ते में फैला था करंट

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गांव इलाहाबास निवासी अनुज कुमार पुत्र दलमीरा शनिवार दोपहर अपनी भैंस को बीमार होने पर भैंसा-बोगी के पीछे बांधकर इलाज के लिए मोरना स्थित पशु चिकित्सालय ले जा रहा था। जैसे ही वह गांव से बाहर निकला, रास्ते में विद्युत खंभे और जमीन में उतरे करंट की चपेट में आते ही भैंसा और भैंस अचानक छटपटाकर गिर पड़े। करंट का अहसास होते ही अनुज कुमार ने सूझबूझ का परिचय देते हुए किसी तरह बोगी से कूदकर अपनी जान बचाई। इसी दौरान पास ही घर के बाहर बाड़े में बंधी सोमपाल की भैंस भी जमीन में फैले करंट की चपेट में आ गई और उसने भी तड़पकर दम तोड़ दिया।

मौके पर उमड़ी भीड़, ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

एक साथ तीन मवेशियों की मौत की खबर फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीण संजय कुमार, चमन, सुदेश, सुमन, रूबी और सतवीर आदि ने बिजली विभाग पर जर्जर तारों व इंसुलेटरों की मरम्मत न कराने का आरोप लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने पीड़ित पशुपालकों को विभाग की ओर से उचित मुआवजा देने की पुरजोर मांग की है।

इंसुलेटर खराब होने से टूटा तारः अवर अभियंता

हादसे के संबंध में शुक्रताल उपकेंद्र के अवर अभियंता (खए) मंगतराम ने बताया कि 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का इंसुलेटर अचानक खराब हो जाने के कारण तार टूटकर गिर गया था, जिससे जमीन में करंट फैल गया। सूचना मिलते ही लाइन को तुरंत कटवा दिया गया। वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे सपा नेता हाजी मूसा ने पीड़ित पशुपालकों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से आर्थिक मदद दिलवाने का आश्वासन दिया।

मोहल्ला जाटान में जलभराव से लोग परेशान, नगर पंचायत अध्यक्ष ने दिया जल्द समाधान का आश्वासन

मीरापुर। नगर पंचायत मीरापुर के मोहल्ला जाटान में पिछले कई वर्षों से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। बारिश होते ही मोहल्ले की गलियों और मुख्य रास्तों पर पानी जमा हो जाता है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चो व स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को मोहल्लेवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष जमील अहमद को मौके पर बुलाकर जलभराव की समस्या से अवगत कराया। इस दौरान सभासद पति सलीम भी मौजूद रहे।

मोहल्लेवासियों शरणवीर, मुकेष, बोबी पंडित, अंकित, सतेन्द्र, तेजपाल, जोगेंद्र चैधरी, नरेंद्र, रविंद्र आदि ने बताया कि हल्की बारिश होने के बाद ही मोहल्ले में पानी भरना शुरू हो जाता है। जलभराव मोहल्ले से लेकर हाईवे तक बना रहता है। इस कारण स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और आम लोगों को रोजाना आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि तीन-चार दिन पूर्व हुई बारिश के बाद भी पानी की निकासी नहीं हो पाई है। कई दिनों से जमा पानी अब काला और गंदा होकर कीचड़ में तब्दील हो गया है। पानी में कीटाणु पनपने लगे हैं, जिससे मोहल्ले में संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। जलभराव के कारण अब पानी घरों के आसपास तक पहुंचने लगा है। मोहल्लेवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष से समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। नगर पंचायत अध्यक्ष जमील अहमद ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से डिगडेरा के जंगल तक पानी की निकासी के लिए पाइपलाइन बिछाई गई थी। कुछ लोगों द्वारा शिकायत किए जाने के बाद पाइपलाइन को उखाड़ना पड़ा था, जिसके कारण जल निकासी की समस्या दोबारा उत्पन्न हो गई। अध्यक्ष ने मौके पर ही आश्वासन दिया कि पाइपलाइन को पुनः चालू कराकर जल निकासी का कार्य शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पानी की निकासी होने से मोहल्लेवासियों को जल्द राहत मिलेगी।

जनता इण्टर कॉलेज, भोपा (मुजफ्फरनगर)

(विद्यालय की प्रवन्ध समिति का त्रिवार्षिक चुनाव कार्यक्रम)

महोदव / महोदवा — दिनांकः- 17 / 10 / 2026

आपको सादर अवगत कराता है कि जनता इण्टर कॉलेज, भोपा (मुजफ्फरनगर) की विद्यालय की प्रवन्ध समिति का चुनाव करने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक मुजफ्फरनगर के आदेश प्र०सं०-1 / 5610-12 / 2026-27 दिनांक 08 / 09 / 2026 द्वारा अधोहस्ताक्षरी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया नता है। समस्त चुनाव प्रक्रिया जनता इण्टर कॉलेज, भोपा के प्रांगण में सम्पन्न होगी। चुनाव प्रक्रिया में प्रतिभाग हेतु प्रस्वेक सदस्य को आधार कार्ड मूल तथा छापापति दोनों अनिवार्वतः साथ लानी है। नामांकन हेतु पदाधिकारी पद के लिए 2000/- (दो हजार रुपये) तथा सदस्य पर हेतु 1000/- (एक हजार रुपये) नकद जमा कम्मा होगा।

चुनाव कार्यक्रम

दिनांक 12.11.2026 (मृहस्पतिवार) प्रातः 10:00 बजे सदस्यता सूची विद्यालम के सूचना पद पर चस्पा।
दिनांक 14.11.2026 (शनिवार) अपराह 3:30 से 4:30 बजे – सदस्यवा सूची पर आपत्तियों तथा निवारण
अपराह 4:30 बजे – शुद्ध / अन्तिम सूची का प्रकाशन
दिनांक 15.11.2026 (रविवार) प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक – प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र प्रापा करना
प्रातः 11:00 बजे से 12:30 बजे – प्रत्याशियों द्वाल भरे गए नामांकन पत्र जमा करना।
अपराह्न 12:30 बजे से 1:30 बजे – नामांकन पत्रों की लाँच।
अपराह्न 1:30 बजे – नामांकन किए प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन।
अपराह्न 2:30 बजे से 2:30 बजे तक – नामांकन पर्यों के सापेक्ष आपत्तियां प्राप्त करना व निस्तारण करण।
अपराह्न 2:30 बजे से 3:00 बजे तक – नामांकन मापच लेना।
अपराह्न 3:35 बजे – प्रत्याशियों की सूची का अन्तिम प्रकाशन।
शाम 4:45 बजे – चुनाव चिर्कों आर्वटन (अगर आवश्यक हुआ)
दिनांक 22.11.2026 (रविवार) – प्रातः 9:00 बजे से 2:00 बजे तक मतदान (यदि आवश्कक हुआ)
अपराह्न 2:00 बजे से मकाणना।
चुनाव परिणाम की घोषणा- मतगामना के तत्काल बाद।

नोटः- मतदान हेतु फोटोपूक्त पहुधान पत्र मुलरूप में साथ साना जरूरी है।

(योगेन्द्र मलिक)
चुनाव अधिकारी
जनता इण्टर कॉलेज, भोपा,
मुजफ्फरनगर

किसानों की समस्याओं को लेकर चरथावल में गूंजी आवाज, भाकियू अराजनैतिक ने किया किसान संवाद

गन्ना मूल्य बढ़ाने, खाद की उपलब्धता और तहसील में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा; शशिकांत त्यागी उर्फ काला प्रधान चौकड़ा बने चरथावल ब्लॉक अध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की ओर से चरथावल में भूड़-हाकिमपुरा रोड पर किसान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने गन्ने का मूल्य बढ़ाने, तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत बनाने और किसानों के अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि किसानों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष के योद्धा तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा कि चरथावल ब्लॉक में किसानों का उत्पीड़न करने में कथित किसान नेताओं की भूमिका भी सामने आती रही है। क्षेत्र के किसान सीधे-सादे हैं, ऐसे में उनकी समस्याओं को गंभीरता से उठाने और उनके समाधान के लिए संगठित प्रयास करने की आवश्यकता है।

नए बिजलीघर, समिति और सब्जी मंडी के निर्माण की उठाई मांग

धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि चरथावल क्षेत्र में किसानों की जरूरतों को देखते हुए नए बिजलीघर का निर्माण कराया जाना जरूरी है। इसके साथ ही नई समिति के गठन और सब्जी उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित भाव दिलाने के लिए सब्जी मंडी का निर्माण भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक किसानों की इन समस्याओं को लेकर संघर्ष करेगी और उनकी आवाज को मजबूती से उठाएगी।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि यदि तहसील में किसी किसान का उत्पीड़न होता है तो वे अकेले परेशान होने के बजाय संगठित होकर आंदोलन करें। संगठन किसानों के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक आगे बढ़कर संघर्ष करेगी।

शशिकांत त्यागी उर्फ काला प्रधान चौकड़ा बने ब्लॉक अध्यक्ष



किसान संवाद के दौरान संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपते हुए शशिकांत त्यागी उर्फ काला प्रधान चौकड़ा को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का चरथावल ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की गई। मंडल महासचिव विपिन त्यागी ने संगठन को मजबूत करने और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संचालन शशिकांत त्यागी ने किया, जबकि अध्यक्षता इमरान त्यागी ने की। आयोजन में अखलाक ने सभी उपस्थित किसानों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

ये किसान रहे मौजूद

किसान संवाद में अंकित जवला, विपिन त्यागी, बबल ठाकुर, कुलदीप ठाकुर कसौली, नीरज मलिक, मोहित मलिक, कृष्ण चौकड़ा, रोबिन बालियान, तस्लीम निर्धना और आयुष त्यागी सहित सैकड़ों किसान शामिल रहे।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक:
♦अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

शुद्धिपत्र

पत्रांकः- 1395/निर्माण/सा0प्रा0/2026-27 — दिनांकः- 17/10/2026

निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत / वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि ई-निविदा पत्रांक संख्या-1270/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 दिनांक-28.09.2026 द्वारा निर्गत ई-निविदा दिनांक-29.09.2026 से दिनांक-19.10.2026 तक आमन्त्रित की गयी है, परन्तु दिनांक-19.10.2026 (सोमवार) को राम नवमी का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण दिनांक-21.10.2026 तक आमन्त्रित की जाती है।

सहायक अभियन्ता (निर्माण) नगर पालिका परिषद मुज़फ्फरनगर। | अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर। | अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुज़फ्फरनगर।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

पत्रांकः- 1396/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 — दिनांकः- 17-10-2026

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत / वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 120 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 12/11/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाईन दिनांक 21/10/2026 की प्रातः 10:00 से दिनांक 12/11/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 12/11/2026 की अपराह्न 04:00 बजे सक्षम अधिकारी के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है।

सहायक अभियन्ता (निर्माण) नगर पालिका परिषद मुज़फ्फरनगर। | अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुज़फ्फरनगर। | अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुज़फ्फरनगर।



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 18 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



बुढाना पुलिस ने 30 लाख के गांजे के साथ दो अंतरजनपदीय तस्कर किये गिरफ्तार, वरना कार में छिपाकर ले जा रहे थे 65.970 किलो गांजा

ऑपरेशन सवेरा के तहत बुढ़ाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बसी गेट के पास चेकिंग में पकड़े गए दोनों आरोपी; मुरादाबाद की अज्ञात महिला से गांजा खरीदकर अलग-अलग जनपदों में महंगे दामों पर बेचने का दावा, एक आरोपी का बरेली में भी एनडीपीएस का मुकदमा

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुढ़ाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कथित गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 65 किलो 970 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है। गांजे की इस खेप को हुंडई वरना कार में छिपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी कब्जे में ले लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने मुरादाबाद निवासी एक अज्ञात महिला से गांजा खरीदकर विभिन्न जनपदों में ऊंचे दामों पर बेचने की बात बताई है। पुलिस अब गांजे की आपूर्ति करने वाले लोगों से लेकर इसे खरीदने और बेचने वाले कथित नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। यह कार्रवाई ऑपरेशन सवेरा–नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के अंतर्गत की गई।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक पुत्र जितेन्द्र निवासी गंगा मंदिर के पास हरथला, थाना सिविल लाइन, जनपद मुरादाबाद, मूल निवासी ग्राम सुन्ना, थाना कांधला, जनपद बागपत तथा प्रेम सिंह पुत्र श्यौनाथ सिंह निवासी ग्राम कुचावली, थाना छजलैट, जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ बुढ़ाना थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ऑफिस ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया16 अक्टूबर 2026 को बुढ़ाना थाना पुलिस की टीम खतौली-बुढ़ाना मार्ग पर बसी गेट के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक हुंडई वरना कार वहां पहुंची। पुलिस टीम ने कार को रोककर जांच करने का प्रयास किया तो आरोप है कि उसमें सवार दोनों व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे।पुलिसकर्मियों ने सतर्कता दिखाते हुए दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ का वजन कराया तो उसकी कुल मात्रा 65 किलो 970



ग्राम निकली। पुलिस के अनुसार, बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये है। भारी मात्रा में गांजा मिलने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार को भी तस्करी में प्रयुक्त वाहन के रूप में कब्जे में लिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे मुरादाबाद निवासी एक अज्ञात महिला से गांजा सस्ते दामों पर खरीदते थे। इसके बाद अलग-अलग जनपदों में ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस इस बयान की जांच कर रही है और कथित महिला की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि गांजे की आपूर्ति कितने समय से की जा रही थी, आरोपी किन-किन जनपदों में इसकी बिक्री करते थे और इस कारोबार में उनके साथ अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। पुलिस आरोपियों के संपर्कों, फोन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर तस्करी की पूरी कड़ी का पता लगाने में जुटी है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से कथित महिला का नाम या गांजे की आपूर्ति के किसी अन्य ठिकाने की पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में मामले में आगे की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, आरोपी प्रेम सिंह के खिलाफ बुढ़ाना थाने में दर्ज वर्तमान मुकदमे के अलावा बरेली जनपद के फतेहगंज पश्चिमी थाने में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज होने का विवरण सामने आया है। यह मुकदमा अपराध संख्या 370/2025 है, जिसमें धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट का उल्लेख है। वहीं, आरोपी अभिषेक के आपराधिक इतिहास में फिलहाल बुढ़ाना थाने में दर्ज वर्तमान मुकदमे का विवरण दिया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों के विस्तृत आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपियों की कथित तस्करी गतिविधियों का दायरा कितना बड़ा है और वे पहले किन लोगों के संपर्क में रहे हैं।पुलिस के सामने अब केवल बरामद गांजे के स्रोत का पता लगाना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे नेटवर्क को खंगालने की चुनौती है। पुलिस आरोपियों के आगे और पीछे के संपर्कों की जांच कर रही है।

छह साल की मासूम से दरिंदगी करने वाले को उम्रकैद, आखिरी सांस तक जेल में रहेगा दोषी

मुजफ्फरनगर की विशेष पॉक्सो अदालत का सख्त फैसला, 25 हजार रुपये प्रतिकर देने के आदेश, आठ गवाहों की गवाही और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दोषसिद्ध

मुजफ्फरनगर। छह साल की मासूम बच्ची के साथ लैंगिक अपराध के मामले में मुजफ्फरनगर की विशेष पॉक्सो अदालत ने कड़ा फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मनोज कुमार सिद्ध की अदालत ने छपार निवासी पप्पू को दोषी ठहराते हुए पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(एम)/6 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आजीवन कारावास का अर्थ दोषी के शेष प्राकृतिक जीवनकाल तक जेल में रहना होगा। इसके साथ ही 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। वहीं, भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत पांच वर्ष के कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। अदालत ने दोनों सजाओं को साथ-साथ चलाने का आदेश दिया है। पीड़िता के चिकित्सा खर्च और पुनर्वास के लिए 25 हजार रुपये प्रतिकर दिए जाने का भी निर्देश दिया गया है। दुकान से सामान लेने जा रही बच्ची को बहलाकर जंगल में ले जाने का आरोप अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 19 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 10:30 बजे की है। छह वर्षीय बच्ची अपने घर से परचून की दुकान पर खाने-पीने का सामान लेने जा रही थी। इसी दौरान गांव का रहने वाला पप्पू उसे बहलाकर अपने साथ जंगल की ओर ले गया। आरोप था कि वहां उसने बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कीं और लैंगिक अपराध किया। अभियोजन के मुताबिक, घटना के दौरान बच्ची रोने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्र होने लगे। लोगों को अपनी ओर आता देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद बच्ची के पिता ने थाना छपार में लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर 20 अप्रैल 2026 को मुकदमा दर्ज किया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5(एम)/6 के तहत अभियोजन चलाया गया। इसके बाद प्रकरण की सुनवाई विशेष पॉक्सो न्यायालय में हुई। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक प्रदीप बालियान और दिनेश कुमार शर्मा ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की। अभियोजन ने अदालत में आठ गवाह प्रस्तुत किए। इसके साथ ही मौखिक और लिखित साक्ष्यों को भी साबित किया गया।

अदालत ने मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषसिद्ध करार देते हुए सजा सुनाई। विशेष न्यायालय ने दोषी पप्पू को पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(एम)/6 के तहत आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अदालत के आदेश के अनुसार, अर्थदंड जमा नहीं करने पर दोषी को एक वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। इसके अतिरिक्त भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के अपराध में पांच वर्ष का कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया है।

खालापार पुलिस के हत्थे चढ़ा हिस्ट्रीशीटर खलील, तमंचा और कारतूस बरामद

सुजडू निवासी आरोपी 12 मुकदमों में रह चुका है नामजद, मास्टर सराफत के कार्यालय के पास से दबोचा

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध हथियार रखने और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खालापार पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान खालसा पट्टी सुजडू निवासी 48 वर्षीय खलील पुत्र यासीन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

मास्टर सराफत के कार्यालय के पास से गिरफ्तारी

खालापार थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में अवैध हथियार रखने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस टीम ने मास्टर सराफत के कार्यालय के पास से खलील को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। मामले में थाना खालापार पर मुकदमा अपराध संख्या 185/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए आपराधिक इतिहास के अनुसार, खलील



के खिलाफ वर्ष 2016 से वर्ष 2023 तक विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज रहे हैं। इनमें गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, अवैध हथियार, गैंगस्टर एक्ट और अन्य आपराधिक धाराओं से संबंधित मामले शामिल हैं। पुलिस अभिलेखों में आरोपी के खिलाफ कोतवाली नगर, शाहपुर और अन्य संबंधित थानों में दर्ज मुकदमों का उल्लेख किया गया है। वर्ष 2016 में उसके खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम और धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए थे। इसके बाद वर्ष 2017, 2019, 2020 और 2021 में भी उसके खिलाफ विभिन्न मामले दर्ज किए गए।

वर्ष 2021 में कोतवाली नगर में हत्या के प्रयास से संबंधित धारा 307 भादवि के तहत भी मुकदमा दर्ज होने का उल्लेख है। वर्ष 2022 में गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई से संबंधित मुकदमा दर्ज हुआ, जबकि वर्ष 2023 में थाना शाहपुर में भी उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज खालापार पुलिस ने मौजूदा मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 185/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, अवैध हथियार की बरामदगी के मामले में आरोपी के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई है। उपनिरीक्षक संजय सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संजय सिंह, कांस्टेबल संजीव कुमार, कांस्टेबल रिंकू कुमार और कांस्टेबल शेर सिंह शामिल रहे। खालापार थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के अनुसार, जनपद में अवैध हथियार रखने वाले और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने खलील को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया। पुलिस का कहना है कि अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

खतौली में 1.10 लाख रुपये की नशे की खेप के तस्कर गिरफ्तार: 2.040 किलोग्राम गांज बरामद, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

पुलिस को चेकिंग अभियान के दौरान पकडा शातिर आरोपी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खतौली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर आरोपी को 2.040 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के कड़े निदेशों के अनुपालन में पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 16 अक्टूबर की देर रात पुलिस को सूचना मिली, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहल्ला सैनीनगर स्थित कंस्ट्रक्शन फैक्ट्री वाली गली से एक युवक को घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से



2.040 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपक उर्फ शेर पुत्र बिजेंद्र, निवासी मोहल्ला देवीदास (कस्बा व थाना खतौली, मुजफ्फरनगर) के रूप में हुई है। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज हुआ मुकदमा अवैध मादक पदार्थ की बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना खतौली पर मुकदमा अपराध संख्या 341/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया है। पुलिस द्वारा की गई छानबीन में आरोपी के आपराधिक इतिहास का भी खुलासा हुआ है। आरोपी दीपक उर्फ शेर के खिलाफ वर्ष 2021 में भी आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज हो चुका है। अवैध गांजे के साथ तस्कर को दबोचने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, उपनिरीक्षक रजत सिंह, मुख्य आरक्षी जितेंद्र कुमार तथा आरक्षी योगेश कुमार एवं हेमंत मुख्य रूप से शामिल रहे। पुलिस प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

ई-रिक्शा सवार चोरों का दुस्साहस, दुकान के बाहर से 50 हजार के कपड़े ले उड़े

अलसुबह ट्रांसपोर्टर ने दुकान के बाहर रखे थे कपड़ों के दो गट्ठर, दुकानदार के पहुंचने से पहले ही चोरी कर ले गए आरोपी, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मुजफ्फरनगर। शहर में चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए चोर किस तरह मौके की तलाश में रहते हैं, इसका एक मामला सामने आया है। शहर कोतवाली क्षेत्र में रुड़की रोड स्थित ग्रीन एप्पल होटल के बाहर एक दुकान पर पहुंचे दो लोग ई-रिक्शा की मदद से कपड़ों के दो गट्ठर उठाकर फरार हो गए। दोनों गट्ठरों में करीब 50 हजार रुपये कीमत के कपड़े बताए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि आरोपियों ने अलसुबह दुकान के बाहर रखे कपड़ों को उठाने में जरा भी जल्दबाजी नहीं दिखाई और बड़े इत्मीनान से दोनों गट्ठर लेकर चलते बने। चोरी की पूरी घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। अब वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, मामला शहर कोतवाली क्षेत्र में रुड़की रोड स्थित ग्रीन एप्पल होटल के बाहर की एक दुकान का है। दुकानदार ने दिल्ली से कपड़ों की खेप मंगवाई थी। शुक्रवार को ट्रांसपोर्टर कपड़ों के दो गट्ठर लेकर पहुंचा और अलसुबह करीब चार बजे दोनों गट्ठर दुकान के बाहर रखकर



चला गया। इन कपड़ों की कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। दुकानदार को उम्मीद थी कि दुकान पर पहुंचकर वह कपड़ों के गट्ठरों को अंदर रखवा लेगा, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया। सुबह जब दुकानदार दुकान पर पहुंचा तो कपड़ों के दोनों गट्ठर गायब मिले। दुकान के बाहर रखे कपड़े अचानक गायब होने से उसके होश उड़ गए। इसके बाद आसपास जानकारी करने के साथ ही दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। सीसीटीवी फुटेज में दो लोग ई-रिक्शा से दुकान के बाहर पहुंचते दिखाई दिए। दोनों की नजर दुकान के बाहर रखे कपड़ों के गट्ठरों पर पड़ी तो वे उन्हें उठाकर ले गए। आरोपियों ने जिस तरह से कपड़ों के गट्ठर उठाए, उससे जाहिर हुआ कि उन्हें इस बात का भरोसा था कि अलसुबह के समय उनकी गतिविधियों पर किसी की नजर नहीं पड़ेगी। हालांकि, दुकान के बाहर लगे कैमरे ने उनकी पूरी हरकत रिकॉर्ड कर ली। दिन निकलने से पहले हुई इस घटना में आरोपियों ने दुकान का ताला तोड़ने या अंदर घुसने की जरूरत नहीं समझी। बाहर रखे सामान को ही निशाना बनाया और वहां से निकल गए। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आने से चोरी का पूरा घटनाक्रम उजागर हो गया।

इस घटना में चोरों ने दुकान के अंदर रखे सामान के बजाय बाहर रखी कपड़ों की खेप को निशाना बनाया। ट्रांसपोर्टर द्वारा सामान दुकान के बाहर रखकर चले जाने और दुकानदार के पहुंचने के बीच का समय चोरों के लिए मौका बन गया। इसी दौरान दोनों गट्ठर गायब हो गए। दुकानदार को करीब 50 हजार रुपये के नुकसान की बात कही जा रही है।

व्यापारियों के लिए यह घटना एक सबक भी है कि दुकान के बाहर सामान रखकर छोड़ना कितना भारी पड़ सकता है। खासकर उन दुकानों पर, जहां ट्रांसपोर्टर सुबह जल्दी माल पहुंचा देते हैं और दुकानदार कुछ समय बाद पहुंचते हैं। ऐसे में सामान की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। शनिवार सुबह से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो चोरी की यह घटना शनिवार सुबह करीब आठ बजे से सोशल मीडिया पर चर्चा में आई, जब सीसीटीवी फुटेज वायरल होने लगा। वीडियो में ई-रिक्शा से आए दो लोगों द्वारा कपड़ों के गट्ठर ले जाने का घटनाक्रम दिखाई देने की बात सामने आई है।

मोज ऐप डाउनलोड करने के बाद साइबर ठगी का शिकार हुआ युवक, खाते से उड़ाए 99 हजार रुपये

गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर तलाशना पड़ा भारी, फोन पर मिले व्यक्ति के कहने पर ऐप डाउनलोड करते ही मोबाइल हैक होने का आरोप; यूपीआई से दो बार में निकाली रकम, नई मंडी कोतवाली में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मोबाइल पर ऐप डाउनलोड करने और उसकी समस्या का समाधान तलाशने के दौरान साइबर ठगों के जाल में फंसने का एक मामला सामने आया है। मोज ऐप से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर तलाशना नई मंडी क्षेत्र के एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि कस्टमर केयर के नाम पर संपर्क में आए व्यक्ति ने उसे एक अन्य ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद युवक का मोबाइल फोन हैक कर यूपीआई के माध्यम से खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की, जिसके आधार पर नई मंडी कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है।

नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर निवासी जावेद अली के अनुसार, तीन अगस्त 2026 को उन्होंने अपने मोबाइल फोन में मोज ऐप डाउनलोड किया था। ऐप डाउनलोड करने के बाद उनके खाते से 699 रुपये कट गए। खाते से रकम कटने पर उन्होंने इसकी जानकारी लेने और समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया। इसी सिलसिले में उन्होंने गूगल पर मोज ऐप के कस्टमर केयर का नंबर तलाशा।

गूगल पर मिले नंबर पर किया संपर्क

पीड़ित के मुताबिक, गूगल पर मिले एक मोबाइल नंबर पर उन्होंने कॉल की। फोन पर बात करने वाले व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को कस्टमर केयर से जुड़ा बताया और समस्या का समाधान करने का भरोसा दिया। आरोप है कि बातचीत के दौरान उस व्यक्ति ने जावेद अली को एक ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। युवक ने उसकी बातों पर भरोसा करते हुए बताए गए तरीके से ऐप डाउनलोड कर लिया।

ऐप डाउनलोड करते ही खाते से निकलने लगी रकम

जावेद अली का आरोप है कि ऐप डाउनलोड करने के बाद उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया गया। इसके बाद उनके बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से रकम निकाली गई। पीड़ित के अनुसार, खाते से पहले 90 हजार रुपये और फिर नौ हजार रुपये का लेनदेन किया गया। इस तरह दो बार में कुल 99 हजार रुपये खाते से निकल गए। खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलने पर युवक के होश उड़ गए।

साइबर हेल्पलाइन पर की शिकायत

खाते से रकम निकलने के बाद पीड़ित ने अपना बैंक खाता बंद कराया और साइबर अपराध से जुड़ी शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की शिकायत पुलिस को दी। जावेद अली ने 16 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई।

नई मंडी कोतवाली में मुकदमा दर्ज

शिकायत के आधार पर नई मंडी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गूगल पर मिले कस्टमर केयर नंबर के जरिए संपर्क करने और कथित तौर पर ऐप डाउनलोड कराने के बाद हुई इस घटना ने एक बार फिर ऑनलाइन सहायता के नाम पर होने वाली साइबर ठगी को लेकर सतर्क रहने की जरूरत उजागर की है।

अनजान नंबर और ऐप से रहें सावधान

साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी ऐप का कस्टमर केयर नंबर तलाशते समय उसकी आधिकारिक वेबसाइट या आधिकारिक ऐप पर उपलब्ध संपर्क विवरण का ही इस्तेमाल करना चाहिए। फोन पर किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप डाउनलोड करने, मोबाइल का नियंत्रण देने या बैंकिंग संबंधी जानकारी साझा करने से बचना चाहिए। खाते से संदिग्ध लेनदेन होने पर तुरंत बैंक से संपर्क कर खाते और डिजिटल भुगतान की सुरक्षा के उपाय करने चाहिए तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

खतौली में मिशन शक्ति अभियान: महिला सुरक्षा और अधिकारों पर दी जानकारी, पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को दी सीख

श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति एवं एनएसएस का संयुक्त आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे ह्यमिशन शक्ति अभियान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) के संयुक्त तत्त्वावधान में श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली में महिला सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों और स्वावलंबन को लेकर एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को कानून, आत्मरक्षा और पुलिस हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कानूनी अधिकारों और आत्मरक्षा के प्रति किया जागरूक

कार्यक्रम में मुख्य रूप से थाना खतौली से पधारे पुलिस अधिकारी चरण सिंह सिरोही, कोमल चौधरी, मीना सिंह, मधु यादव एवं अंजली यादव ने छात्राओं को संबोधित किया। पुलिस टीम ने छात्राओं



को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों, आपातकालीन स्थिति में उपयोगी पुलिस हेल्पलाइन नंबरों तथा आत्मरक्षा के उपायों से अवगत कराया। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति हमेशा सजग रहें और किसी भी तरह के उत्पीड़न या अन्याय के विरुद्ध बिना किसी भय के अपनी आवाज बुलंद करें।

महिला सुरक्षा ही स्वस्थ समाज की नींव: प्राचार्या

समारोह को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और उनका सशक्तीकरण किसी भी प्रगतिशील व स्वस्थ समाज की आधारशिला है। जब तक बेटियाँ खुद को सुरक्षित और समर्थ महसूस नहीं करेंगी, तब तक समाज का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। वहीं एनएसएस प्रभारी विकास जैन ने सामाजिक चेतना के प्रसार में ऐसे कार्यक्रमों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। शिक्षकों और छात्राओं की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. संजीव कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सम्मानित प्राध्यापक, शिक्षिकाएँ और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। संपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मविश्वास से भरपूर बनाकर समाज में स्वावलंबी बनने की प्रेरणा देना रहा।

मुजफ्फरनगर-जनता इंटर कॉलेज भोपा में चार नवनियुक्त शिक्षकों ने संभाला कार्यभार

करीब 12 वर्षों से रिक्त गणित प्रवक्ता के पद पर हुई नियुक्ति, विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर शिक्षा

मुजफ्फरनगर। जनता इंटर कॉलेज भोपा में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा चयनित चार नवनियुक्त शिक्षकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। लंबे समय से रिक्त चल रहे शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति होने से विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की पढ़ाई के लिए बेहतर मार्गदर्शन मिल सकेगा। जनता इंटर कॉलेज भोपा के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में प्रवक्ता वेतनक्रम के 20 तथा स्नातक वेतनक्रम के 32 पद शिक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत हैं। इनके सापेक्ष वर्तमान में प्रधानाचार्य सहित विभिन्न विषयों के लगभग 43 शिक्षक कार्यरत हैं। हालांकि, विगत कई वर्षों से विद्यालय में शिक्षकों के दर्जनों पद रिक्त चल रहे थे, जिसके कारण शिक्षण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में चुनौतियां बनी हुई



थीं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022 में बालक एवं बालिका संवर्ग में विभिन्न विषयों के पद विज्ञापित किए गए थे। इसी क्रम में आयोग द्वारा विद्यालय में करीब 12 वर्षों से रिक्त चल रहे गणित प्रवक्ता के पद पर शिशिर वर्मा की नियुक्ति की गई है। वहीं स्नातक वेतनक्रम में जीव विज्ञान विषय के लिए दीपमाला, चित्रकला विषय के लिए राहुल कुमार तथा विज्ञान विषय के लिए नेहा जैन को नियुक्त किया गया है। चारों नवनियुक्त शिक्षकों ने आयोग द्वारा जारी पैनल के क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय मुजफ्फरनगर से जारी नियुक्ति पत्रों के आधार पर कार्यभार ग्रहण किया। विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र कुमार शिवाच द्वारा प्रबंधकीय प्रस्ताव के माध्यम से नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया पूरी की गई।

विद्यालय में चार नए शिक्षकों के आने से शैक्षिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से गणित, जीव विज्ञान, चित्रकला और विज्ञान जैसे विषयों में विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इससे उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ शैक्षिक उपलब्धियों को भी बढ़ावा मिल सकेगा। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के सभागार में एक परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चारों नवनियुक्त शिक्षकों ने अपने जीवन के अनुभवों, शैक्षिक तैयारियों, उद्देश्यों तथा कठिन परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त करने के अनुभव एक-दूसरे के साथ साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने और विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों में अपना योगदान देने के प्रति प्रतिबद्धता जताई। प्रधानाचार्य संजय कुमार ने नवनियुक्त शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

संपादकीय

कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की मिसाल है एनएसजी कमांडोज

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड एनएसजी का 42वें स्थापना दिवस पर पूरे देश को हमेशा गर्व रहता है। अक्षरधाम से मुंबई आतंकी हमले तक, देश के वो 5 बड़े ऑपरेशन, जब एनएसजी ने पलक झपकते ही बदल दिया था पासा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में तैनात एनएसजी कमांडो को आपने जरूर देखा होगा। हमेशा अलर्ट मोड में रहने वाले ये कमांडो सिर्फ पीएम की सुरक्षा ही नहीं देखते बल्कि देश में संकट के समय सबसे बड़ी ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं। इन 'ब्लैक कैट कमांडो' नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने कई आतंकी हमलों को नाकाम किया है. देश के भीतर जब भी कोई संकट आता है तो दुश्मन पर सबसे तगड़ा वार करने में एनएसजी कमांडो ही ना आता है। एनएसजी पर पिछले 42 सालों में हस्त के नाम कई शौर्य गाथाएं लिखी जा चुकी हैं। एनएसजी ने न केवल देश को संकट से उबारा बल्कि दुनिया को भारत के कड़े प्रहार की ताकत दिखाई। 26 नंवबर 2008 की, जब मुंबई में पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने हमला किया. ये वो काली रात थी, जब माया नगरी मुंबई की सड़कों पर गोलियों की तड़तड़ाहट का शोर गूंजने लगा. मुंबई का यह आतंकी हमला भारत के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा हमला था. पाक के 10 आतंकियों ने मुंबई के ताज होटल, ट्राइडेंट होटल और नरीमन हाउस को बंधक बना लिया था. पूरा देश सहमा हुआ था। इस हमले के आतंकियों के खात्मे और आम लोगों को बचाने की जिम्मेदारी एनएसजी को मिली थी। सितंबर 2002 में गुजरात के गांधीनगर में स्थित प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर को आतंकियों ने निशाना बनाया. आतंकी हथियार लेकर मंदिर परिसर में दाखिल हो गए और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे. आतंकियों ने कई श्रद्धालुओं को बंधक भी बनाया. पहले इस हमले से स्थानीय पुलिस बल को कमान दी गई. लेकिन स्थिति गंभीर होने के बाद दिल्ली से एनएसजी कमांडो गांधीनगर पहुंचे और मोर्चा संभाल लिया। पठानकोट एयरबेस हमले के दौरान एनएसजी का ऑपरेशन धंगू सुरक्षा अभियान चलाया था। वहीं अमृतसर आईसी-427 हाइजैक और एनएसजी का ऑपरेशन अश्वमेध को कौन भूल सकता है। वहीं एनएसजी का ऑपरेशन ब्लैक थंडर चला था। करीब 122 से अधिक संदिग्धों को पकड़ा गया था और बिना किसी खून-खराबे के स्वर्ण मंदिर परिसर से चरमपंथियों को बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोस अध्यक्ष ओम बिरला और नितिन गडकरी ने देश के जांबाज 'ब्लैक कैट्स' कमांडो के अदम्य साहस और सर्वोच्च समर्पण को नमन किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की शासन-दृष्टि के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सपा सत्ता में आती है तो माफिया और बदमाश लेकर आती है, जबकि भाजपा विकास और बदलाव लेकर आती है। उनके इस राजनीतिक आकलन को कसारी-मसारी की जमीन एक ठोस संदर्भ देती है। जिस अतीक अहमद का नाम कभी प्रयागराज में राजनीतिक प्रभाव और आपराधिक वर्चस्व का पर्याय था, उसी के कब्जे से मुक्त भूमि पर अब गरीबों के आवास बनने जा रहे हैं।

'कसारी-मसारी' से श्रीकृष्णपुरी'

(प्रणय विक्रम सिंह)

कभी-कभी किसी जमीन पर खड़ी इमारतों से अधिक उसकी खामोश मिट्टी अपने समय की कहानी कहती है। वह बताती है कि किस दौर में ताकतवरों की मनमानी कानून पर भारी पड़ती थी और किस दौर में कानून ने गरीब के अधिकार को ताकत दी।

प्रयागराज के कसारी-मसारी की मिट्टी भी ऐसे ही दो दौर की साक्षी है।कभी यहां माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों का कब्जा था। लगभग 15 बीघे भूमि पर माफिया ने अपना अस्तबल बना रखा था। जिस जमीन पर सामान्य परिवारों के सपने आकार ले सकते थे, वहां दबंगई का प्रदर्शन होता था। अब उसी भूमि पर गरीबों के लिए आशियाने बनने जा रहे हैं। यह बदलाव केवल भूखंड के उपयोग का नहीं, उस व्यवस्था की प्राथमिकताओं का है, जिसमें कभी माफिया का वर्चस्व था और अब जरूरतमंद के अधिकार को महत्व मिल रहा है।

अस्तबल से आशियाने तक- बदलती जमीन, बदलती व्यवस्थाः कसारी-मसारी का अस्तबल केवल घोड़ों का ठिकाना नहीं था। वह उस व्यवस्था पर खड़ा एक सवाल था, जिसमें गरीब अपनी छत के लिए संघर्ष करता रहा और एक बाहुबली ने जमीन के बड़े हिस्से को अपने निजी साम्राज्य का विस्तार बना लिया। आखिर यह दुस्साहस किसके संरक्षण में पनपा? अपराधी की ताकत केवल उसके गुर्गों में नहीं होती, उसे उस व्यवस्था की कमजोरी भी बल देती है, जो कानून से अधिक दबंगई को प्रभावी होने देती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी संदर्भ में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की शासन-दृष्टि के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सपा सत्ता में आती है तो माफिया और बदमाश लेकर आती है, जबकि भाजपा विकास और बदलाव लेकर आती है। उनके इस राजनीतिक आकलन को कसारी-मसारी की जमीन एक ठोस संदर्भ देती है। जिस अतीक अहमद का नाम कभी प्रयागराज में राजनीतिक प्रभाव और आपराधिक वर्चस्व का पर्याय था, उसी के कब्जे से मुक्त भूमि पर अब गरीबों के आवास बनने जा रहे हैं।

जिस जमीन पर कभी माफिया अपनी ताकत का प्रदर्शन करता था, उसी पर अब सरकार गरीबों के लिए घर बना रही है। सत्ता की प्राथमिकताओं का अंतर इससे अधिक स्पष्ट और क्या होगा?: माफिया से मुक्त कराई गई लगभग 9,811 वर्ग मीटर भूमि पर पद्मलोक आवासीय परियोजना के अंतर्गत 191 करोड़ से अधिक की लागत से 602 आवासों के निर्माण का शुभारंभ हुआ है। इस परियोजना ने उस जमीन को एक नई पहचान देने की शुरुआत की है, जो कभी अवैध कब्जे का प्रतीक थी।अब यहां बनने वाला प्रत्येक घर एक परिवार के लिए सुरक्षा, स्थायित्व और स्वाभिमान का आधार बनेगा।

जीरो टॉलरेंस से जनकल्याण तक- कानून की कठोरता, शासन की संवेदनाः इन आशियानों की नींव से पहले उस अवैध कब्जे को समाप्त करना आवश्यक था, जिसने भूमि को सार्वजनिक उपयोग से दूर रखा था। यहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का जनकल्याणकारी पक्ष सामने आता है। अपराध के विरुद्ध कठोरता का उद्देश्य केवल अपराधी पर अंकुश लगाना नहीं, सामान्य नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना भी है। कानून का राज तभी सार्थक होता है, जब उसके संरक्षण में नागरिक निर्भय होकर जीवन जी सके और सार्वजनिक संसाधन समाज के हित में उपयोग किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में माफियागिरी करने वालों को कठोर चेतावनी देते हुए कहा कि प्रयागराज में अब कोई ऐसा दुस्साहस न करे और यदि कोई करेगा या कराएगा, तो उसे 'मिट्टी में मिलने' की तैयारी कर लेनी चाहिए।अपराध पर अंकुश, अधिकार का संरक्षण और आमजन का उत्थान, सुशासन के ये तीनों आयाम यहां एक-दूसरे से जुड़ते दिखाई देते हैं। कानून की दृढ़ता जब लोककल्याण की संवेदना से जुड़ती है, तभी व्यवस्था में परिवर्तन का लाभ सामान्य व्यक्ति तक पहुंचता है।

श्रीकृष्णपुरी नाम में निहित न्याय और लोकमंगल का संदेशः इस परिवर्तन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक नई सांस्कृतिक पहचान देने का संकल्प भी व्यक्त किया है। उन्होंने घोषणा की कि कसारी-मसारी क्षेत्र को 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित किया जाएगा। यह विचार भौतिक विकास से आगे बढ़कर उस सामाजिक वातावरण की कल्पना करता है, जहां भय के स्थान पर विश्वास और वर्चस्व के स्थान पर न्याय प्रतिष्ठित हो।भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में अन्याय के प्रतिरोध और लोकमंगल की प्रेरणा एक साथ दिखाई देती है। मथुरा में कंस का अत्याचार उस सत्ता का प्रतीक है, जो प्रजा की रक्षा के बजाय उसे भयभीत करती है। कंस के कारागार में जन्म लेने वाले श्रीकृष्ण का जीवन इस विश्वास को दृढ़ करता है कि अन्याय कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसका प्रतिरोध संभव है। किंतु उनकी कथा केवल अत्याचार के अंत की नहीं, धर्म की स्थापना और निर्बलों के संरक्षण की भी है।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का उद्घोष है 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥
इस श्लोक की आध्यात्मिक प्रेरणा को आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून की सर्वोच्चता, नागरिक अधिकारों की रक्षा और लोककल्याण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता से जोड़ा जा सकता है।श्रीकृष्ण का जीवन केवल अत्याचार के अंत की कथा नहीं, अत्याचार से मुक्त समाज के निर्माण की प्रेरणा भी है। कंस का अंत एक घटना थी, लेकिन मथुरा को भय से मुक्ति दिलाना उसका व्यापक अर्थ था। इसी प्रकार कसारी-मसारी में माफिया का कब्जा हटना एक प्रशासनिक कार्रवाई है, किंतु वहां गरीब परिवारों के लिए घर बनना उस कार्रवाई को लोकमंगल का स्वरूप देता है।इसी दृष्टि से 'श्रीकृष्णपुरी' का संकल्प केवल नाम की नवीनता नहीं, बल्कि ऐसी बस्ती की आकांक्षा है, जहां हर परिवार सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जी सके।

जहां कभी दहशत थी, वहां अब बचपन मुस्कुराएगाः आने वाले वर्षों में जब इस क्षेत्र में परिवार बसेंगे, तब परिवर्तन की वास्तविक तस्वीर दिखाई देगी। सुबह किसी घर से बच्चे विद्यालय के लिए निकलेंगे, किसी आंगन में तुलसी का पौधा लहलहाएगा, किसी देहरी पर बुजुर्ग बैठकर पड़ोसियों का अभिवादन करेंगे। शाम को काम से लौटते पिता के कदम अपनी चौखट की ओर बढ़ेंगे और त्योहारों पर घरों की रोशनी पूरी बस्ती को आलोकित करेगी।संभव है, इन्हीं घरों में पलने वाला कोई बच्चा एक दिन अपने पिता से पूछे कि यहां पहले क्या था। पिता उसे बताए कि कभी इस जमीन पर माफिया का कब्जा था, यहां घोड़ों का अस्तबल हुआ करता था। फिर कानून ने भूमि को मुक्त कराया और यहां गरीब परिवारों के घर बनाए गए। बच्चा शायद उस पुराने दौर की दहशत को समझ भी न पाए और अपने दोस्तों के साथ खेलने निकल जाए।किसी व्यवस्था की इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि जिस भय को एक पीढ़ी ने सहा, अगली पीढ़ी उसे केवल इतिहास की कहानी के रूप में जाने।'कसारी-मसारी' से 'श्रीकृष्णपुरी' की यात्रा इसी भविष्य की नींव है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस भूमि को माफिया के अवैध कब्जे से मुक्त कराकर गरीबों के आवास निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है, वहां आने वाले वर्षों में सैकड़ों परिवारों का अपना संसार होगा।कल तक जिस जमीन पर घोड़ों की टापें माफिया के वर्चस्व का अहसास कराती थीं, वहां अब बच्चों की किलकारियां गूंजेगी। और तब इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान किसी शिलापट्ट पर लिखा नाम नहीं, बल्कि उन घरों की देहरियों पर मुस्कुराता बचपन होगा।



उत्तराखंडी रामलीलाओं में इस बार कहीं पारंपरिक शैली तो कहीं मेले-कौथिग पर जोर

(पूनम बिष्ट)

उत्तराखंड में पारंपरिक रूप से रामलीला मंचन का समय अमूमन नवरात्र के बजाय खेती का काम पूरा होने के बाद किया जाता है। ये रामलीलाएं गीतों, रागों से सजी भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए जानी जाती हैं जिनके गीत कई लोगों को आज भी जुबानी याद हैं। पहाड़ी रामलीलाओं की ये शैली बहुत हद तक आज भी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रवासी समाज की रामलीलाओं में दिखती है।

शास्त्रीय गायन भी होता है शामिल

रास विहार वेस्ट विनोद नगर में होने वाली कामधेनु रामलीला में रावण और दशरथ का रोल करने वाले जगमोहन रावत बताते हैं, उत्तराखंड की रामलीला (विशेषकर अल्मोड़ा और भीमताली शैली) में रामचरितमानस के दोहों और चौपाइयों का गायन पारंपरिक शास्त्रीय रागों तथा स्थानीय धुनों में किया जाता है। इसमें जिन प्रमुख शास्त्रीय रागों का उपयोग होता है, वे हैं- राग मालकोश, राग बिहाग, राग जैजवंती, राग मांड, राग खमाज, राग काफी, राग सहाना, राग दुर्गा, राग भैरवी, राग परज आदिज! वर्तमान में इस तरह के गायक और कलाकार बहुत मुश्किल से मिलते हैं। ऐसे में इस शैली को बढ़ाने के लिए हमने इस बार रामलीला में ऐसे ही गीतों का समावेश किया है। रासविहार, वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली और गाजियाबाद में इंदिरापुरम में होने वाली धरोहर रामलीला में यह शैली देखने को मिलेगी।



रावण दहन की परंपरा नहीं

मयूर विहार फेज 3 की कूर्मांचल जन कल्याण एवं सांस्कृतिक समिति हर साल भीमताली शैली में पहाड़ी रामलीला कराती है। समिति के अध्यक्ष प्रयागदत्त जोशी और महासचिव मनोज चतुर्वेदी बताते हैं, इस रामलीला में सभी पात्र समिति के लोग ही हैं। इनमें बच्चों से लेकर महिलाएं सभी हैं। पहाड़ी रामलीलाओं में अमूमन रावण दहन नहीं होता और राज तिलक से ही रामलीला का समापन होता है। ऐसे में हमने समापन के अगले दिन 21 को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रामलीला स्थल पर करने की सोची है। इसी में पात्र परिचय आदि भी होंगे।

दिल्ली में जहां बड़े बजट की रामलीलाओं में नए-नए प्रयोग दिखते हैं, वहीं पहाड़ी सामाजिक संस्थाएं भी अपने स्तर पर नए प्रयोग करने में पीछे नहीं हैं। दिलशाद गार्डन में लगातार 42वें साल रामलीला करवा रहे गढ़वाल भ्रातृ मंडल के सुनील थपलियाल बताते हैं, हम इस बार रामलीला को मेले का स्वरूप देने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में इस बार दर्शकों को झूलों का इंतजाम भी मिलेगा। पिछली बार बारिश की वजह से मंचन में दिक्कत आई थी, इसलिए इस बार वॉटर प्रूफ टेंट का इंतजाम कर रहे।

दर्शकों की चौथी-पांचवीं पीढ़ी भी आती है

किशनगंज जिमखाना ग्राउंड में हर साल गढ़वाल कीर्तन मंडल रामलीला समिति किशनगंज रामलीला कराती है। अध्यक्ष लक्ष्मण ध्यानी बताते हैं, यह रामलीला 68 साल से होती आ रही है। छब्बीलाल ढौंढियाल की किताब के हिसाब से रामलीला होती है। हमारे यहां रामलीला से एक रात पहले सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा जाता है। इसमें चंद्र सिंह राही से लेकर नरेंद्र सिंह नेगी जैसे बड़े-बड़े कलाकार शिरकत कर चुके हैं। हमारे यहां रामलीला में फिल्मी गीत या डांस की जगह ब्रेक में उत्तराखंडी गीत पर प्रस्तुति होती है। समिति के लोगों के साथ ही हमारे यहां सभी समाज के कलाकार प्रतिभागी बनते हैं। जैसे कि सुमित्रा का रोल फिल्मिस्तान से आने वाली मुस्लिम कलाकार निभाती हैं। र

ामलीला से लोगों का लगाव इतना गहरा है कि कई परिवारों की चौथी-पांचवीं पीढ़ी भी यहां हर साल रामलीला देखने आती है, चाहे वे दिल्ली के किसी दूसरे हिस्से में जा बसे हों।

रामलीलाओं की आय बढ़ाने के उपाय हों

स्वयं कई रामलीलाओं से जुड़े गढ़वाल हितैषिणी सभा के महासचिव पवन कुमार मैठाणी कहते हैं, पहाड़ी रामलीलाओं के 13-14 लाख का बजट आज भी पर्ची सिस्टम से निकलता है। हम घर-घर जाकर पर्ची कटवाते हैं। पहले ढाई सौ रुपये की पर्ची कटवाना भी बड़ा माना जाता था मगर आज न्यूनतम राशि भी 1100-2100 की रहती है। पहाड़ी रामलीलाएं वक्त के साथ कमर्शलाइज नहीं हो पाई हैं जिससे वे आयोजन का खर्च ही निकाल पाती हैं और सामाजिक काम के लिए पैसा नहीं बचा पातीं। ऐसे में जरूरी है कि इन्हें मोहल्ले की रामलीला न बनाकर मेले का स्वरूप दिया जाए।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

स्त्री की आजादी पर पहरा क्यों, सुरक्षा के नाम पर कब तक रहेगी कैद?

आजादी के बाद स्थितियां और बदलीं, लेकिन एक मामले में चीजें यथावत रहीं-वह था पुरुष का नियंत्रण। यह पितृसत्तात्मक समाज के बदलाव का दौर था, जिसमें घर के मुखिया ने रक्षा का दायित्व ले रखा था। एक पिता के तौर पर अपनी पुत्रियों को समाज की कुदृष्टि से बचाने का दायित्व पिता का था और समाज के धीमे बदलाव को देखते हुए घर एक तरह से किला बन गया था-एक ऐसा किला, जिसके अंदर स्त्रियां अपने आप को सुरक्षित मानती थीं।

(नीलम सिंह)

जब हम स्त्री की अस्मिता के संघर्ष पर गौर करते हैं, तो सदियों की यात्रा आंखों के सामने दौड़ जाती है कि कैसे सुनियोजित ढंग से यह तय किया गया कि महिलाओं को समाज में कैसे रहना है, कैसे बोलना है और कैसे उठना-बैठना है। धीरे-धीरे समय ने करवट ली और समाज में कई बदलाव हुए। पढ़े-लिखे घरों में महिलाओं को उचित सम्मान मिलने लगा और कुछ हद तक बराबरी का दर्जा भी।

आजादी के बाद स्थितियां और बदलीं, लेकिन एक मामले में चीजें यथावत रहीं-वह था पुरुष का नियंत्रण। यह पितृसत्तात्मक समाज के बदलाव का दौर था, जिसमें घर के मुखिया ने रक्षा का दायित्व ले रखा था। एक पिता के तौर पर अपनी पुत्रियों को समाज की कुदृष्टि से बचाने का दायित्व पिता का था और समाज के धीमे बदलाव को देखते हुए घर एक तरह से किला बन गया था-एक ऐसा किला, जिसके अंदर स्त्रियां अपने आप को सुरक्षित मानती थीं।

हालांकि किले के बाहर की दुनिया उतनी ही असुरक्षित थी। स्कूल जाते वक्त कोई भी आहट पीछा किए जाने का एहसास दिलाती थी और हमेशा एक अनजाना भय बना रहता था। ऐसे में घर की चारदीवारी सबसे सुरक्षित स्थान लगती थी, कैद-ए-हयात की तरह। बाहर निकलते ही दुनिया उतनी ही बदसूरत दिखाई देती। आज के दौर में जब लड़कियां बाहर आई हैं और अपनी आवाज उठा रही हैं, तो इस बात पर



गौर करना जरूरी है कि वे उन्हीं औजारों को लेकर बाहर आई हैं, जिनसे उन्हें कैद करने की साजिश की गई थी। पुरुषों को लड़कियों द्वारा लगाए गए नारों पर बहुत आपत्ति है। बहुत-से सवाल उठ रहे हैं कि क्या पिता और भाई पुरुष नहीं हैं?

यह सच है कि लड़कियों के लिए उनके पिता और भाई केवल पुरुष नहीं हैं, बल्कि वे उनके संरक्षक और आदर्श हैं। उनमें पुरुष की वह दृष्टि नहीं होती, जो स्त्री को वस्तु की तरह देखती है। वे अपनी बेटी या बहन से पुरुष कि ये सभी पुरुषों के बारे में हैं, उचित नहीं होगा। ये उन पुरुषों की बात करते हैं, जो लड़कियों को छेड़ते हैं और उनके सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं, जो महिलाओं को सामान की तरह तौलते हैं, जो बलात्कार करते हैं-कभी भाषा के स्तर पर तो कभी शरीर के स्तर पर।

एक स्त्री जब अपनी कैद को खुद की सुरक्षा समझने लगे, किसी पुरुष द्वारा न पीटे जाने को अपना सौभाग्य समझने लगे, तो उस समाज में उसकी स्थिति का आकलन करना मुश्किल नहीं है। सवाल है कि यह आवाज क्यों उठी? बनकर नहीं, एक भीगी हुई संवेदना और स्नेह की दृष्टि से मिलते हैं। इसलिए इन नारों को यह कहकर खारिज करना क्या यह एक दिन का मामला है? अगर यह केवल एक बलात्कार का मामला होता, तो विरोध में बैठी महिलाएं कभी सड़क से उठ नहीं पातीं। यह आवाज उस घुटन की है, जो वर्षों से पुरुषों के भय के कारण भीतर दबती रही है। किसी का गलत तरीके से छूना, अपशब्द कह देना और अंत में बेहद व्यंग्यात्मक ढंग से क्षमा मांग लेना-क्या इतनी भर ही है किसी महिला की पीड़ा?जिस देश में बलात्कार केवल शरीर से नहीं, भाषा से भी होता हो, उस देश में स्त्री सुरक्षित कैसे हो सकती है? जहां पढ़े-लिखे से लेकर अनपढ़ तक गालियों को अपना औजार मानते हों, किसी महिला को नीचा दिखाना हो, तो उसके चरित्र पर सवाल उठाया जाए और किसी पुरुष को नीचा दिखाना हो, तो उसके घर की महिला को निशाना बनाया जाए। यानी इन सबके केंद्र में स्त्री ही रहेगी। लड़ाई चाहे स्त्री और पुरुष के बीच हो, दो दोस्तों के बीच हो या दो पड़ोसियों के बीच-अपमान का माध्यम महिला को ही बनाया जाएगा।

हाल के दिनों में इस तरह के नारे पहली बार सुनने को मिल रहे हैं। नारों को ध्यान से समझा जाए, तो ज्यादातर नारे सामान्य जनजीवन से आए हैं। इनमें न आध्यात्मिकता का ध्यान रखा गया है, न संस्कार का, न सौंदर्य का और न ही किसी तरह की लाग-लपेट का। इनमें केवल लयात्मकता है-ऐसी लय जो चलती रहे, मगर मारक हो। लड़कियों की मांग है सिर्फ एक सामान्य जीवन। उन्हें देवी नहीं बनना है, उन्हें संस्कारों की अर्थी नहीं ढोनी है। उन्हें केवल एक सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार चाहिए। एक जायदाद की तरह हर वक्त भाई और पिता की पहरेदारी नहीं चाहिए। उन्हें चाहिए एक मुक्त और सुरक्षित जीवन, जो सहज, सामान्य और स्वाभाविक हो।मौजूदा दौर की घटनाएं प्रेशर कुकर की सीटी की तरह हैं। कुकर की सीटी की आवाज तेज और कर्कश होती है, लेकिन किसी कारणवश वह सीटी बजनी बंद हो जाए, तो समझना चाहिए कि कुछ गड़बड़ है या होने वाला है। अगर प्रेशर वाल्व में खराबी आ जाए, तो सीटी तो नहीं बजेगी, बल्कि पूरा कुकर ही फट सकता है। भारतीय समाज में शिव और शक्ति के बीच का संतुलन ही अर्धनारीश्वर की कल्पना का आधार है। अगर यह संतुलन नष्ट हुआ, तो हमारे पौराणिक ग्रंथों में जिस प्रलय की कल्पना की गई है, वह कुछ और नहीं, बल्कि समाज की विशृंखलता के रूप में सामने आ सकता है। बेहतर यही है कि समाज इन नारों को प्रेशर कुकर की सीटी समझे और समय रहते उस संतुलन को कायम करे, जिसमें महिलाओं को उचित स्थान और पूरा मान-सम्मान मिले।

थानाभवन में वोट बनवाने के लिए लगा कैंप, 24 अक्टूबर को फिर मिलेगा मौका

शादी के बाद आई महिलाओं और 18 वर्ष पूरे कर चुके युवाओं के बनेंगे वोट; बीएलओ ने दी जानकारी



थानाभवन। मतदाता सूची में छूटे हुए नामों को जोड़ने और नए मतदाताओं को लोकतंत्र की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को थानाभवन में विशेष मतदाता कैंप लगाए गए। कैंप के माध्यम से पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया। थानाभवन के लाजपत राय इंटर कॉलेज, लाजपत राय कन्या इंटर कॉलेज, किसान इंटर कॉलेज और सरस्वती जूनियर हाई स्कूल में आयोजित कैंपों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने बताया कि जिन महिलाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, शादी के बाद क्षेत्र में आई महिलाएं तथा 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। 24 अक्टूबर को बूथों पर फिर लगेंगे कैंप

बीएलओ ने जानकारी दी कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए अगला विशेष कैंप शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को संबंधित बूथों पर लगाया जाएगा। ऐसे पात्र नागरिक, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे कैंप में पहुंचकर आवेदन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पात्र नागरिकों से नाम जुड़वाने की अपील

अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और विवाह के बाद नए क्षेत्र में आई महिलाओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए आगे आएं।

मतदाता सूची में नाम होना मतदान करने के लिए जरूरी है। इसलिए सभी पात्र नागरिक 24 अक्टूबर को अपने संबंधित बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास करें।

सातवें नवरात्र पर देवी भवन मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, माता रानी के जयकारों से गूंज रहा भवन

थानाभवन के प्राचीन देवी भवन मंदिर में सुबह से ही शुरू हो जाता है भक्तों के पहुंचने का सिलसिला, नवरात्र में दूर-दूर से दर्शन करने पहुंचते हैं श्रद्धालु



थानाभवन। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन कस्बा थानाभवन में चारों ओर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। क्षेत्र के प्रसिद्ध एवं प्राचीन देवी भवन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाता है। भक्त माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। नवरात्र के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही है। मंदिर परिसर माता रानी के जयकारों से गूंज रहा है और पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

थानाभवन का देवी भवन मंदिर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, थानाभवन कस्बे के नाम की उत्पत्ति भी यहां स्थित प्राचीन देवी भवन मंदिर से जुड़ी हुई है। यही वजह है कि यह मंदिर केवल पूजा-अर्चना का केंद्र ही नहीं, बल्कि कस्बे की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

नवरात्र के नौ दिनों में माता दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाती है। इसी क्रम में सातवें नवरात्र पर मां कालरात्रि की आराधना का विशेष महत्व है। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी से परिवार की सुख-शांति, अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में सुख-समृद्धि की प्रार्थना कर रहे हैं।

आस्था का प्रमुख केंद्र है देवी भवन मंदिर

देवी भवन मंदिर में वर्षभर श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं, लेकिन नवरात्र के दिनों में यहां विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिलता है। सुबह से ही भक्तों का मंदिर पहुंचना शुरू हो जाता है। श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर प्रसाद अर्पित करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं।

थानाभवन की धार्मिक परंपराओं में देवी भवन मंदिर का विशेष स्थान है। पीढ़ियों से लोग इस मंदिर में पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। नवरात्र के अवसर पर मंदिर में होने वाली पूजा और श्रद्धालुओं की आवाजाही सनातन संस्कृति के प्रति लोगों की आस्था को दशार्ती है।

नवरात्र पर्व के चलते थानाभवन और आसपास के क्षेत्रों में भी धार्मिक माहौल बना हुआ है। मंदिरों में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो रहा है। श्रद्धालुओं के लिए नवरात्र का यह पर्व भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक बना हुआ है।

राज एकेडमी, शाहपुर में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व



मुजफ्फरनगर। राज एकेडमी, शाहपुर में दशहरा पर्व बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए क्राफ्टिंग के माध्यम से रावण, धनुष सहित अनेक आकर्षक कलाकृतियाँ बनाईं। बच्चों की सुंदर एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षकों ने बच्चों को दशहरा पर्व के महत्व के बारे में विस्तार से बताया तथा समझाया कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। साथ ही, भगवान श्रीराम के आदर्शों, सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी दी गई। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला-कौशल का प्रदर्शन करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं त्योहारों के महत्व को भी जाना। विद्यालय का वातावरण उत्साह, उमंग और रचनात्मकता से सराबोर रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रबंधक अरविंद गुप्ता, प्रधानाचार्या सानिया मिर्जा एवं समस्त शिक्षकगण का विशेष योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

श्री कृष्ण जानकी सरस्वती शिशु मंदिर में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन, विजयदशमी पर दिया सत्य की विजय का संदेश

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नौ देवियों और भगवान राम-लक्ष्मण-सीता के स्वरूप में मोहा मन, भजन और धार्मिक प्रस्तुतियों से भक्तिमय हुआ वातावरण



मुजफ्फरनगर। गांधी कॉलोनी स्थित श्री कृष्ण जानकी सरस्वती शिशु मंदिर में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन एवं विजयदशमी के उपलक्ष्य में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देवी-देवताओं के स्वरूप धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भक्ति गीतों, धार्मिक प्रसंगों और मां दुर्गा की आरती से विद्यालय परिसर भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सत्य की विजय का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्पार्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना एवं पूजा नागपाल ने किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। आयांशी, शगुन, आकृति, गौरी, लक्षिका, अदिति, सृष्टि, वैष्णवी और तनिष्का मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री के स्वरूप में सुसज्जित नजर आईं।

वहीं अनिरुद्ध, अर्नव शर्मा और काव्या गोयल ने भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता के स्वरूप में आकर्षक प्रस्तुति दी। अपेक्षा वर्मा, आरवी, मनस्वी तथा आचार्य अशोक कुमार शर्मा ने देवी के भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

देवी दुर्गा की महिमा और बुराई पर अच्छाई की विजय का वर्णन

कार्यक्रम के दौरान मोनिका, मेघा तथा विद्यालय के भैया-बहनों ने मां दुर्गा द्वारा महिषासुर, चंड-मुंड, शुंभ-निशुंभ और रक्तबीज जैसे राक्षसों के वध से जुड़े धार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया। विद्यार्थियों को बताया गया कि मां दुर्गा ने दुष्ट शक्तियों का संहार कर धर्म और न्याय की स्थापना की। इन प्रसंगों के माध्यम से बुराई के विरुद्ध संघर्ष करने तथा सदैव सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

राजनंदिनी ने विजयदशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी दिन भगवान श्रीराम ने अत्याचारी रावण का वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। यह पर्व हमें अहंकार, अन्याय और असत्य का त्याग कर सदाचार तथा सत्य के मार्ग पर चलने की सीख देता है।

अहंकार पर करुणा और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है विजयदशमी

विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन सिंह ने कहा कि विजयदशमी का पर्व अहंकार पर करुणा, असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम की लीलाओं का मंचन और मां दुर्गा द्वारा राक्षसों के संहार के प्रसंगों का वर्णन विद्यार्थियों के मन से नकारात्मकता दूर कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने के साथ उन्हें अपनी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों, माता दुर्गा की शक्ति और धर्म की रक्षा के संदेश को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान भगवान राम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की आकर्षक झांकी सजाई गई। इसके साथ ही मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का विधिवत पूजन एवं अर्चन किया गया। अंत में मां दुर्गा की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

उधारी के 7,500 रुपये मांगना पड़ा भारी, दबंगों ने घर में घुसकर धारदार हथियारों से किया हमला

शामली के जमालपुर गांव में महिला समेत तीन लोग घायल, दो की गंभीर हालत में मुजफ्फरनगर रेफर किए जाने की जानकारी

शामली। जनपद शामली के थाना झिंझाना क्षेत्र के गांव जमालपुर में उधारी के रुपये मांगने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि दबंगों ने एक परिवार के घर में घुसकर धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिसमें एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मुजफ्फरनगर रेफर किए जाने की जानकारी मिली है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उधारी के सामान के रुपये मांगने पर शुरू हुआ विवाद प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव जमालपुर निवासी यशपाल ने करीब एक वर्ष पहले झिंझाना स्थित एक किराना दुकान से अपने पड़ोसी संदीप को लगभग 7,500 रुपये का सामान उधार दिलवाया था। आरोप है कि 15 अक्टूबर को यशपाल का पुत्र मोनू उधारी के रुपये मांगने के लिए पड़ोसी के घर गया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि अगले दिन सुबह पड़ोसी ने अपने परिजनों के साथ उनके घर में घुसकर मारपीट की तथा महिलाओं के साथ छेड़छाड़ भी की। घटना के बाद पीड़ित परिवार मामले की शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा।

पीड़ित परिवार के एसपी कार्यालय पहुंचने पर दोबारा हमले का आरोप पीड़ित पक्ष के मुताबिक, जब परिवार के सदस्य शिकायत करने के लिए एसपी कार्यालय पहुंचे हुए थे, तभी आरोपी पक्ष के लोग अपने साथ आठ से दस अन्य लोगों को लेकर धारदार हथियारों से लैस होकर दोबारा उनके घर पहुंच गए। आरोप है कि हमलावरों ने घर में मौजूद एक महिला और दो पुरुषों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बचाया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झिंझाना पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने दो घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। घटना के बाद पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल बताया जा रहा है।

रामपुरी रामलीला में शूर्पणखा की नाक काटने और सीताहरण की लीला का भावपूर्ण मंचन

क्षेत्रीय बच्चों ने शानदार अभिनय से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध, श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा रामलीला परिसर



मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी रामपुरी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव के नौवें दिन शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026 की रात्रि को शूर्पणखा की नाक काटने, खर-दूषण वध और माता सीता के हरण की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। क्षेत्रीय बच्चों ने कड़ी मेहनत और शानदार अभिनय के माध्यम से रामायण के इन महत्वपूर्ण प्रसंगों को जीवंत कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और रामलीला परिसर प्रभु श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य पति डॉ. विपिन त्यागी, ग्राम प्रधान राटोर योगेंद्र बालियान तथा फ्लोदिया डेवलपर्स के मालिक एवं प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अविनाश त्यागी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद गणेश वंदना, श्री रामायण जी तथा प्रभु श्रीराम की आरती कर रामलीला मंचन का विधिवत शुभारंभ किया गया। मंचन के दौरान दिखाया गया कि भगवान श्रीराम माता जानकी और लक्ष्मण के साथ पंचवटी में अपनी कुटिया में विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान लंका के राजा रावण की बहन शूर्पणखा वहां पहुंची। भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के सुंदर स्वरूप को देखकर वह उनसे विवाह करने का आग्रह करने लगी। बार-बार समझाने के बावजूद जब वह नहीं मानी तो लक्ष्मण ने उसकी नाक काट दी।

अपमानित शूर्पणखा विलाप करती हुई खर-दूषण के पास पहुंची और उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद खर-दूषण और भगवान श्रीराम के बीच युद्ध हुआ, जिसमें दोनों राक्षस मारे गए। इस प्रसंग का कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

मारीच बना स्वर्ण मृग, रावण ने किया माता सीता का हरण

खर-दूषण के मारे जाने का समाचार मिलने पर रावण क्रोधित हो उठा और उसने बदला लेने की योजना बनाई। उसने मारीच की सहायता से स्वर्ण मृग का रूप धारण करवाया। स्वर्ण मृग को देखकर माता सीता ने भगवान श्रीराम से उसे लाने का आग्रह किया। इसके बाद घटनाक्रम आगे बढ़ा और रावण ने छलपूर्वक माता सीता का अपहरण कर लिया। सीताहरण के मार्मिक दृश्य का मंचन देखकर दर्शक भावुक हो उठे। क्षेत्रीय बच्चों ने संवाद, अभिनय और मंच पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से रामायण के इन प्रसंगों को सजीव बना दिया। आयोजन के माध्यम से दर्शकों को धर्म, मर्यादा और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष का संदेश भी मिला।

क्षेत्रीय कलाकारों ने निभाए महत्वपूर्ण किरदार रामलीला में भगवान श्रीराम का अभिनय शिवम त्यागी तथा लक्ष्मण का अभिनय हर्षित चौरसिया ने किया। माता जानकी की भूमिका उदय ठाकुर ने निभाई। दशरथ का अभिनय निर्देशक मनीष पाल ने तथा मंथरा का अभिनय विपिन धीमान शृंगारी ने किया

रंग संसार

कंफर्म! नवंबर में शादी करेंगे अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन, कब और कहां लेंगे सात फेरे



नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन और संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के कथित रोमांस को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बाद अब दोनों की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। आइए जानते हैं आखिर ये इसमें कितनी सच्चाई है? तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने किया कंफर्म

तमाम अटकलों के बाद शायद अब यह पक्का हो गया है कि संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन शादी करने जा रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने काव्या के माता-पिता, कलानिधि मारन और कावेरी मारन की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वे मुख्यमंत्री को इस कपल के शादी के रिसेप्शन में आमंत्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यह रिसेप्शन 21 नवंबर को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एक्स पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें काव्या मारन के माता-पिता, कलानिधि मारन और कावेरी मारन उन्हें शादी के रिसेप्शन में आमंत्रित करते हुए दिखाई दे रहे हैं।तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'सन ग्रुप के चेयरमैन श्री कलानिधि मारन और उनकी पत्नी श्रीमती कावेरी मारन ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें अपनी बेटी काव्या मारन के शादी के रिसेप्शन में आमंत्रित किया। काव्या मारन और अनिरुद्ध रविचंदर का शादी का रिसेप्शन 21 नवंबर को चेन्नई में आयोजित होना है'। अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन के रिश्ते को लेकर अटकलें सबसे पहले 2025 में शुरू हुईं, जब रेडिट पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं

राज काज

आईडीबीआई बैंक में सरकार की हिस्सेदारी बेचने पर आया वित्त मंत्रालय का बयान, विनिवेश में क्यों किया अरुण जेटली के बयान का जिक्र?

नई दिल्ली बीते दिनों सरकार ने आईडीबीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेचने की जानकारी दी है, जिसके बाद से इसके कानूनी दांव पेंच को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि आईडीबीआई बैंक में सरकार की हिस्सेदारी घटाने या उसके रणनीतिक विनिवेश में कोई कानूनी अड़चन नहीं है। मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स और टिप्पणियों का जवाब दिया, जिनमें 2003 के विधायी घटनाक्रमों को आधार बनाकर विनिवेश को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। विनिवेश का विरोध करने वाले कुछ वर्ग दिल्ली उच्च न्यायालय के साल 2018 के एक आदेश के आधार पर सरकार के फैसले को अवैध बताने की कोशिश कर रहे थे, जिसे मंत्रालय ने तथ्यों के साथ खारिज किया। वित्त मंत्रालय का कहना है कि 2003 में यूनियन बजट की चर्चा और आईडीबीआई अधिनियम, 2003 पर संसदीय बहस के दौरान सरकार की हिस्सेदारी घटाने पर प्रतिबंध लगाने वाला एक संशोधन प्रस्तावित किया गया था। लेकिन यह संशोधन अप्रूव नहीं हुआ और अंतिम रूप से पारित कानून का हिस्सा नहीं बना। बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया आईडीबीआई आफिसर्स एसोसिएशन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में 17 दिसंबर 2018 को दिए फैसले में इस पहलू की विस्तार से जांच की।अदालत ने याचिका खारिज करते हुए पैरा 41 और 42 में कहा कि संसद में लगभग 15 साल पहले दिए गए बयान केंद्र सरकार को क्लब्रक लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी घटाने से नहीं रोक सकते। अदालत के अनुसार, संसद ने जानबूझकर प्रस्तावित प्रावधान को शामिल नहीं किया था और संसदीय बहस के बयान कानून की जगह नहीं ले सकते। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि ह्यप्रॉमिसरी एस्टापलह्लका सिद्धांत यहां लागू नहीं होता। यह सिद्धांत तभी लागू हो सकता था जब कर्मचारियों ने किसी वादा या बयान के आधार पर अपनी स्थिति में कोई नुकसान उठाया हो, लेकिन ऐसा नहीं था।सरकार हिस्सेदारी कम करने की बात कहती आई है।अदालत ने कहा कि आईडीबीआई अधिनियम, 2003 की भाषा में कोई अस्पष्टता नहीं है और इसमें ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो सरकार को अपनी हिस्सेदारी कम करने या बेचने से रोकता हो।

दैनिक राशिफल रविवार 18 अक्टूबर 2026

मेष – संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

वृष – कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मिथुन : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पऽड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है।

कर्क – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे।

सिंह– विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ।

कन्या – क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

तुला – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृश्चिक – परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी।

धनु – कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

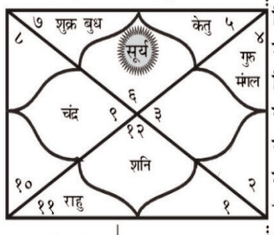
मकर – पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्डषचता रहेगी।

कुंभ – दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मड्डषचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

मीन – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

दैनिक पंचांग

18 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	धनु में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.00 बजे से
वृश्चिक	08.15 ब.से
धनु	10.31 बजे से
मकर	12.36 बजे से
कुंभ	14.22 बजे से
मीन	15.55 बजे से
मेष	17.26 बजे से
वृष	19.06 बजे से
मिथुन	21.04 बजे से
कर्क	23.17 बजे से
सिंह	01.33 बजे से
कन्या	03.45 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 291 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 08.29 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 12.49 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 23.56 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.29 बजे तदनन्तर विष्टि 21.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 33'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872866
जूलियन दिन 2461331.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 06
विशेष सरस्वती बलिदान।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर में रामलीला महोत्सव की धूम: टाउन हॉल में सीता हरण की मार्मिक लीला, तो नई मंडी में राम वन गमन पर छलके अश्रु

प्रभु श्रीराम के आदर्शों से गुंजायमान हुआ शहर, गूंजे ह्यजय श्री राम के जयकारे

मुजफ्फरनगर। धर्मनगरी मुजफ्फरनगर में इन दिनों शारदीय रामलीला महोत्सवों की भव्य धूम मची हुई है। शहर के ऐतिहासिक टाउन हॉल और नई मंडी स्थित शताब्दी वर्ष रामलीला मंचन के दौरान श्रद्धालुओं एवं दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बीती रात जहाँ टाउन हॉल में सीता हरण व जटायु उद्धार के रोमांचक प्रसंगों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं नई मंडी में कैकेयी-दशरथ संवाद और केवट प्रसंग को देख हजारों दर्शकों की आँखें नम हो गईं।

टाउन हॉलः नवम दिवस की लीला में सीता हरण का मंचन

श्री रामलीला सभा (रजिस्टर्ड) टाउन हॉल द्वारा आयोजित नवम दिवस की लीला में रावण द्वारा छल से सीता हरण और भगवत भक्त जटायु के बलिदान व उद्धार का अत्यंत सुंदर एवं जीवंत मंचन किया गया। कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय और संवाद अदायगी की दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंकुर दुआ, विश्वजीत गोयल, मनोज गुप्ता, प्रवीन गोयल एवं राजीव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। रामलीला सभा के पदाधिकारियों, अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष तथा निर्देशक जगन्नाथ रोहेला व नितिन नामदेव ने अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों ने प्रभु श्री रामचंद्र जी को तिलक लगाकर एवं रामायण जी की महाआरती कर लीला का विधिवत शुभारंभ किया।



इन का रहा सहयोग

इस अवसर पर साधुराम गर्ग, अजय गर्ग, कमल कांत, रविन्द्र गुप्ता, सोराज पाल, अर्पित राज अग्रवाल, अक्षित अग्रवाल, अंकुर सिंघल, रोहन मदान, सागर, राजन, वंश नामदेव, लक्की, रौनक यादव, मानू, पार्थ के साथ श्रृंगारी नीरज आर्य, पंकज वर्मा, प्रशांत बंसल और लक्की पेंटर सहित समस्त कलाकार व प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित रहे। नई मंडी शताब्दी वर्षः कैकेयी-दशरथ संवाद, राम वनवास से भाव-ुक हुए दर्शक दूसरी ओर, श्री रामलीला कमेटी, नई मंडी के शताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित रामलीला में मथुरा से आए सुप्रसिद्ध कलाकारों की मंडली ने अपनी कला का जादू बिखेरा। लीला का शुभारंभ प्रसिद्ध उद्योगपति अरविंद मित्तल (मित्तल कंटेनर) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंचन के दौरान कलाकारों ने 'कैकेयी-दशरथ संवाद', 'श्री राम वन गमन' और 'केवट संवाद' जैसे मर्मस्पर्शी प्रसंगों की ऐसी भावपूर्ण प्रस्तुति दी कि पांडाल में मौजूद हजा-रों दर्शक भाव-विभोर हो गए। वचन और धर्म का पालनः कैकेयी-दशरथ संवाद में रघुकुल की "प्राण जाए पर वचन न जाई" की महान परंपरा का चित्रण किया गया, जहाँ राजा दशरथ ने भारी हृदय से अपने वचनों को निभाया। त्याग की पराकाष्ठाः प्रभु श्रीराम ने पिता की आज्ञा और माता कैकेयी की इच्छा को शिरोधार्य कर बिना किसी संकोच के राजपाठ त्याग दिया और वन मार्ग की ओर बढ़ चले। अनन्य भक्ति व समानताः केवट संवाद ने निश्छल प्रेम और प्रभु राम द्वारा केवट को गले लगाने के प्रसंग से यह संदेश दिया कि ईश्वर के दरबार में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ना ही रामलीला का मूल उद्देश्य शताब्दी वर्ष के इस विशेष आयोजन के दौरान पूरी नई मंडी नगरी 'जय श्री राम' के गगनभेदी उद्घोषों से गूंज उठी।

समिति के अध्यक्ष संजय मित्तल, सचिव अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, ब्रजगोपाल छरिया, राजेश गोयल, संजय जिंदल और श्याम ने संयुक्त रूप से बताया कि रामलीला का ध्येय केवल सांस्कृतिक मनोरंजन नहीं है, बल्कि आज की युवा और नई पीढ़ी को इन प्रसंगों के माध्यम से जीवन मूल्यों, मयार्दा और पारिवारिक आदर्शों की सीख देना है।

खतौली में सर सैयद डे की धूम: सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी महफिल, सर सैयद के आदर्शों पर चलने का आह्वान

महान शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक सर सैयद अहमद खान की जयंती पर विशेष आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे के मोहल्ला स्थित सर सैयद इंटर कॉलेज में महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक एवं आधुनिक शिक्षा के संवाहक सर सैयद अहमद खान का जन्मदिवस (सर सैयद डे) अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को सर सैयद के जीवन मूल्यों, प्रगतिशील विचारों और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अप्रतिम योगदान से रूबरू कराया गया।



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम का शुभारंभ सर सैयद अहमद खान के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाषण, संगीतमय प्रस्तुतियों और वक्तव्य के माध्यम से सर सैयद के जीवन संघर्षों एवं उनके द्वारा स्थापित शैक्षणिक क्रांति का सुंदर चित्रण किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा। शिक्षा ही समाज की प्रगति का एकमात्र आधारः प्रधानाचार्य

समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य सैयद आजाद नासिर जैदी ने सर सैयद अहमद खान के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "सर सैयद अहमद खान ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार और कुरीतियों को दूर करने के लिए समर्पित कर दिया। उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी विद्यार्थियों को ज्ञान अर्जित करने और देश के विकास में योगदान देने की निरंतर प्रेरणा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में इमराना मैडम सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी सशक्त समाज की उन्नति की नींव होती है और सर सैयद ने अंधविश्वासों को त्यागकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण व आधुनिक शिक्षा अपनाने का कालजयी संदेश दिया था। ऐसे हुआ कार्यक्रम का हुआ समापन

कार्यक्रम के सफल आयोजन के उपरांत सभी छात्र-छात्राओं को मिठाई का वितरण किया गया। इस दौरान उपप्रधानाचार्य हाजी मोहम्मद शमशाद, मोहम्मद उस्मान, अब्दुस समद, काजी मोहम्मद रफी, सुरेश चंद्र, नरगिस, फराह नाज, सुधा, समीर मिर्जा, मोहम्मद फुरकान, अनीसा, फरहाना, निशा सहित विद्यालय का समस्त शिक्षक वर्ग, शिक्षणेतर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज में हीमोग्लोबिन जाँच शिविर: 97 छात्राओं के स्वास्थ्य की जाँच, छात्राओं के स्वास्थ्य की चिंता

भारत विकास परिषद 'उदय' शाखा की पहल

मुजफ्फरनगर। जनपद के शाहपुर कस्बे स्थित शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज में भारत विकास परिषद, मुजफ्फरनगर उदय शाखा के तत्त्वावधान में एक दिवसीय हीमोग्लोबिन जाँच शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। प्रातः 9:30 बजे से शुरू होकर दोपहर 2:00 बजे तक चले इस शिविर का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं छात्राओं में एनीमिया की समस्या की पहचान करना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। 97 छात्राओं के हीमोग्लोबिन की हुई निःशुल्क जाँच



शिविर के दौरान कॉलेज की लगभग 97 छात्राओं के रक्त के नमूने लेकर उनके हीमोग्लोबिन स्तर की निःशुल्क जाँच की गई। इस जाँच शिविर का संयोजन मुजफ्फरनगर के वशिष्ठ हॉस्पिटल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर वागीश चंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। जाँच प्रक्रिया का संपादन लाल पैथ लैब द्वारा भारत हेल्थकेयर सेंटर, शाहपुर के विशेष सहयोग से सुचारु रूप से संपन्न कराया गया। लैब तकनीशियन और स्वास्थ्य कर्मियों ने छात्राओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट कर उन्हें पोषण एवं सही खान-पान से संबंधित आवश्यक सलाह भी दी। मुख्य अतिथि व प्राचार्या का हुआ सम्मान

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में 'सृजन न्यूज' के संपादक श्री अरविंद कुमार गुप्ता जी उपस्थित रहे। संस्था की ओर से शाखा सदस्य अनिल गोपाल गर्ग ने उन्हें पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसी क्रम में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती उषा अस्थाना जी का स्वागत भारत विकास परिषद 'उदय' शाखा की महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती पूनम गुप्ता द्वारा पटका पहनाकर किया गया। प्राचार्या ने संस्था के इस सामाजिक प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

समाज सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता के लिए प्रतिबद्ध है संस्था

कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि भारत विकास परिषद उदय शाखा द्वारा समय-समय पर समाज के विभिन्न वर्गों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य पर-ीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते रहते हैं। इन कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य चेतना बढ़ाना और जनसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना है। ये रहे मौजूद इस अवसर पर संस्था के सचिव श्री निखिल गुप्ता, आदित्य अग्रवाल, विचित्र विजय गुप्ता, श्रीमती पूनम गुप्ता, अनिल गोपाल गर्ग एवं शिव शंकर जी सहित विद्यालय का स्टाफ विशेष रूप से मौजूद रहा। सभी वक्ताओं ने छात्राओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे आयोजनों को बेहद जरूरी और उपयोगी बताया।

मुजफ्फरनगर में भक्तिमय माहौल: नन्हीं बच्चियों ने सजीव किए माँ दुर्गा के नौ रूप, कन्या पूजन के साथ गूंजी महाआरती

लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को श्रीराम के आदर्श अपनाने का संदेश

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर स्थित लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शा-रदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में दुर्गा अष्टमी पूजन, रामनवमी तथा दशहरा पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। पूरे विद्यालय प्रांगण को भक्तिमय स्वरूप दिया गया था, जहाँ छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में सनातन संस्कृति के रंगों की छटा देखते ही बन रही थी।

दीप प्रज्ज्वलन और विधिवत कन्या पूजन से शुभारंभ

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा एवं प्राइमरी विंग की कोऑर्डिनेटर भव्या महेश्वरी ने नन्हीं-मुन्नी बालिकाओं के साथ माँ शारदे एवं माँ भगवती दुर्गा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्पार्चन करके किया। इसके पश्चात सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने धूप, दीप, पुष्प अर्पित कर तथा तिलक लगाकर कन्याओं का विधिवत पूजन किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से नन्हीं बालिकाओं को फलाहार कराया गया और उपहार वितरित किए गए। इस दौरान पूरे परिसर में जय माता दी के जयकारे गूंज उठे। पूजन के उपरांत सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने एक स्वर में माँ दुर्गा की महाआरती गाकर महामाई का गुणगान किया।



मंत्रमुग्ध कर देने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

धार्मिक अनुष्ठान के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्राइमरी विंग की छोटी-छोटी बच्चियों ने माँ दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों का भावपूर्ण और सजीव प्रस्तुतीकरण दिया। कक्षा पाँच की छात्राओं ने भक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी क्रम में प्राइमरी विंग की शिक्षिका अक्षिता भारद्वाज ने उपस्थित बच्चों को माँ दुर्गा के नौ रूपों के शृंगार, उनके आध्यात्मिक महत्व तथा उनके संबंधित बीज मंत्रों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। संगीत शिक्ष-ाक अमित शर्मा एवं कविता शर्मा ने छात्राओं के साथ मिलकर माँ अम्बे की आरती और मधुर भजनों का गायन किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया।

बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है दशहरा

कार्यक्रम में हिंदी प्रवक्ता नीलम शर्मा ने विजयादशमी पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दशहरा केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का शाश्वत संदेश है। उन्होंने सभी को जीवन में सदैव सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। रामचरितमानस जीवन का सार, श्रीराम के आदर्श अपनाएँ: प्रधानाचार्य

समारोह के समापन अवसर पर प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने विद्यालय परिवार की ओर से सभी को सनातनी पर्वों की बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "हम सभी सनातन संस्कृति के अनुयायी हैं। हमें नित्य प्रति श्री रामचरित मानस का पाठ करना चाहिए, क्योंकि इसकी प्रत्येक चौपाई और पंक्ति में जीवन जीने का गूढ़ रहस्य व व्यावहारिक ज्ञान छिपा है। उन्होंने विद्यार्थियों से मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जीवन आदर्शों, पितृ भक्ति और कर्तव्यनिष्ठा को अपने दैनिक जीवन में उतारने का आह्वान किया। इस भव्य कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक धनप्रकाश वर्मा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षक वर्ग, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खतौली में मिशन शक्ति अभियान: महिला सुरक्षा और अधिकारों पर दी जानकारी, पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को दी सीख

श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति एवं एनएसएस का संयुक्त आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) के संयुक्त तत्त्वावधान में श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली में महिला सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों और स्वावलंबन को लेकर एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को कानून, आत्मरक्षा और पुलिस हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कानूनी अधिकारों और आत्मरक्षा के प्रति किया जागरूक



कार्यक्रम में मुख्य रूप से थाना खतौली से पधारे पुलिस अधिकारी चरण सिंह सिरोही, कोमल चौधरी, मीना सिंह, मधु यादव एवं अंजली यादव ने छात्राओं को संबोधित किया। पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों, आपातकालीन स्थिति में उपयोगी पुलिस हेल्पलाइन नंबरों तथा आत्मरक्षा के उपायों से अवगत कराया। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति हमेशा सजग रहें और किसी भी तरह के उत्पीड़न या अन्याय के विरुद्ध बिना किसी भय के अपनी आवाज बुलंद करें।

महिला सुरक्षा ही स्वस्थ समाज की नींवः प्राचार्या

समारोह को संबोधित करते हुए महा-विद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और उनका सशक्तीकरण किसी भी प्रगतिशील व स्वस्थ समाज की आधारशिला है। जब तक बेटियाँ खुद को सुरक्षित और समर्थ महसूस नहीं करेंगी, तब तक समाज का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। वहीं एनएसएस प्रभारी विकास जैन ने सामाजिक चेतना के प्रसार में ऐसे कार्यक्रमों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। शिक्षकों और छात्राओं की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. संजीव कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सम्मानित प्राध्यापक, शिक्षिकाएँ और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। संपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मविश्वास से भरपूर बनाकर समाज में स्वावलंबी बनने की प्रेरणा देना रहा।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सौतेले पिता और सौतेली मां को 20-20 साल की सजा

भोपा क्षेत्र के मामले में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी, सतीश पर 51 हजार और बबली पर 52 हजार रुपये का अर्थदंड 2021 में दर्ज हुआ था मुकदमा

मुजफ्फरनगर। नाबालिग के साथ दुष्कर्म और उसे गलत कार्य के लिए मजबूर करने के मामले में मुजफ्फरनगर की विशेष अदालत ने सख्त फैसला सुनाते हुए आरोपी सौतेले पिता सतीश और सौतेली मां बबली को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सतीश पर 51 हजार रुपये और बबली पर 52 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह मामला भोपा थाना क्षेत्र के मोरना गांव का है। पुलिस के अनुसार, दोनों के खिलाफ वर्ष 2021 में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया और सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए प्रभावी पैरवी की। मुजफ्फरनगर पुलिस की ओर से शनिवार को जारी जानकारी के अनुसार, यह फैसला मिशन शक्ति 6.0 और ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत महिला एवं बाल अपराधों में प्रभावी कार्रवाई की कड़ी में आया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विवेचना और अभियोजन की पैरवी पर विशेष ध्यान दिया। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और अभियोजन की कार्यवाही के आधार पर दोनों दोषियों को कठोर कारावास तथा अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस के अनुसार, 6 अक्टूबर 2021 को पीड़िता की ओर से भोपा थाने में लिखित शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सतीश ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी सौतेली मां बबली ने रुपये लेकर उसके साथ गलत कार्य कराया। विरोध करने पर मारपीट किए जाने का आरोप भी लगाया गया था। शिकायत के आधार पर भोपा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 328/2021 दर्ज किया गया था। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 323 और 120बी, पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(एन)/6 तथा अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई शुरू की गई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया अपनाई। पुलिस की ओर से जारी विवरण के मुताबिक, सतीश और बबली को 30 अक्टूबर 2021 को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए संबंधित साक्ष्य जुटाए और 22 नवंबर 2021 को दोनों आरोपियों के विरुद्ध आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया।

पुलिस का कहना है कि मामले में गुणवत्तापूर्ण विवेचना और साक्ष्य संकलन पर ध्यान दिया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के साथ समन्वय स्थापित कर गवाहों की न्यायालय में समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित कराने का प्रयास किया गया, ताकि मुकदमे की सुनवाई प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सके। महिला और बाल अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे

नई मंडी की रामलीला में कैकेयी-दशरथ संवाद और श्रीराम वन गमन का भावपूर्ण मंचन

राजा दशरथ की विवशता और प्रभु श्रीराम के त्याग को देख भावुक हुए दर्शक, केवट संवाद ने दिया भक्ति और समानता का संदेश

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी, नई मंडी, मुजफ्फरनगर के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य रामलीला महोत्सव में बीती रात भक्ति, त्याग और मयार्दा के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। मथुरा से आए सुप्रसिद्ध कलाकारों की मंडली ने कैकेयी-दशरथ संवाद, श्रीराम वन गमन और केवट संवाद का जीवंत मंचन कर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कलाकारों की प्रभावशाली अभिनय कला और सशक्त संवाद अदायगी ने ऐसा समां बांधा कि कई अवसरों पर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्योगपति अर-विंद मित्तल मित्तल कंटेनर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद रामलीला मंचन का सिलसिला शुरू हुआ। कलाकारों ने रामायण के प्रमुख प्रसंगों को अपनी अभिनय कला के माध्यम से इस तरह प्रस्तुत किया कि दर्शक स्वयं को घटनाओं से जुड़ा हुआ महसूस करने लगे।

कैकेयी-दशरथ संवाद ने किया भाव-ुक

कैकेयी-दशरथ संवाद के मंचन में राजा दशरथ की मानसिक पीड़ा और धर्मसंकट को प्रभावशाली ढंग से दशार्या गया। कैकेयी द्वारा अपने दो वरदान मांगने तथा भगवान श्रीराम को चौदह वर्ष का वनवास दिए जाने की बात सामने आने पर राजा दशरथ की विवशता ने दर्शकों को भावुक कर दिया। एक ओर पुत्र के प्रति अपार स्नेह और दूसरी ओर रघुकुल की वचन निभाने की परंपरा के बीच संघर्ष को कलाकारों ने बखूबी प्रस्तुत किया।

इस प्रसंग ने दर्शकों को यह संदेश दिया कि जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी अपने वचन, कर्तव्य और नैतिक मूल्यों का पालन करना महत्वपूर्ण है। रघुकुल की परंपरा प्राण जाए पर वचन न जाए का भाव पूरे मंचन में स्पष्ट दिखाई दिया।

श्रीराम वन गमन ने दर्शकों की आंखें



की नम

रामलीला का सबसे भावुक प्रसंग श्रीराम वन गमन रहा। पिता की आज्ञा का पालन करते हुए भगवान श्रीराम ने बिना किसी विरोध के राजपाट का त्याग कर वन जाने का निर्णय स्वीकार किया। माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ वन की ओर प्रस्थान करने के दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया। पुत्र वियोग में राजा दशरथ की पीड़ा और श्रीराम का धैर्यपूर्ण व्यवहार मंचन का प्रमुख आकर्षण रहा। इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने माता-पिता के प्रति सम्मान, आज्ञाकारिता, त्याग और पारिवारिक प्रेम का संदेश दिया। लक्ष्मण का अपने बड़े भाई श्रीराम के साथ वन जाने का निर्णय भाईचारे, समर्पण और निस्वार्थ प्रेम का आदर्श उदाहरण बनकर सामने आया।

केवट संवाद ने दिया भक्ति और समानता का संदेश

केवट संवाद के मंचन ने रामलीला में भक्ति और मानवीय समानता के भाव को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। नदी पार कराने से पहले केवट और भगवान श्रीराम के बीच हुए संवाद को कलाकारों ने भावपूर्ण अंदाज में मंचित किया। केवट की निश्छल भक्ति और प्रभु श्रीराम के स्नेहपूर्ण व्यवहार ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इस प्रसंग के माध्यम से संदेश दिया गया कि सच्ची श्रद्धा और प्रेम के सामने ऊंच-नीच का भेद महत्वहीन हो जाता है। भगवान श्रीराम का सभी के प्रति समान स्नेह समाज में समरसता, मानवता और आपसी सम्मान की प्रेरणा देता है।

नई पीढ़ी को मयार्दा और आदर्शों से जोड़ना उद्देश्य

श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय मित्तल, सचिव अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, ब्रजगोपाल छरिया, राजेश गोयल, संजय जिंदल और श्याम सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि रामलीला का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के जीवन और रामायण के प्रसंगों के माध्यम से समाज को मयार्दा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, पारिवारिक संस्कार और मानवता की सीख देना भी है।

उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित यह महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

भक्ति, शक्ति और राष्ट्रभक्ति के त्रिवेणी संगम से गूंजा भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर

दुर्गाष्टमी, महानवमी और विजयदशमी की पूर्ववेला पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन, छात्राओं की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

मुजफ्फरनगर। नई मंडी स्थित भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में दुर्गाष्टमी, महानवमी एवं विजयदशमी की पूर्ववेला पर श्रद्धा, भक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने मां दुर्गा के मनमोहक भजन, भावपूर्ण गीत, आकर्षक नृत्य और भक्तिमय आरती प्रस्तुत कर विद्यालय परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, नार-ीशक्ति और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आचार्या श्रीमती अर्चना शर्मा ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में दुर्गाष्टमी, महानवमी और विजयदशमी के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्व केवल परंपराओं के निर्वहन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे मानव जीवन में सकारात्मकता, आत्मानुशासन, साहस, संयम और सदाचार का संचार करने वाले प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की आराधना नारीशक्ति, आत्मबल और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देती है। महानवमी साधना, संकल्प और शक्ति के जागरण का संदेश देती है, जबकि विजयदशमी अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का शाश्वत प्रतीक है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस और विजयदशमी के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। अर्चना शर्मा ने बताया कि वर्ष 1925 में विजयदशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि समाज में संगठन, अनुशासन, सेवा, संस्कार और राष्ट्रनिष्ठा की भावना को



मजबूत करना तथा चरित्रवान व्यक्तित्वों का निर्माण करना राष्ट्र और समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति के गौरवशाली मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं। गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, माता-पिता के प्रति सम्मान और विद्यालय, समाज तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण को संस्कारित जीवन की वास्तविक पहचान बताते हुए उन्होंने ज्ञान, विनम्रता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम को व्यक्तित्व निर्माण का आधार बताया।

भजन, गीत और नृत्य से भक्तिमय हुआ वातावरण

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने मां दुर्गा की महिमा का गुणगान करते हुए सुंदर भजन, गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वंदना विभाग प्रमुख श्रीमती पारुल माहेश्वरी ने सुमधुर संगत के माध्यम से कार्यक्रम को भक्तिमय गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम के सफल संचालन और व्यवस्थाओं में आईटी प्रमुख श्रीमती शिल्पा मित्तल तथा श्रीमान रमन का विशेष सहयोग रहा। सभी के सामूहिक प्रयासों से आयोजन भव्य और आकर्षक बना।

नारीशक्ति समाज की आधारशिला : डॉ. वंदना शर्मा

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने सभी को दुर्गाष्टमी, महानवमी एवं विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने नारीशक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नारी के धैर्य, करुणा, ममता, त्याग, साहस और सृजनशीलता जैसे गुणों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि संस्कारों की संवाहिका और समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली शक्ति भी है।

युवती की अश्लील तस्वीरें बनाकर इंस्टाग्राम पर डालने वाला 24 घंटे में गिरफ्तार, पुलिस के सामने माफी मांगता नजर आया आरोपी

खतौली में युवती के नाम से फर्जी खाता बनाकर रुपये मांगने का आरोप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार अश्लील तस्वीरें की थीं पोस्ट; मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीम ने दबोचा

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर युवतियों की पहचान का दुरुपयोग कर उन्हें बदनाम करने और रुपये मांगने के मामलों पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। खतौली में एक युवती के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी खाता बनाकर रुपये मांगने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से उसकी अश्लील तस्वीरें तैयार कर पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान खतौली के मोहल्ला बिड्डीबाड़ा निवासी अनस के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी और 67 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुलिसकर्मियों के सहारे लंगड़ाते हुए और माफी मांगते नजर आया। इस घटनाक्रम का वीडियो भी चर्चा में है।

युवती के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम खाता बनाकर रुपये मांगने का आरोप

पुलिस के अनुसार एक युवती ने थाना खतौली में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि अनस ने उसके नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी खाता बनाया है। इस खाते के माध्यम से उससे रुपये मांगे जा रहे हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से उसकी अश्लील तस्वीरें तैयार की गईं और उन्हें फर्जी खाते पर पोस्ट किया गया।युवती की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद आरोपी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए थाना खतौली की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो पुलिस टीम को लगाया गया। पालिका बाजार



बिड्डीबाड़ा से पकड़ा गया आरोपी

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर आरोपी को खतौली के पालिका बाजार, बिड्डीबाड़ा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान अनस पुत्र नईस निवासी बिड्डीबाड़ा, कस्बा एवं थाना खतौली, जिला मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी के खिलाफ थाना खतौली में मुकदमा अपराध संख्या 340/2026 के तहत सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी और 67 में अभियोग पंजीकृत है।

पुलिसकर्मियों के सहारे लंगड़ाता और माफी मांगता नजर आया आरोपी

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसका एक दृश्य भी चर्चा में आया, जिसमें वह पुलिसकर्मियों के कंधों का सहारा लेकर लंगड़ाते हुए चलता और माफी मांगता नजर आया। हालांकि, उसके लंगड़ाने की वजह के बारे में पुलिस की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। इसलिए इसे किसी पुलिस कार्रवाई या चोट से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, क्षेत्राधिकारी खतौली रुपाली राव और थाना प्रभारी दिनेश चंद के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला संबंधी अपराधों और युवतियों को परेशान करने वाले मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, कांस्टेबल हेमंत चौधरी, महिला कांस्टेबल यशोदा, कोमल, पूजा, प्रिया और पायल शामिल रहीं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए किसी की तस्वीर को अश्लील रूप देना, उसे फर्जी पहचान के साथ सोशल मीडिया पर प्रसारित करना और उसके नाम पर रुपये मांगना पीड़ित की निजता, प्रतिष्ठा और मानसिक सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

अलग-अलग सड़क हादसों में घायलों के लिए वरदान बनी 108 एंबुलेंस सेवा

भोपा और सिखेड़ा क्षेत्र में हुए हादसे, एंबुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाकर घायलों को पहुंचाया अस्पताल

मुजफ्फरनगर। जनपद में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में घायलों के लिए 108 एंबुलेंस सेवा मददगार साबित हुई। हादसों की सूचना मिलते ही एंबुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। समय पर मिली चिकित्सा सहायता से घायलों को उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिली।



दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में महिला घायल

पहला सड़क हादसा भोपा थाना क्षेत्र के जौली रोड पर गांव तिस्सा के पास हुआ। यहां दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें ककरौली गांव निवासी 32 वर्षीय उजमा जैदी घायल हो गईं। दुर्घटना में महिला के सिर और चेहरे पर चोटें आईं। हादसे के बाद घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया।

सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस के ईएमटी मनोज कुमार और पायलट जितेंद्र ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान ईआरसीपी चिकित्सक डॉ. अब्दुल के मार्गदर्शन में महिला की स्थिति पर निगरानी रखी गई और आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

बाइक का संतुलन बिगड़ने से सड़क पर गिरकर घायल हुआ युवक

दूसरा हादसा सिखेड़ा हाईवे पर हुआ। जानकारी के अनुसार, तितावी क्षेत्र के करवाड़ा गांव निवासी 45 वर्षीय परवेंद्र सिंह पुत्र किशन पाल सिंह मोटरसाइकिल से जा रहे थे। बताया गया कि शराब के सेवन के बाद बाइक चलाते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के ईएमटी विकास सैनी और पायलट शुभम कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे।

अखिलेश से मिले दारा सिंह प्रजापति, चरथावल के कई नेताओं के भी साइकिल पर सवार होने के आसार

बसपा के मुजफ्फरनगर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ने प्रजापति समाज के हजारों लोगों के साथ सपा में शामिल होने के दिए संकेत

मुजफ्फरनगर। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच समीकरण बदलने के आसार नजर आने लगे हैं। समाजवादी पार्टी अपने संगठन को मजबूत करने के लिए दूसरे दलों के नेताओं को साथ लाने की दिशा में आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। मेरठ के गंगानगर निवासी राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से बसपा के प्रत्याशी रहे दारा सिंह प्रजापति की लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात ने इन चचाओं को और तेज कर दिया है। इस मुलाकात में सरधना विधायक अतुल प्रधान और दारा सिंह प्रजापति के पुत्र देवेश प्रजापति भी मौजूद रहे। दारा सिंह ने प्रजापति समाज के हजारों लोगों के साथ सपा में शामिल होने की संभावना के संकेत दिए हैं। दूसरी ओर, मुजफ्फरनगर की चरथावल विधानसभा सीट पर भी भाजपा, रालोद और बसपा से जुड़े कई नेताओं के सपा में आने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

अखिलेश यादव से मुलाकात, प्रजापति समाज को जोड़ने की तैयारी के संकेत

दारा सिंह प्रजापति ने अखिलेश यादव से मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है। उन्होंने संकेत दिया कि सपा अध्यक्ष के साथ आगे बातचीत होनी है और इसके बाद प्रजापति समाज के हजारों लोगों के साथ पार्टी में शामिल होने के संबंध में निर्णय लिया जा सकता है। हालांकि, अभी तक सदस्यता ग्रहण करने की तारीख या औपचारिक घोषणा सामने नहीं आई है। दारा सिंह प्रजापति की इस मुलाकात को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों के प्रभावशाली लोगों को अपने साथ जोड़ने की सपा की संभावित रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। यदि वह अपने समर्थकों के साथ सपा में शामिल होते



हैं, तो इसका असर मुजफ्फरनगर और मेरठ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। मुजफ्फरनगर की चरथावल विधानसभा सीट पर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि रालोद, भाजपा और बसपा से जुड़े कई नेता अखिलेश यादव से मुलाकात कर चुके हैं और उनके सपा में शामिल होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। यदि इन दलों के नेता वास्तव में सपा का दामन थामते हैं, तो चरथावल में स्थानीय स्तर पर राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। दूसरे दलों से आने वाले नेताओं के साथ उनके समर्थकों का भी सपा से जुड़ना संगठन की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, अभी संबंधित नेताओं के नाम और उनके संभावित दल-बदल की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

2027 के चुनाव से पहले दलों की बढ़ेगी सक्रियता

विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन राजनीतिक दलों के स्तर पर संगठन मजबूत करने और नए लोगों को जोड़ने की कवायद तेज होने के आसार हैं। ऐसे में दूसरे दलों के नेताओं के साथ मुलाकातें और संभावित सदस्यता परिवर्तन आने वाले दिनों में पश्चिमी यूपी की राजनीति का अहम हिस्सा बन सकते हैं। सपा के लिए दारा सिंह प्रजापति जैसे सामाजिक संगठन से जुड़े नेता का साथ जुड़ना संभावित रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। वहीं, चरथावल में विभिन्न दलों के नेताओं के सपा में आने की चर्चाएं भी स्थानीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर रही हैं। फिलहाल दारा सिंह प्रजापति के सपा में शामिल होने और चरथावल के अन्य नेताओं के दल बदलने को लेकर चर्चाएं जारी हैं। इन संभावनाओं पर अंतिम स्थिति संबंधित नेताओं की घोषणा और पार्टी की आधिकारिक पुष्टि के बाद ही स्पष्ट होगी।

मिशन शक्तिः आठवीं की मेधावी छात्रा आनिया बनी एक दिन की कोतवाली प्रभारी, सुनी फरियादियों की समस्याएं

मुजफ्फरनगर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-6.0 के तहत मुजफ्फरनगर में एक प्रेरणादायक पहल की गई। शनिवार को कक्षा आठ की मेधावी छात्रा आनिया को सांकेतिक रूप से एक दिन के लिए कोतवाली नगर का प्रभारी बनाया गया। थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर छात्रा ने पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से जाना और फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए आवश्यक निर्देश एवं सुझाव दिए। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने और पुलिस व्यवस्था को समझने का अवसर प्रदान करना रहा। 17 अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना पहुंचने पर वर्तमान थाना प्रभारी बृजेश कुमार शर्मा और अन्य महिला पुलिसकर्मियों ने छात्रा आनिया का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद उन्हें सम्मानपूर्वक थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठाया गया। एक दिन की सांकेतिक थाना प्रभारी की भूमिका मिलने पर छात्रा पूरे आत्मविश्वास के साथ नजर आई। उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित मामलों में आवश्यक निर्देश एवं सुझाव दिए। इस दौरान उन्हें बताया गया कि पुलिस थाने में आने वाले लोगों की शिकायतों को किस प्रकार सुना जाता है और उनकी समस्याओं के



समाधान के लिए किस तरह की प्रक्रिया अपनाई जाती है। कार्यक्रम के दौरान छात्रा के साथ आईं अन्य छात्राओं और शिक्षिकाओं को भी थाने का भ्रमण कराया गया। उन्हें सामान्य डायरी (जीडी) कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क और बंदी गृह के बारे में जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने बताया कि थाने के अलग-अलग कार्यालयों में किस प्रकार के कार्य किए जाते हैं और शिकायतों के निस्तारण में उनकी क्या भूमिका होती है।

पुरबालियान में विपिन की हत्या के मामले में पांचों दोषियों को उम्रकैद, दो पर 85-85 हजार और तीन पर 75-75 हजार रुपये जुमार्ना

2020 में हथियारों से लैस होकर की गई थी फायरिंग, विपिन की मौत और अंकित गंभीर घायल हुआ था; मुजफ्फरनगर न्यायालय ने हत्या, जानलेवा हमले और शस्त्र अधिनियम के मामलों में सुनाई सजा

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव पुरबालियान में वर्ष 2020 में हुई हत्या और जानलेवा हमले के मामले में न्यायालय ने पांच आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-एक की न्यायाधीश गरिमा सिंह ने 17 अक्टूबर 2026 को फैसला सुनाते हुए दो दोषियों पर 85-85 हजार रुपये और तीन अन्य दोषियों पर 75-75 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। पुलिस के अनुसार, मामले में प्रभावी विवेचना, साक्ष्य संकलन और अभियोजन की पैरवी के आधार पर दोषियों को सजा दिलाई गई। पुलिस के मुताबिक, गांव पुरबालियान निवासी कंवरपाल ने 28 अक्टूबर 2020 को मंसूरपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि धनसेठ उर्फ धर्मेंद्र, उसके बेटे राजा, नितिन उर्फ अवि, पविंद्र और रविंद्र उर्फ लंबरदार ने एकराय होकर हथियारों से हमला किया। इस दौरान कंवरपाल के बेटे विपिन की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि अंकित गंभीर रूप से घायल हो गया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ हत्या, जानलेवा हमले और गाली-गलौज से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। दो दोषियों को शस्त्र अधिनियम में भी सजा

पुलिस के अनुसार, मामले की जांच के दौरान हथियारों की बरामदगी के आधार पर धनसेठ उर्फ धर्मेंद्र और राजा के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत भी अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए थे। मंसूरपुर पुलिस ने साक्ष्य संकलन और विवेचना पूरी करने के बाद 14 दिसंबर 2020 को आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस और अभियोजन पक्ष ने गवाहों को समय से न्यायालय में पेश कराया तथा आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य प्रस्तुत किए। अभियोजन की ओर से एडीजीसी अरुण शर्मा और कोर्ट पैरोकार आरक्षी अभिषेक मलिक ने प्रभावी पैरवी की। पुलिस के अनुसार, प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने पांचों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। न्यायालय के आदेश के अनुसार, धनसेठ उर्फ धर्मेंद्र और राजा को हत्या तथा जानलेवा हमले से संबंधित धाराओं के साथ आयुध अधिनियम के तहत भी दोषी ठहराया गया। दोनों को आजीवन कारावास और 85-85 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।।वहीं, नितिन उर्फ अवि, पविंद्र और रविंद्र उर्फ लंबरदार को हत्या और जानलेवा हमले से संबंधित धाराओं में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। तीनों पर 75-75 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने इस कार्रवाई को अपराधियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत महत्वपूर्ण सफलता बताया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन और पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राव और मंसूरपुर थाना प्रभारी विपिन त्यागी के नेतृत्व में मामले की प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस का कहना है कि गंभीर अपराधों में समयबद्ध विवेचना, पर्याप्त साक्ष्य जुटाने, गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत करने और अभियोजन के साथ समन्वय बनाकर पैरवी करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी प्रक्रिया के तहत पुरबालियान हत्याकांड में पांचों आरोपियों को सजा दिलाई गई। वर्ष 2020 में हुई इस वारदात के करीब छह साल बाद आए फैसले में पांचों दोषियों को आजीवन कारावास मिलने से मामले में न्यायिक कार्रवाई का महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ है।

पचेंडा कला आश्रम में रविवार को लगेगा निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

गन्ना समिति तितावी के तत्वावधान में नैहरु नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक करेंगे मरीजों की जांच

मुजफ्फरनगर। क्षेत्र के गांव पचेंडा कला स्थित श्रीकृष्ण देव चेतन्य आश्रम में रविवार को निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन गन्ना समिति तितावी की ओर से कराया जा रहा है। इसमें नैहरु नेत्र चिकित्सालय के अनुभवी चिकित्सकों की टीम मरीजों की आंखों की जांच करेगी।

शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को नेत्र संबंधी समस्याओं के लिए निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इस शिविर से लाभ मिलने की उम्मीद है। शिविर में नेत्र रोगों से संबंधित जांच और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा।

आयोजकों की ओर से क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे इस निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का लाभ उठाएं और आंखों से संबंधित परेशानी होने पर चिकित्सकों से परामर्श अवश्य लें।

मतदाता सूची अभियान की हकीकत परखने बूथों पर पहुंचे नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल

बीएलओ की मौजूदगी से लेकर आवेदन प्रक्रिया तक का लिया जायजा, 24 अक्टूबर को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक फिर चलेगा विशेष अभियान

मुजफ्फरनगर। मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने और पहले से दर्ज विवरणों में गलतियां ठीक कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान को प्रभावी बनाने में जिला प्रशासन जुटा है। शनिवार को जिले के निर्धारित मतदान केंद्रों पर आयोजित अभियान के दौरान नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की मौजूदगी, मतदाता सूची से संबंधित कार्यों और नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया के संबंध में दी जा रही जानकारी की स्थिति परखी।

नगर मजिस्ट्रेट के निरीक्षण का उद्देश्य यह जानना था कि अभियान के दौरान निर्धारित बूथों पर संबंधित कर्मचारी उपलब्ध हैं या नहीं और मतदाताओं को नाम जुड़वाने अथवा विवरणों में संशोधन के लिए जरूरी सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। प्रशासन की कोशिश है कि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में पात्र नागरिकों को परेशानी न हो और वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने आवेदन जमा करा सकें।

नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने बूथों पर पहुंचकर परखी व्यवस्थाएं



चुनाव आयोग के निदेशों के तहत मतदाता सूची से जुड़े कार्यों के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान नगर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर बूथ स्तर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ की उपलब्धता और अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में बीएलओ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि नाम दर्ज कराने, पहले से दर्ज विवरणों में संशोधन कराने और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी लेने के लिए नागरिक बूथ स्तर पर इन्हीं से संपर्क करते हैं। निरीक्षण के दौरान अभियान की जमीनी स्थिति जानने के साथ यह भी देखा गया कि मतदाताओं को निर्धारित समय पर संबंधित कर्मचारी उपलब्ध हो रहे हैं या नहीं। प्रशासन का प्रयास है कि विशेष अभियान की तारीखों पर बूथों पर आवश्यक व्यवस्थाएं बनी रहें और लोगों को आवेदन जमा कराने के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

24 अक्टूबर को फिर मिलेगा मौका, छह घंटे बूथों पर रहेंगे बीएलओ

17 अक्टूबर को आयोजित अभियान के बाद अब 24 अक्टूबर को फिर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित मतदान केंद्रों पर बीएलओ और चुनाव से जुड़े अधिकारी मौजूद रहेंगे। पात्र नागरिक इस दौरान मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने, नाम-पते में त्रुटि ठीक कराने और अन्य जरूरी संशोधनों के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह अभियान उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है या जिनकी प्रविष्टियों में किसी प्रकार की गलती है। नाम की वर्तनी, पते अथवा अन्य विवरणों में त्रुटि होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार का अनुरोध किया जा सकता है। नए मतदाता के रूप में नाम दर्ज कराने के इच्छुक पात्र नागरिक भी आवेदन प्रक्रिया के संबंध में बीएलओ से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने निर्धारित मतदान केंद्र और वहां तैनात बीएलओ की जानकारी प्राप्त कर तय समय पर पहुंचें। आवेदन से संबंधित जरूरी दस्तावेजों और प्रपत्रों की जानकारी पहले ही ले लेने से प्रक्रिया पूरी करने में आसानी हो सकती है।

पहले अभियान में कुछ बूथों पर कम रही मतदाताओं की भागीदारी

शनिवार को आयोजित विशेष अभियान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहने की जानकारी सामने आई।

सुभाष नगर की बदहाल सड़कों, नालियों और स्ट्रीट लाइटों का मुद्दा पीडीए जनपंचायत में गूंजा

सपा नेताओं ने जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर उठाए सवाल, गुलनाज परवीन को समाजवादी महिला सभा का जिला उपाध्यक्ष बनाया

मुजफ्फरनगर। सुभाष नगर में समाजवादी पार्टी की ओर से आयोजित पीडीए जनपंचायत में क्षेत्र की बदहाल सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइटों और अन्य मूलभूत सुविधाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। जनपंचायत में शामिल सपा नेताओं ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं को उठाते हुए जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और नागरिकों को अपने संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी महिला सभा में संगठनात्मक जिम्मेदारी देते हुए गुलनाज परवीन को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि उनके माध्यम से महिलाओं को संगठन से जोड़ने और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने में मदद मिलेगी। जनपंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता एवं पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी गौरव कुमार जैन ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की भूमिका केवल मतदान करने तक सीमित नहीं है। जनता को अपने चुने हुए जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के विकास और मूलभूत सुविधाओं को लेकर सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को



यह सवाल करना चाहिए कि उनके मोहल्ले की सड़कें अब तक क्यों नहीं बनीं, नालियों की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं हुई और गलियों में स्ट्रीट लाइटें क्यों नहीं लगाई गईं। उन्होंने कहा कि जनता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर जनप्रतिनिधियों से जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करनी चाहिए। गौरव कुमार जैन ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को संगठित होकर लोकतांत्रिक तरीके से उठाएं, ताकि संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक उनकी आवाज पहुंच सके। सपा नेता साजिद हसन ने अपने संबोधन में सुभाष नगर की नागरिक सुविधाओं का मुद्दा उठाते हुए क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।।उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान जनता से समर्थन मांगने वाले कुछ जनप्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र की समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि जनता अब अपने अधिकारों और क्षेत्र के विकास को लेकर जागरूक हो रही है। क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की पहली जिम्मेदारी जनता की समस्याओं का समाधान करना है। क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलतीं तो उन्हें अपनी समस्याओं को उचित मंच पर उठाना चाहिए।

जमीन कब्जाने को लेकर गंभीर विवाद, पंकज वर्मा समेत कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मिमलाना में नितिन की कृषि भूमि पर जबरन कब्जा कर नींव भरने का आरोप, विरोध करने पर मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने की शिकायत, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। शहर के लद्धावाला निवासी एक व्यक्ति की मिमलाना क्षेत्र में स्थित कृषि भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। देहरादून में रह रहे नितिन कुमार ने अपनी जमीन पर जबरन कब्जा करने, नींव भरने और विरोध करने पर मारपीट किए जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि जब उसने अपनी भूमि पर किए जा रहे कथित अवैध कब्जे का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी। मामले में पंकज वर्मा समेत कई लोगों के नाम सामने आए हैं। नितिन की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना-पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब मामले से जुड़े तथ्यों, जमीन के अभिलेखों और शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच में जुटी है।

मिमलाना में खसरा संख्या 491/1 में दर्ज है कृषि भूमि

लद्धावाला निवासी नितिन कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि वह मूल रूप से मुजफ्फरनगर के मोहल्ला लद्धावाला का निवासी है, लेकिन वर्ष 2018 से देहरादून में रह रहा है। उसकी कृषि भूमि मौजा मिमलाना, परगना एवं तहसील सदर, जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है। शिकायत में भूमि का खसरा नंबर 491/1 और कुल रकबा 1.0240 हेक्टेयर बताया गया है। नितिन के मुताबिक, उक्त भूमि में से करीब पांच बीघा जमीन पर वह प्लॉटिंग कर विक्रय कर चुका है। उसका दावा है कि शेष संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों में उसके नाम दर्ज है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद कुछ लोग उसकी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उसने अपनी शिकायत में भूमि से संबंधित विवाद को लेकर कार्रवाई की मांग करते हुए अधिकारियों से हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। नितिन ने अपनी शिकायत में पंकज वर्मा पुत्र रमेशचंद वर्मा निवासी चुंगी नंबर-दो, गढ़ी गोरवान खटीकान, पंचमुखी, मुजफ्फरनगर को मुख्य आरोपियों में शामिल किया है। पीड़ित का आरोप है कि पंकज वर्मा उसकी भूमि पर कब्जा करना चाहता है और पहले भी उसके विरुद्ध शिकायतें तथा प्रार्थना-पत्र देता रहा है। शिकायत के अनुसार, आठ अगस्त 2026 को सुबह करीब दस बजे नितिन की अनुपस्थिति में पंकज वर्मा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया और वहां नींव भर दी। नितिन का कहना है कि उसे जब इस घटनाक्रम की जानकारी मिली तो उसने मौके पर पहुंचकर संबंधित लोगों से जमीन पर किए जा रहे कथित अवैध कब्जे को हटाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ने का आरोप लगाया गया है।

विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट की शिकायत

पीड़ित ने आरोप लगाया कि जब उसने अपनी जमीन पर नींव भरने और कब्जे का विरोध किया तो आरोपी पक्ष ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। नितिन के अनुसार, उसके साथ थप्पड़ों और मुक्कों से मारपीट की गई। उसने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी। प्रार्थना-पत्र में उल्लेख किया गया है कि विवाद के दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे थे। पीड़ित का आरोप है कि लोगों को आते देखकर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। शिकायत में लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। नितिन कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना-पत्र में पंकज वर्मा के अलावा कई अन्य लोगों के नाम भी लिखे हैं। इनमें रईसू अली निवासी लद्धावाला गली नंबर नौ, कामरेड रोड, मुजफ्फरनगर; नाजिम, वासिफ और आसिफ निवासी मिमलाना रोड, इबनीहसन निवासी लद्धावाला; मेहरबान और उसकी पत्नी शामिल हैं। पीड़ित का आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर उसकी अनुपस्थिति में जमीन पर कब्जा करने और नींव भरने की कार्रवाई की। शिकायत में सभी संबंधित लोगों की भूमिका की जांच कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। हालांकि, किस व्यक्ति की क्या भूमिका रही, यह पुलिस की जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा।

घटना के दिन ही 112 पर दी थी सूचना

नितिन ने अपने प्रार्थना-पत्र में बताया कि आठ अगस्त को कथित घटना के बाद उसने पुलिस आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दी थी। उसका कहना है कि सूचना देने के बावजूद उसे अपेक्षित कार्रवाई होती दिखाई नहीं दी। इसके बाद उसने अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत रखने का निर्णय लिया। पीड़ित के अनुसार, जमीन पर कब्जे को लेकर उसने उपजिलाधिकारी सदर के यहां भी प्रार्थना-पत्र दिया था। इस शिकायत के संबंध में लेखपाल से मौके की जांच कर आख्या मांगी गई थी। नितिन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना-पत्र के साथ लेखपाल की जांच आख्या की छायाप्रति संलग्न करने की बात भी कही है। अब इस दस्तावेज की विषयवस्तु और राजस्व अभिलेखों की स्थिति मामले की जांच में महत्वपूर्ण हो



संस्कृत से पढ़ाई के बाद, यूपीएससी से लेकर आयुष मंत्रालय तक हैं कई अवसर

अक्सर लोगों को लगता है कि संस्कृत से पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शंस बहुत कम रह जाते हैं. लेकिन आज के समय में यह मान्यता बदल चुकी है.नई एजुकेशन पॉलिसी, इंडियन नॉलेज सिस्टम और संस्कृत से जुड़े पुराने डॉक्यूमेंट्स को डिजिटल बनाने पर बढ़ते फोकस के कारण संस्कृत पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए सरकारी सेक्टर में रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं. अगर आपने संस्कृत में BA, MA, BEd, UGC NET या PhD की है, तो टीचिंग के अलावा रिसर्च, ट्रांसलेशन, प्रशासनिक सेवाओं और आयुष सेक्टर में भी करियर बना सकते हैं.

टीचिंग में सबसे ज्यादा अवसर

संस्कृत में ग्रेजुएशन और जरूरी एलिजिबिलिटी पूरी करने वाले कैंडिडेट्स केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल और राज्य सरकार के स्कूलों में TGT और PGT टीचर के पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं. वहीं MA के बाद UGC NET या PhD करने वाले कैंडिडेट्स सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका पा सकते हैं. कई राज्यों के संस्कृत विद्यालयों और सरकारी गुरुकुलों में भी समय-समय पर भर्तियां निकलती हैं.

ट्रांसलेटर, रिसर्च और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में भी मांग

संस्कृत के साथ हिंदी और अन्य भाषाओं की अच्छी जानकारी रखने वाले कैंडिडेट्स सरकारी विभागों में ट्रांसलेटर और राजभाषा से जुड़े पदों पर अवसर तलाश सकते हैं. इसके अलावा राष्ट्रीय पुस्तकालय, संग्रहालय और पुरातत्व से जुड़े संस्थानों में प्राचीन संस्कृत ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण व रिसर्च का भी मौका मिलता है. CSIR की ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी जैसे प्रोजेक्ट्स में भी संस्कृत एक्सपर्ट्स की जरूरत पड़ती है.

UPSC और आयुष मंत्रालय में भी हैं करियर

संस्कृत विषय के स्टूडेंट्स UPSC और राज्य PCS जैसी परीक्षाओं की तैयारी भी कर सकते हैं. UPSC मेन्स में संस्कृत साहित्य को ऑप्शनल सब्जेक्ट के रूप में चुना जा सकता है. वहीं आयुष मंत्रालय के तहत संचालित संस्थानों, आयुर्वेद कॉलेजों, योग संस्थानों और रिसर्च सेंटरों में भी संस्कृत जानने वाले एलिजिबल कैंडिडेट्स के लिए समय-समय पर अवसर निकलते रहते हैं.

सरकारी नौकरी की जानकारी कहां देखें?

अगर आप संस्कृत से जुड़ी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, तो सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, कर्मचारी चयन आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति की भर्ती सूचनाओं पर नियमित नजर रखें. यहां समय-समय पर एकेडमिक और एडमिनिस्ट्रेटिव पदों पर भर्तियां जारी की जाती हैं.



कौन ले सकता है एजुकेशन लोन

इन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

एजुकेशन लोन उन छात्रों और परिवारों के लिए मददगार विकल्प बन सकता है, जो पढ़ाई के लिए पूरा खर्च एक साथ नहीं उठा पा रहे हैं. लेकिन लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि इसके लिए योग्यता क्या होती है और बैंक किन बातों को देखता है.

एजुकेशन लोन होता क्या है

एजुकेशन लोन एक तरह का बैंक लोन है, जिसे उच्च शिक्षा से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए लिया जाता है. इसके जरिए कॉलेज की फीस के अलावा हॉस्टल, किताबें, लैपटॉप, परीक्षा फीस और कुछ मामलों में यात्रा जैसे जरूरी खर्च भी कवर किए जा सकते हैं. यानी पढ़ाई का खर्च सामने देखकर घबराने के बजाय इसे किस्तों में मैनेज करने का विकल्प मिल जाता है.

कौन ले सकता है एजुकेशन लोन

आमतौर पर भारत में मान्यता प्राप्त संस्थान या कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थी एजुकेशन लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं. कई बैंक भारत के साथ-साथ विदेश में पढ़ाई के लिए भी लोन देते हैं. हालांकि हर बैंक की अपनी शर्तें होती हैं, इसलिए आवेदन करने से पहले संबंधित बैंक की पात्रता जरूर देखनी चाहिए. एजुकेशन लोन के लिए सिर्फ यह कहना काफी नहीं है कि 'मैं पढ़ाई करना चाहता हूं.' आमतौर पर बैंक को संस्थान का एडमिशन लेटर या संबंधित दस्तावेज दिखाना पड़ता है. यानी पहले कॉलेज में सीट पक्की, फिर लोन की फाइल आगे. कुछ बैंक कोर्स, कॉलेज और उसकी मान्यता के आधार पर भी लोन मंजूर करते हैं.



किन खर्चों के लिए मिल सकता है लोन

एजुकेशन लोन केवल कॉलेज की फीस तक सीमित नहीं होता. बैंक की शर्तों के अनुसार इसमें कई दूसरे शिक्षा संबंधी खर्च भी शामिल हो सकते हैं. कॉलेज या संस्थान की ट्यूशन फीस हॉस्टल और रहने का खर्च किताबें और जरूरी स्टडी मटेरियल परीक्षा और लाइब्रेरी फीस कंप्यूटर या लैपटॉप जैसे जरूरी उपकरण विदेश में पढ़ाई के मामले में यात्रा से जुड़े कुछ खर्च माता-पिता की भूमिका क्यों अहम है?

स्टूडेंट लोन ले रहा है, लेकिन कई मामलों में माता-पिता या अभिभावक को सह-आवेदक बनाया जाता है. बैंक उनकी आय, नौकरी या कारोबार और क्रेडिट हिस्ट्री जैसी चीजों को देख सकता है. इसका मकसद यह समझना होता है कि लोन की जिम्मेदारी संभालने की क्षमता कैसी है. इसलिए आवेदन से पहले परिवार की आर्थिक स्थिति और जरूरी दस्तावेज तैयार रखना समझदारी है.

कौन-कौन से दस्तावेज लग सकते हैं

बैंक के हिसाब से दस्तावेजों की सूची अलग हो सकती है, लेकिन आमतौर पर कुछ जरूरी कागजात मांगे जाते हैं.

- आधार कार्ड या अन्य पहचान प्रमाण पता प्रमाण
- शैक्षणिक प्रमाणपत्र और मार्कशीट
- कॉलेज का एडमिशन लेटर
- फीस स्ट्रक्चर
- पासपोर्ट साइज फोटो
- सह-आवेदक की आय से जुड़े दस्तावेज
- बैंक स्टेटमेंट या अन्य वित्तीय दस्तावेज

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

एजुकेशन लोन पढ़ाई का रास्ता आसान कर सकता है, लेकिन यह मुफ्त का पैसा नहीं है. आखिर में इसे ब्याज के साथ वापस करना होता है. इसलिए सिर्फ कम ब्याज देखकर लोन न लें. ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस, मोरेटोरियम पीरियड, रीपेमेंट अवधि और प्रीपेमेंट से जुड़ी शर्तें ध्यान से पढ़ें. सबसे जरूरी बात यह है कि जितनी जरूरत हो, उतना ही लोन लें. सिर्फ लाइफस्टाइल का खर्च बढ़ाने के लिए बड़ा लोन लेना बाद में जेब पर भारी पड़ सकता है. पढ़ाई पूरी होने के बाद नौकरी या करियर शुरू होने पर EMI चुकानी होगी. इसलिए लोन लेने से पहले पूरा हिसाब-किताब बैठा लेना ही समझदारी है.



12वीं के बाद कैसे बनें कंपनी सेक्रेटरी

अगर आप कॉमर्स के स्टूडेंट हैं और कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है. यह एक ऐसा प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके लिए जरूरी नहीं है कि केवल पढ़ाई में बहुत अच्छे मार्क्स हों. इसमें सफलता के लिए स्टूडेंट के पास सबसे पहले पेशंस, सही जानकारी, मेहनत और लगातार तैयारी की जरूरत होती है. इस कोर्स की पढ़ाई आप 12वीं के बाद शुरू कर सकते हैं.

क्या है यह कोर्स

कंपनी सेक्रेटरी, एक प्रोफेशनल कोर्स है. यह कोर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज द्वारा संचालित किया जाता है. इस कोर्स के बाद कैंडिडेट किसी कंपनी की कॉरपोरेट लॉ, लीगल कंप्लाएंस, कॉरपोरेट गवर्नेंस, बोर्ड मीटिंग और रेगुलेटरी अफेयर्स को संभालते हैं.

CS बनने के लिए कितने स्टेप्स

- CS फाउंडेशन
- CS एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम
- प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (लगभग 21 महीने)
- CS प्रोफेशनल

फाउंडेशन लेवल क्या है

ष्टस् फाउंडेशन कंपनी सेक्रेटरी कोर्स का पहला लेवल है. वर्तमान में इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ICSI ने फाउंडेशन प्रोग्राम की जगह CSEET (कंपनी सेक्रेटरी एग्जीक्यूटिव टेस्ट) शुरू किया है. यहां बता दें कि अगर आप ग्रेजुएशन के बाद यह कोर्स शुरू करना चाहते हैं, तो आपको फाउंडेशन लेवल की परीक्षा नहीं देनी होगी.

इस लेवल में क्या पढ़ना होता है

ष्टस् एग्जीक्यूटिव कंपनी सेक्रेटरी कोर्स का दूसरा स्टेप है. इसमें दो मॉड्यूल होते हैं, जिनमें कुल 7 पेपर (विषय) शामिल हैं. फाउंडेशन पास करने के बाद स्टूडेंट एग्जीक्यूटिव लेवल में पहुंचते हैं.

यह है इस कोर्स का आखिरी लेवल

यह कंपनी सेक्रेटरी कोर्स का आखिरी लेवल होता है. कोर्स के इस आखिरी लेवल पर दो मॉड्यूल होते हैं, जिनमें कुल 7 पेपर (विषय) शामिल हैं. मॉड्यूल 1 में 4 पेपर और मॉड्यूल 2 में 3 पेपर होते हैं. स्टूडेंड चाहें तो एक बार में दोनों ग्रुप्स या एक ग्रुप की भी परीक्षा दे सकते हैं.

इस कोर्स में स्टूडेंट को लगभग 21 महीने की ट्रेनिंग करनी होती है, जिसमे उन्हें कोर्स की प्रैक्टिकल स्किल्स के बारे में सिखाया जाता है.

क्या है कोर्स की एलिजिबिलिटी

इस कोर्स के लिए स्टूडेंट के पास किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना जरूरी है. इस कोर्स में स्टूडेंट को कंपनी लॉ जैसी चीजों के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हालांकि ज्यादातर कॉमर्स स्ट्रीम के स्टूडेंट इस कोर्स की पढ़ाई करते हैं, मगर साइंस और आर्ट्स के छात्र भी CA की पढ़ाई कर सकते हैं.

कितना समय लगता है कोर्स कंप्लीट करने में...

12वीं के बाद, अगर इस कोर्स की पढ़ाई स्टूडेंट शुरू करते हैं, तो कोर्स पूरा करने में लगभग 4 साल लग सकते हैं. हालांकि स्टूडेंट अगर किसी लेवल को क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं, तो कोर्स का समय भी बढ़ जाता है. बता दें कि CS की परीक्षा साल में 2 बार जून और दिसंबर सेशन में होती हैं.

नौकरी के साथ करना चाहते हैं पढ़ाई, कौन सा यूनिवर्सिटी है बेस्ट और डिस्टेंस कोर्स की वैल्यू



आज के समय में पढ़ाई के लिए जरूरी नहीं है कि छात्र रोज कॉलेज जाकर ही डिग्री हासिल करें. नौकरी, कॉम्पिटिटिव परीक्षा की तैयारी, आर्थिक कारण या दूसरी समस्याओं के चलते काफी संख्या में छात्र Open and Distance Learning यानी ODL का ऑप्शन चुनते हैं. हालांकि डिस्टेंश एजुकेशन से पढ़ाई करने से पहले छात्रों के मन में सबसे बड़ा सवाल रहता है कि आखिर इस डिग्री की वैल्यू कितनी है.

क्या है यह कॉन्सेप्ट

डिस्टेंश एजुकेशन ऐसी शिक्षा व्यवस्था है, जिसमें छात्र को नियमित रूप से कॉलेज की कक्षा में उपस्थित रहने की जरूरत नहीं होती. स्टूडेंट स्टडी मटेरियल, डिजिटल लर्निंग रिसोर्स, इसाइनमेंट्स और एग्जामिनेशन के माध्यम से पढ़ाई पूरी की जाती है.भारत में इसे मुख्य रूप से Open and Distance Learning (ODL) और Online Learning के रूप में देखा जाता है. हालांकि दोनों एक जैसे नहीं हैं.

कौन से यूनिवर्सिटी कराते हैं डिस्टेंस लर्निंग

IGNOU (Indira Gandhi National Open University): डिस्टेंश एजुकेशन के क्षेत्र में देश की सबसे प्रमुख संस्थाओं में से एक है. IGNOU के अनुसार उसके डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट को भारतीय universities/ institutions की corresponding qualifications के बराबर माना जाता है. इसके 69 से अधिक रीजनल सेटर्स और 2,000 से अधिक लर्नर सपोर्ट सेंटर हैं तथा विदेशों में भी इसके स्टडी सेंटर्स मौजूद हैं.

University of Delhi - School of Open Learning : यह भी डिस्टेंस एजुकेशन के लिए जाना जाता है. DU SOL के 2025-26 प्रोस्पेक्टस में UG प्रोग्राम्स को GC-DEB recognized बताया गया है.

Jamia Millia Islamia : यह एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी है और इसके कई ODL प्रोग्राम्स को GC-DEB से recognition मिली है. GC-DEB की सूची में JMI के BBA, BCom, BA और कई MA प्रोग्राम्स के साथ MBA जैसे programmes की recognition periods दर्ज हैं. हालांकि सभी programmes की recognition अवधि एक जैसी नहीं है.

Nalanda Open University: बिहार के छात्रों के लिए नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी भी एक महत्वपूर्ण ऑप्शन है. UGC-DEB की प्रोग्राम लिस्ट में यूनिवर्सिटी के विभिन्न UG और PG programmes की ODL recognition दर्ज है.

क्या Distance Degree की National Level पर Value है

अगर डिग्री UGC-DEB के नियमों के अनुसार recognized university और recognized programme से हासिल की गई है, तो Distance/ ODL qualification को केवल इसलिए कमतर नहीं माना जाना चाहिए कि वह रेगुलर मोड से नहीं की गई है. हालांकि एडमिशन से पहले स्टूडेंट्स को University Recognition + Programme Recognition + Admission Session, यह तीनों डिटेल्स अच्छे से देख लेना चाहिए.

किसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है

डिस्टेंस एजुकेशन उन छात्रों के लिए काफी उपयोगी हो सकता है, जो नौकरी के साथ पढ़ाई करना चाहते हैं. नियमित कॉलेज नहीं जा सकते, कॉम्पिटिटिव परीक्षा की तैयारी के साथ ग्रेजुएशन करना चाहते हैं या किसी दूसरी वजह से फ्लेक्सिबल लर्निंग चाहते हैं. हालांकि डिस्टेंस एजुकेशन में सेल्फ स्टडी की भूमिका ज्यादा होती है.

संक्षिप्त समाचार

आईआईटी दिल्ली में पीएचडी एडमिशन शुरू, हर महीने मिलेगी 60 हजार रुपये फेलोशिप

नई दिल्ली, एजेंसी। इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान -दिल्ली ने शीतकालीन सत्र 2026 के लिए पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शोध के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थी 15 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संस्थान की ओर से इस बार छह विषयों में पीएचडी करने का अवसर दिया जा रहा है।

इनमें कंप्यूटेशनल बायोलाजी, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन, गणित तथा सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शामिल हैं। प्रत्येक विषय के लिए पात्रता मानदंड और आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। पीएचडी के पूर्णकालिक शोधार्थियों को आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। पात्र शोधार्थियों को प्रतिमाह 60 हजार रुपये की फेलोशिप मिलेगी। इसके अतिरिक्त लैपटॉप या डेस्कटॉप खरीदने और शोध से जुड़े अन्य खर्चों के लिए भी सहायता का प्रावधान है।

शोधार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध का अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश की प्रयोगशालाओं में दो सप्ताह तक के दौरे हेतु 1.5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए 2.5 लाख रुपये का प्रोफेशनल डेवलपमेंट अलाउंस भी दिया जाएगा। संस्थान के अकादमिक मामलों के डीन प्रो. सुमित दरक ने कहा कि आईआईआईटी-दिल्ली में शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध, विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन और विभिन्न विषयों के बीच सहयोग का अवसर मिलता है।

संस्थान के पीएचडी स्नातक देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षण और उद्योग जगत में महत्वपूर्ण शोध भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं।

महिला पत्रकार को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका, एसीपी पर जातिसूचक टिप्पणी के मामले में एफआईआर पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। जातिसूचक टिप्पणी करने को लेकर एसीपी विवेक भगत द्वारा कराई गई प्राथमिकी पर रोक लगाने की मांग वाली महिला पत्रकार की याचिका पर तत्काल कोई आदेश पारित करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को इनकार कर दिया।

महिला पत्रकार ने एसीपी द्वारा कराई गई प्राथमिकी पर रोक लगाने की मांग की थी। एसीपी ने आरोप लगाया है कि तीन अक्टूबर को जंतर-मंतर के पास एक विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकार ने उनके खिलाफ जातिसूचक टिप्पणी की और उन्हें सबके सामने अपमानित किया।

समय की कमी का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने कहा कि पुलिस का पक्ष सुने बिना कोई आदेश नहीं दिया जा सकता।

अदालत ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 19 से 26 अक्टूबर तक दशहरा की छुट्टियों के बाद होगी। एसीपी की शिकायत की जांच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। सुनवाई के दौरान, दिल्ली पुलिस के अधिवक्ता ने पीठ को सूचित किया कि महिला पत्रकार को पहले ही सर्वोच्च न्यायालय से संरक्षण मिला हुआ है। इसके अलावा अदालत ने प्राथमिकी को रद करने की मांग वाली महिला पत्रकार के अन्य सहयोगी की याचिका पर भी सुनवाई टाल दी। दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली जिले के कनाट प्लेस में तैनात एसीपी की शिकायत पर महिला पत्रकार सहित अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी की थी।

ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में एबीवीपी की जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाबः अमित शाह

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि परिषद की यह जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाब है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।' शाह ने पंजाब यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के विश्वविद्यालयों में एबीवीपी जीत का जिक्र करते हुए विरोधियों पर भी हमला बोला।

20 अक्टूबर तक दिल्ली में संभलकर निकलें

सीआर पार्क और जीके-2 के ये रास्ते रहेंगे बंद



नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में दुर्गा पूजा समारोह के चलते अगले कुछ दिनों तक प्रमुख सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ने की आशंका है।

चितरंजन पार्क (सीआर पार्क) और ग्रेटर कैलाश-2 में आयोजित होने वाले समारोहों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए यातायात पुलिस ने इन क्षेत्रों के आसपास की आठ प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रभावित रहने की आशंका जताई है।

20 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक प्रतिबंध लागू रहेंगे। इस दौरान सीआर पार्क और ग्रेटर कैलाश-2 में श्रद्धालुओं के निजी वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

■ **इन रास्तों पर हो सकता है यातायात प्रभावितः** यातायात पुलिस के अनुसार, आउटर रिंग रोड पर वसंत विहार से मोदी मिल फ्लाईओवर तक, लाला लाजपत राय मार्ग पर सीआर पार्क के निकट, अगस्त क्रांति मार्ग पर रिंग रोड से आउटर रिंग रोड के बीच और महरौली-बदरपुर रोड पर खानपुर से जामिया हमदर्द तक यातायात प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा गुरु रविदास मार्ग, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग और जोसिप ब्रोज टीटो मार्ग के कुछ हिस्सों में भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सीआर पार्क और ग्रेटर कैलाश-2 की आंतरिक सड़कों पर भी यातायात का दबाव रहने की संभावना है।

■ **सड़कों की चौड़ाई सीमितः** दुर्गा पूजा पंडाल आवासीय कॉलोनियों के भीतर स्थित हैं, जहां सड़कों की चौड़ाई सीमित है और आगंतुकों के वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। ऐसे में निजी वाहनों से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पार्किंग की समस्या के साथ जाम का सामना करना पड़ सकता है। यातायात पुलिस ने प्रभावित क्षेत्रों में अनधिकृत पार्किंग नहीं करने की चेतावनी दी है। यातायात बाधित करने वाले या गलत तरीके से खड़े वाहनों को हटाया जा सकता है और नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

■ **मेट्रो से पहुंचना रहेगा सुविधाजनकः** यातायात पुलिस ने सीआर पार्क पहुंचने के लिए दिल्ली मेट्रो का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। श्रद्धालु ग्रेटर कैलाश और नेहरू एन्क्लेव मेट्रो स्टेशन पर उतरकर आगे पैदल पंडालों तक पहुंच सकते हैं। पुलिस ने वाहन चालकों से प्रभावित मार्गों का अनावश्यक इस्तेमाल नहीं करने, यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखने और ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। दुर्गा पूजा के दौरान शाम के समय पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की संभावना है। ऐसे में इन इलाकों से होकर गुजरने वाले वाहन चालकों को भी यात्रा से पहले मार्ग की स्थिति की जानकारी लेने और जरूरत के अनुसार वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।



बारापुला फेज-3 पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने का काम शुरू, मयूर विहार से एम्स तक जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में बारापुला फेज-3 शुरू होने के बाद मयूर विहार से एम्स जाने वाली लेन पर सराय काले खां के पास साढ़े तीन किलोमीटर हिस्सा लगातार जाम की चपेट में रह रहा है।

जाम से राहत दिलाने के क्रम में ट्रैफिक विभाग ने ड्रोन सर्वे कर पीडब्ल्यूडी को सही मर्जर प्वाइंट पर उचित ट्रैफिक कंट्रोल करने के साथ ही सिग्नल लगाए जाने, सनडायल के पास मर्जर प्वाइंट के आकार (ज्यामिति) में बदलाव कराने व ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए, जहां भी संभव हो एनएच-24 की ओर ट्रैफिक को डायवर्ट करना या नियंत्रित करने की सलाह दी थी। जरूरत में मुताबिक, ट्रैफिक डायवर्जन किया जा रहा है। वहीं, अब सिग्नल लगाने का भी काम शुरू हो गया है। आश्रम से सराय काले खां आने व जाने वाले मार्ग पर बारापुला फ्लाईओवर लूप के मर्जिंग प्वाइंट पर सिग्नल लगा भी दिए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, जहां भी यातायात का भारी दबाव है और बाटलनेक बन रहे हैं, वहां सिग्नल लगाए जाएंगे।

4 साल के बच्चे जितना कद, उम्र 44 साल, 98 सेंटीमीटर लंबी महिला की सर्जरी कर एक्स के डॉक्टरों ने रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। महज 98 सेंटीमीटर कद और वजन छह साल के बच्चे के बराबर 22 किलो, एम्स के डॉक्टरों ने 44 वर्षीय इस महिला के गर्भाशय को कीहोल सर्जरी से महज 90 मिनट में निकाल दिया।

महिला की हड्डियां बेहद कमजोर थीं और उसे हाई ब्लड प्रेशर भी था। वह एक साल से मासिक धर्म के दौरान असहनीय दर्द से परेशान थी। जांच में गर्भाशय के बाहर और उसकी मांसपेशियों की दीवार में गर्भाशय की अंदरूनी परत जैसी कोशिकाएं बढ़ने की समस्या मिली। तमाम चुनौतियों के बावजूद ऑपरेशन सफल रहा और तीसरे दिन महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

हड्डियां कमजोर और नाजुकः एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रो. रीता माहे और डॉ. स्वाति तोमर ने सर्जरी का नेतृत्व किया। प्रो. डॉ. रीता माहे के अनुसार, महिला को गंभीर ऑस्टियोपोरोसिस था, जिसमें हड्डियां कमजोर और नाजुक हो जाती हैं।

ऐसे में ऑपरेशन के दौरान शरीर को सही स्थिति में रखना जरूरी था, ताकि हड्डियों पर दबाव न पड़े। सामान्य तरीके से पैर मोड़कर लिटाने पर कमर और जांघ की हड्डियों में फ्रैक्चर का खतरा था। इसलिए विशेष कुशनिंग के साथ महिला को पीठ के बल लिटाकर सर्जरी की गई।

छोटी गर्दन में सांस की नली डालना चुनौतीपूर्णः एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. पारिन लालवानी, डॉ. चोरो अथिफो कायिना और उनकी टीम ने बेहोशी देने और सांस की नली डालने के दौरान विशेष सावधानी बरती। बताया कि महिला की गर्दन छोटी थी और हड्डियां कमजोर। गर्भाशय बढ़ा हुआ था और आसपास की आंतों से चिपका हुआ था। पेट में कम जगह के कारण भी ऑपरेशन मुश्किल था। वजन के अनुसार, दवाओं की खुराक तय की गई और खून की व्यवस्था पहले से रखी गई। ऑपरेशन के बाद दर्द कम करने के लिए एपिड्यूरल के बजाय अल्ट्रासाउंड की मदद से पेट में विशेष दवा दी गई। एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के प्रो. राजेश खडगवत ने भी मरीज की स्थिति के आकलन में महत्वपूर्ण सहयोग किया, जिससे ऑपरेशन सरल हो सका। एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रमुख प्रो. नीना मल्होत्रा ने बताया कि सावधानीपूर्वक योजना और विशेषज्ञों के समन्वय से गंभीर शारीरिक चुनौतियों वाले मरीजों को भी छोटे चीरे वाली सर्जरी का लाभ दिया जा सकता है। इससे दर्द कम होता है और मरीज जल्दी स्वस्थ हो सकता है।

कनॉट प्लेस के कारोबारियों की पीएम मोदी, राहुल गांधी और केजरीवाल को चिट्ठी; रेस्तरां मालिक ने मांगा मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। विरोध-प्रदर्शन का केंद्र बनी लुटियंस दिल्ली के कारण हो रहे नुकसान की कानूनी लड़ाई अब तेज हो रही है। स्ट्रीट वेंडर के बाद अब एक रेस्तरां मालिक ने याचिका दायर की है। रेस्तरां मालिक ने विरोध-प्रदर्शनों के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने का निर्देश देने की अदालत से मांग की है। याचिका में यह भी निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत पुलिस को इस तरह के विरोध-प्रदर्शन की सभा करने अनुमति न देने और इसे रोके। वहीं, प्रदर्शनों की राजधानी बनने से चिंतित व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल से गुहार लगाकर इसका समाधान निकालने की अपील की है।

शुक्रवार को इस मामले का उल्लेख अधिवक्ता उमंग त्यागी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांम्ब्रे व संजय शर्मा की पीठ के समक्ष किया गया। इस पर पीठ ने याचिका को प्रकरण से जुड़ी अन्य याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता आयुष चोपड़ा ने याचिका में कहा कि कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क से कुछ दूरी पर उनका मीनार नामक रेस्तरा है और वह इसे एक जुलाई 2017 से संचालित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि लंबे समय से एक के बाद एक हो रहे प्रदर्शन जारी रहे तो उनको व अन्य दुकानदारों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने यह भी मांग की है कि 10 अक्टूबर के आंदोलन के दौरान याचिकाकर्ता और अन्य प्रभावित लोगों को जो नुकसान हुआ है और इसका आकलन किया जाए और जिम्मेदार लोगों से उन्हें मुआवजा दिलाया जाए।

कमल शराब नहीं पीते थे, जनकपुरी में ग` में गिरकर हुई मौत मामले की एफएसएल रिपोर्ट को चुनौती देगा परिवार



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के गड्ढे में मोटरसाइकिल गिरने से जान गंवाने वाले 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत के मामले में फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट सामने आई है।

पुलिस की पूरक चार्जशीट के अनुसार, कमल के खून में प्रति 100 मिलीलीटर 150.2 मिलीग्राम एथिल अल्कोहल पाया गया। मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहन चलाते समय रक्त में शराब की निर्धारित सीमा 30 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर है।

हादसा शराब पीने के कारणः रिपोर्ट में दर्ज मात्रा इस सीमा से पांच गुना से अधिक है। हालांकि, रिपोर्ट में शराब की मौजूदगी से यह अपने आप साबित नहीं होता कि हादसा शराब पीने के कारण हुआ।

कमल के परिवार की अधिवक्ता आस्था चतुर्वेदी ने रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि कमल शराब नहीं पीता था। उन्होंने बताया कि परिवार रिपोर्ट की दोबारा जांच कराने के लिए जल्द ही अदालत में अपील करेगा। कैलाशपुरी निवासी कमल एक निजी बैंक में कार्यरत था।

15 फीट गहरे गड्ढे में गिरी थी बाइक

वहीं, 5 और 6 फरवरी की दरमियानी रात जनकपुरी में सीवर पाइप लाइन डालने के लिए किए गए करीब 15 फीट गहरे गड्ढे में उसकी मोटरसाइकिल गिर गई थी। हादसे में उसकी मौत हो गई। परिवार ने वहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने का आरोप लगाकर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस के प्राथमिक जांच में भी घटना स्थल के आस पास मानक के अनुसार चेतावनी साइन बोर्ड, रोशनी और सुरक्षा के उपाय नहीं मिले थे।

अधिकारियों की भूमिका से जुड़े तथ्य

पुलिस की पूरक चार्जशीट में निर्माण कंपनी के कामकाज और अधिकारियों की भूमिका से जुड़े तथ्य भी हैं। जांच के अनुसार, कंपनी के निलंबित निदेशक कवीश गुप्ता और हिमांशु गुप्ता शक्तियां निलंबित होने के बावजूद संचालन से जुड़े काम कर रहे थे।

कंपनी के महाप्रबंधक नलिन कांत ने पुलिस को बताया कि दैनिक कामकाज के लिए उन्हें निलंबित निदेशकों से निर्देश मिलते थे। डीजेबी के कार्यकारी अभियंता एके ग्रेवाल ने सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश देने की बात कही गई है।

अधिवक्ता ने बताया कि 27 अक्टूबर को सुनवाई में परिवार आरोपित ठेकेदार को सजा देने की मांग के साथ डीजेबी के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा भी उठाएगा।

पुलिस के अनुसार, अधिकारियों की भूमिका की जांच जारी है। जांच के कुछ पहलुओं पर रिपोर्ट आने के बाद एक और पूरक चार्जशीट दाखिल की जा सकती है।

लोकतंत्र में सरकार बदलना प्रक्रिया का हिस्सा : पी चिदंबरम



नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को 'सरकार बदलना' शब्द के इस्तेमाल का बचाव करते हुए इसे एक 'सामान्य' लोकतांत्रिक प्रकिया बताया और कहा कि 'चुनावों के जरिए सरकार को हटाना' विपक्ष का काम है। यह तब हुआ जब विपक्षी नेताओं और छात्र कार्यकर्ता ने 'वोट चोरी' को लेकर इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) और चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में चल रहे प्रदर्शन के बीच 'सरकार बदलना' शब्द का इस्तेमाल किया। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि प्रोटेस्ट अब 'सरकार बदलने की लड़ाई' में बदल गया है और इसे नागरिकों का 'लोकतांत्रिक अधिकार' बताया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की अध्यक्ष नेहा बोरा ने बांग्लादेश के जेन जी मूवमेंट की भी तारीफ की थी, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह भारत में युवाओं के लिए 'प्रेरणा' का काम करता है, जिससे भाजपा को गुस्सा आया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भाजपा 'रिजीम चेंज' शब्द के इस्तेमाल पर दिखावटी गुस्से से क्यों भड़क रही है? लोकतंत्र में 'रिजीम चेंज' नॉर्मल है।'

38 करोड़ के खर्च से हर महीने ?15 करोड़ बचाएगी दिल्ली पुलिस

16 जेलों में लगेंगे 840 VC सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जेलों से कैदियों को अदालत में पेशी के लिए ले जाने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। दिल्ली की 16 जेलों में 840 वीडियो कॉन्फ्रेंस सिस्टम लगाए जाएंगे।

करीब 38 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली इस व्यवस्था के तहत कैदी जेल में रहते हुए ही वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश हो सकेंगे। इससे दिल्ली पुलिस को हर महीने होने वाले करीब 15 करोड़ रुपये के भुगतान की बचत होगी।

जेलों में जरूरत के अनुसार, सिस्टम लगाए जाएंगे। व्यवस्था लागू होने के बाद कैदियों को पेशी के लिए जेल से बाहर ले जाने की जरूरत काफी कम हो सकती है।

बचत की रकम से सुधरेंगी जेल की सुविधाएं

वीडियो कॉन्फ्रेंसग व्यवस्था से होने वाली बचत का इस्तेमाल जेलों में जरूरी सुविधाएं बेहतर बनाने और कैदियों के कल्याण पर किया जा सकेगा। जेलों में संचालित फैक्ट्रियों के आधुनिकीकरण, मशीनों में सुधार और कामकाज की सुविधाएं बढ़ाने के लिए अधिक फंड उपलब्ध हो सकेगा। इससे कैदियों को हुनर सीखने और काम के बेहतर अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और पुनर्वास से जुड़ी गतिविधियों पर भी अधिक संसाधन खर्च किए जा सकेंगे।

सुरक्षा के साथ संसाधनों की भी बचत फिलहाल कैदियों को अदालत तक पहुंचाने, उनकी सुरक्षा और पेशी के बाद जेल वापस लाने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस की तीसरी बटालियन संभालती है। इसके लिए



जेल वैन और पुलिसकर्मियों की तैनाती करनी पड़ती है। कैदियों की संख्या और उनकी सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलता के अनुसार अतिरिक्त बल भी लगाना होता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसग का दायरा बढ़ने से पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का बोझ कम हो सकता है। जेल वैन की आवाजाही घटने से ईंधन पर खर्च बचेगा। साथ ही प्रदूषण और सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी।

जेल से बाहर ले जाने के जोखिम होंगे कमः कैदियों को जेल से अदालत तक ले जाने के दौरान सुरक्षा संबंधी कई चुनौतियां रहती हैं। रास्ते में जाम से पेशी में देरी हो सकती है।

दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में डीटीसी बस ने लोगों मारी टक्कर, एक की मौत और कई घायल



नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में शनिवार सुबह तेज रफ्तार एक डीटीसी बस ने कई वाहन सवार लोगों को टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। उधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। इसके अलावा पुलिस ने घायलों अस्पताल में भर्ती करा दिया है। अभी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के भरूच की फार्मा कंपनी में रिएक्टर ब्लास्ट होने से 5 कर्मचारियों की मौत, 6 घायल



भरुच, एजेंसी। गुजरात के भरूच जिले में दर्दनाक हादसा हो गया। भरूच जिले के सायखा स्थित सिंजिल फार्माकेम में रिएक्टर ब्लास्ट होने से 5 कर्मचारियों की मौत हो गई। वहीं, हादस में 6 कर्मचारी घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार-शनिवार की मध्य रात्रि में हाइड्रोजनेशन प्रक्रिया के दौरान रिएक्टर फट गया। 15 किलोलीटर क्षमता वाले रिएक्टर का मलबा कंपनी परिसर के बाहर तक जा गिरा। धमाके के बाद मिथिलीन डाइक्लोराइड (एमडीसी) गैस का रिसाव होने से धूल के गुबार के बीच कर्मचारियों पर गंभीर असर पड़ा। धमाका इतना तेज था कि आसपास के 15 किलोमीटर के दायरे में आवाज सुनाई दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। शवों को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जबकि घायलों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

वागरा की सायखा जीआईडीसी में 53 कर्मचारियों के साथ शुरू हुई इस कंपनी को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। घटना के बाद पूरी जीआईडीसी में हड़कंप मच गया। पुलिस, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ विभाग सहित संबंधित अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। मृतकों में कंपनी के कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

इसके पहले 30 सितंबर को कर्नाटक के मंगलुरु स्थित मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) में को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई थी। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनमें से एक की पहचान राजेश बैपटिस्ट के रूप में हुई है, जो घटना के समय प्लांट के अंदर मौजूद थे। उनके शरीर का करीब 35 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पास के एक कार्यालय में मौजूद छह अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाकों के घरों में कंपन महसूस किया गया। कुछ नजदीकी घरों की खिड़कियों और दरवाजों के शीशे भी टूट गए, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

भाजपा में परिवारवाद नहीं! इधर राजस्थान में मंत्री के परिवार के 4 सदस्य चुनावी मैदान में

सीकर, एजेंसी। राजस्थान के सीकर जिले के श्रीमाधोपुर में पंचायत चुनाव की सियासत दिलचस्प हो गई है। यहां नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खरा के परिवार के चार सदस्य चुनावी मैदान में उतर गए हैं। इनमें दो प्रत्याशी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि दो ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर ताल ठोकी है। नामांकन के आखिरी दिन शुक्रवार को इन उम्मीदवारों के मैदान में आने के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में परिवारवाद और भाजपा की सियासी नीति को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। खास बात यह है कि एक तरफ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ परिवारवाद की राजनीति को लेकर पार्टी का पक्ष रख चुके हैं, वहीं दूसरी तरफ मंत्री के परिवार के चार सदस्यों के चुनाव लड़ने से श्रीमाधोपुर की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। हालांकि, चुनाव लड़ना हर व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन जब एक ही परिवार के कई सदस्य मैदान में उतरते हैं तो राजनीतिक सवाल उठना भी स्वाभाविक है। मंत्री झाबर सिंह खरा के परिवार से चुनावी मैदान में उतरने वाले चार सदस्यों में सबसे प्रमुख नाम उनकी पत्नी शांति देवी का है। उन्होंने श्रीमाधोपुर पंचायत समिति के वार्ड 17 से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। वहीं, मंत्री के छोटे बेटे अजय सिंह खरा भी चुनावी मैदान में हैं। उन्होंने श्रीमाधोपुर पंचायत समिति के वार्ड 20 से भाजपा के टिकट पर अपना पर्चा भरा है।

दिल्ली सीबीआई मुख्यालय पहुंचे अंकिता भंडारी के माता-पिता, अधिकारियों से मुलाकात कर रखी मांग

देहरादून/दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड की दिवंगत अंकिता भंडारी के माता-पिता ने सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने निष्पक्ष और गहराई तक मामले की जांच करने की मांग की. जिस पर सीबीआई अधिकारियों ने प्रकरण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं के बारे में जानकारी दी. साथ ही निष्पक्ष एवं न्यायसंगत ढंग से प्रकरण की विवेचना करने का आश्वासन दिया.

सीबीआई अधिकारियों से मिले अंकिता के माता-पिताः दरअसल, 16 अक्टूबर को अंकिता भंडारी के माता सोनी देवी और पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी ने दिल्ली में सीबीआई यानी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय जाकर वरिष्ठ अधिकारियों से मुलकात की. जहां उन्होंने न्याय की मांग करते हुए मामले की बारीकी से जांच करने को कहा. सीबीआई अधिकारियों ने उन्हें प्रकरण के सभी पहलुओं का समुचित परीक्षण करते हुए विवेचना निष्पक्ष एवं न्यायसंगत ढंग से करने का आश्वासन दिया.

9 जनवरी 2026 को दी गई थी सीबीआई जांच की संस्तुतिः गौर हो कि बीती



9 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की संस्तुति कर चुके हैं. जिसके बाद से ही सीबीआई जांच रह रही है. सीबीआई की दिल्ली स्पेशल क्राइम ब्रांच (शाखा 2) दिल्ली में अज्ञात वीआईपी के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर चुकी है. देहरादून और ऋषिकेश पहुंच कर सबूत भी जुटाने का काम भी कर चुकी है. अभी मामले की तह तक जाने की कोशिश हो रही है.

इधर, अंकिता भंडारी में कथित वीआईपी को राज्यपाल नियुक्त करने के बाद से ही देहरादून से लेकर दिल्ली तक बवाल मचा हुआ है. अंकिता के माता-पिता दिल्ली के इंडिया गेट के बाहर धरना देने के साथ ही कई नेताओं से मिल चुके हैं. जबकि, विपक्ष मामले को लेकर सड़कों पर है. कांग्रेस हो या अन्य दल, सभी बीजेपी सरकार को घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं. देहरादून में जहां कांग्रेस ने बाइक रैली निकालकर प्रदर्शन किया तो वहीं, प्रदेशभर में भी प्रदर्शन देखने को मिला.

अंकिता भंडारी मर्डर केस को जानिएः गौर हो कि 19 साल की अंकिता भंडारी पौड़ी गढ़वाल के श्रीकोट डोभ गांव की निवासी थी. जो ऋषिकेश से सटे यमकेश्वर ब्लॉक के गंगा भोगपुर स्थित तत्कालीन बीजेपी नेता विनोद आर्य के बेटे पुलकित आर्य के वनंत्रा रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट की नौकरी करती थी. जो अचानक 18 सितंबर 2022 को लापता हो गई थीं. जिसका शव 24 सितंबर 2022 को चीला बैराज क्षेत्र में नहर से बरामद हुआ था.

वहीं, मामले की जांच राजस्व पुलिस से होकर रेगुलर पुलिस तक पहुंची तो रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और उसके दोस्त अंकित गुप्ता, मैनेजर सौरभ भास्कर शक के दायरे में आए. जब पुलिस ने उनसे पूछताछ की, तो उन्होंने अंकिता भंडारी की हत्या की बात कबूली. उन्होंने पुलिस को बताया कि 18 सितंबर 2022 की रात अंकिता भंडारी को चीला बैराज की नहर में धक्का दे दिया था. जिससे उसकी मौत हो गई थी.

इस मामले को लेकर पूरे उत्तराखंड में बवाल हुआ. प्रदेशभर में लोग सड़कों पर उतरे और धरना प्रदर्शन किया. आखिरकार गवाह और बयानों के आधार पर 30 मई 2025 को कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें उम्र कैद की सजा सुना दी. जिस पर मामला थोड़ा ठंडा हुआ, लेकिन 28 दिसंबर 2025 को बीजेपी से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर की कथित पत्नी उर्मिला सनावर ने कुछ ऑडियो-वीडियो साझा कर दिया. फिर क्या एकाएक मामला गरमा गया. लोग फिर सड़कों पर उतर आए.

उर्मिला सनावर ने बातचीत से जुड़े ऑडियो में किसी कथित वीआईपी का जिक्र किया था. जिसके बाद उत्तराखंड की सियासत में ऐसा भूचाल आया कि बीजेपी और सरकार के गले की फांस बन गई. विपक्ष ने भी इस मुद्दे को लपकते हुए सरकार को चौतरफा घेरना शुरू कर दिया. उधर, मामले को लेकर जनता भी सड़कों पर आ गई. मामला तूक पकड़ता देख 9 जुलाई 2026 को सीएम धामी को सीबीआई जांच की संस्तुति करनी पड़ी.

आरएसएस को तमिलनाडु में रैलियां करने की मिली इजाजत, मद्रास हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को तमिलनाडु में रैलियां करने की इजाजत देने का आदेश जारी किया है. अदालत ने इस तरह के आयोजनों के लिए कुछ निर्देश भी जारी किए हैं, जिसमें यह बताया गया है कि रैलियों के दौरान क्या करने की अनुमति है और क्या करने की मनाही है. कोर्ट ने यह आदेश भी दिया कि यदि आरएसएस पुलिस द्वारा लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करता है, तो पुलिस को उचित कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है.

आरएसएस ने अपने स्थापना के 100 वर्ष (शताब्दी वर्ष) पूरे होने के उपलक्ष्य में पूरे भारत में रैलियां निकालने का फैसला किया है. इसी के तहत तमिलनाडु में, संगठन ने आगामी 25 अक्टूबर और 1 नवंबर को 128 जगहों पर रैलियां आयोजित करने के लिए पुलिस से अनुमति मांगी थी. चूंकि उनकी इस मांग पर पुलिस द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया, इसलिए आरएसएस के राज्य सचिव जगदीशन ने मद्रास हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की.

न्यायमूर्ति लक्ष्मी नारायणन की बेंच में इस मामले पर दोबारा सुनवाई हुई. याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील ने दलील दी, 'हमने चेन्नई में 400 और बाकी के अन्य जिलों में 100-100 प्रतिभागियों के साथ रैली निकालने की अनुमति मांगी थी. इसके बावजूद, पुलिस ने अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए हमें अनुमति देने से इनकार कर दिया. '

पुलिस का पक्ष रखते हुए एडवोकेट जनरल विजय नारायण ने कहा, 'अदालत के पिछले निर्देश के बाद भी, केवल 93 जगहों के लिए ही आवेदन जमा किए गए हैं. इनमें से 16 जगहों के लिए शामिल होने वाले लोगों की संख्या और 38 जगहों के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या की जानकारी दी गई है. बाकी के जिलों के लिए अभी तक कोई आवेदन नहीं दिया गया है. इसके अलावा, जिन जगहों के लिए



अनुमति मांगी गई है, उनमें से कुछ भारी ट्रैफिक वाले इलाके हैं, जिससे अनुमति देने में मुश्किलें आ रही हैं. '

इन दलीलों को सुनने के बाद, सुनवाई कर रहे जज ने टिप्पणी की कि रैलियों की अनुमति न देकर सरकार एक तरह से आरएसएस (आरएसएस) को परोक्ष रूप से प्रचार दे रही है. इसके साथ ही, कोर्ट ने आरएसएस को 25 अक्टूबर और 1 नवंबर को रैलियां व बैठकें आयोजित करने की अनुमति दे दी.

चन्नी का भगवंत मान और केजरीवाल पर हमला, बोले- पंजाब का 'चिट्टा सोना' लूट रहे रेत चोर

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में रेत खनन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। चन्नी ने अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आरोप लगाते हुए कहा कि पंजाब में रातभर भारी मशीनों से रेत का खनन किया जा रहा है और राज्य के 'सफेद सोने' की लूट हो रही है।

सोशल मीडिया पर ट्वीट करते चन्नी ने लिखा, अरविंद केजरीवाल ने खनन से हर साल 20 हजार करोड़ रुपये की कमाई का वादा किया था, लेकिन आरोप है कि सरकार 20 करोड़ रुपये भी नहीं जुटा सकी। उन्होंने दावा किया कि रेत खनन से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा नेताओं की जेब में जा रहा है। बता दें कि सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने 'मिशन चिट्टा सोना' के तहत बीती रात रूपनगर जिले के नूरपुरबेदी ब्लॉक में कथित अवैध खनन का मामला उठाया। वह रात करीब 12 बजे कांग्रेस नेता बरिंदर ढिल्लों और अपने समर्थकों के साथ टिप्पर में सवार होकर सैदपुर और बेईहारा गांवों के पास सतलुज नदी के किनारे पहुंचे। चन्नी के अनुसार, मौके पर एक दर्जन से अधिक पोकलेन मशीनें, रेत और पत्थरों से भरे टिप्पर तथा कई कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें देखकर कुछ लोग अपने वाहन छोड़कर भाग गए।

ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया में अवैध निर्माण ध्वस्त करें, मंत्री नंद गोपाल नंदी ने दिए आदेश

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विभागीय योजनाओं में बिचौलियों की मिलीभगत पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। उन्होंने ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया में अवैध निर्माण ध्वस्त करने के निर्देश दिए। पिकप भवन स्थित



इन्वेस्ट यूपी सभागार में हुई बैठक के दौरान उद्यमियों ने नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में कम्प्लीशन सर्टिफिकेट बनवाने में आ रही दिक्कतों पर चर्चा की। उद्यमी जब कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के लिए कागजात लगाता है तो बहुत से नियम बताए जाते हैं, कमी बताई जाती है। वहीं, कुछ लोग अधिकारियों से सम्पर्क कर उसी उद्यमी के कम्प्लीशन सर्टिफिकेट को बनवा देते हैं। जिस पर मंत्री नंदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो लोग इस तरह का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

मंत्री से की गई अवैध निर्माण की शिकायत: लघु भारती के एक सदस्य ने सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया में कुछ लोगों द्वारा अवैध तरीके से झोपड़ी बनाए जाने, बिजली का कनेक्शन लेने के साथ ही वहां मनमानी करने की शिकायत की। इस पर मंत्री नंदी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर अवैध निर्माण को ध्वस्त कराए जाने और संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 70 हजार एकड़ लैंड बैंक बनाया गया है।

भूखंडों की नीलामी प्रक्रिया पर सवाल उठाए: लघु उद्योग भारती ने प्राधिकरणों में नीलामी प्रक्रिया से भूखंड आवंटन प्रक्रिया पर सवाल उठाया। कहा कि यह सूक्ष्म लघु उद्योगों के हितों के खिलाफ है। लॉटरी व्यवस्था से भूखंड आवंटित किए जाएं। एमएसएमई एसीएस शशिभूषण सुशील ने कहा कि स्थापित उद्योगों के विस्थापन के लिए भूखंड आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। उद्यमियों ने नक्शा पास होने के बाद एनओसी के लिए आ रही दिक्कतों की जानकारी दी। इस पर अधिकारियों ने बताया कि सभी विभागों की एनओसी के साथ नक्शा बनाकर अनुमोदन की व्यवस्था जल्द लागू होगी। इस दौरान यूपीसीडा के सीईओ डॉ. बलकार सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद, एसीईओ प्रेरणा शर्मा, गजल भारद्वाज, उद्यमी अमित अग्रवाल, सूर्य प्रकाश राकेश गर्ग, पवन सिंघल, लाडली प्रसाद, उमेश साव, अमिताभ सेठ आदि मौजूद थे।

गाजियाबाद में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, पिंकी चौधरी से जुड़े जमीन विवाद में गई जान

गाजियाबाद , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में साहिबाबाद थाना क्षेत्र में कथित तौर पर जमीन विवाद को लेकर हिंदू रक्षा दल के एक कार्यकर्ता की शुक्रवार दोपहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर रिवॉल्वर बरामद की है। आरोपी को भी गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

जीटी रोड पर एमएमएक्स मॉल के सामने साहिबाबाद थाने के पास एक पुराने बैंक्वेट हॉल में प्लॉटिंग की गई थी। पुलिस के मुताबिक, पास में ही रहने वाली नोमिता शर्मा का यहां बड़ा प्लॉट है, जिसका एक हिस्सा करीब ढाई साल पहले हिंदू रक्षा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने खरीदा था।

उन्होंने अपनी पत्नी पूनम के नाम बैनामा कराया था। पिंकी चौधरी के प्लॉट की देखरेख के लिए दिल्ली के गोकुलपुरी की संजय कॉलोनी निवासी 23 वर्षीय आयुष रहता था। आयुष हिंदू रक्षा दल का कार्यकर्ता भी था। लंबे समय से दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद है। पुलिस का कहना है कि पिंकी चौधरी अपने प्लॉट की दीवार जहां बना रहे हैं, उसे नोमिता शर्मा अपना बता रही हैं। इसी तरह दोनों पक्ष एक-दूसरे पर ग्रीन बेल्ट में निर्माण का भी आरोप लगा रहे हैं। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। शुक्रवार दोपहर 3 बजे पिंकी चौधरी का बेटा सूर्या अपने कुछ साथियों संग प्लॉट पर काम करा रहा था। इसी दौरान नोमिता का जानकार शालीमार गार्डन एक्सटेंशन - 1 निवासी राहुल साहनी यहां नोमिता के प्लॉट की पैमाइश करने पहुंचा।

नोएडा में एनकाउंटर! फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने मारी गोली

नोएडा , एजेंसी। नोएडा सेक्टर 20 थाना पुलिस और बदमाशों के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। डीएलएफ तिराहे के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया, लेकिन वे रुकने के बजाय बाइक की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगे।

आरोपियों के पास क्या-क्या मिला: पुलिस टीम ने पीछा किया तो सेक्टर 18 मल्टीलेवल पार्किंग, के सामने झाड़ियों के पास बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरे को कॉम्बिंग अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, नकदी, मोबाइल फोन और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया है।

नोएडा अपर पुलिस उपायुक्त अभय कुमार मिश्र ने आज जानकारी देते हुए बताया कि,देर रात सेक्टर 20 थाना की टीम डीएलएफ तिराहे के पास नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, लेकिन उन्होंने आदेश की अनदेखी करते हुए भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उनका पीछा शुरू कर दिया। दोनों सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के सामने झाड़ियों के पास पहुंचे तो उन्होंने जान से मारने की नीयत से टीम पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया।

गोली लगने से घायल बदमाश की पहचान सलमान उर्फ राजा उर्फ मामा (34) निवासी समसु कॉलोनी, कस्बा इंचौली, मेरठ के रूप में हुई है। उसके कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और 12,400 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने नकदी को स्नैचिंग की घटनाओं से संबंधित बताया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस टीम ने इलाके में कॉम्बिंग अभियान चलाया। इस दौरान दूसरे आरोपी दानिश (22) निवासी ग्राम जिठोला नारंगपुर, थाना परीक्षितगढ़, मेरठ को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को उसके कब्जे से स्नैचिंग का एक मोबाइल फोन और 2,000 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

चुनावी हलफनामे में झूठी जानकारी देने वालों की अब खैर नहीं!

आम जनता भी दर्ज करा सकेगी आपराधिक शिकायत

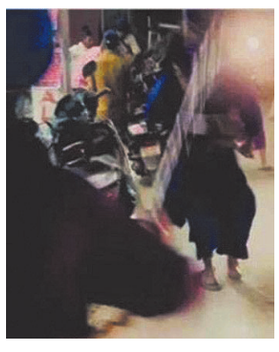
नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि अगर कोई चुना हुआ जनप्रतिनिधि अपने चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देता है या जरूरी बातें छुपाता है, तो आम नागरिक भी उसके खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करा सकते हैं. कोर्ट का यह फैसला जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत नेताओं की जवाबदेही को और मजबूत करता है.

शीर्ष अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 195 के तहत लगी पाबंदियां ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज करने से नहीं रोकेंगी. दरअसल, सीआरपीसी की धारा 195 आपराधिक अदालतों को तब तक कुछ खास अपराधों पर कार्रवाई करने से रोकती है, जब तक कि संबंधित कोर्ट या कोई अधिकृत सरकारी अधिकारी खुद लिखित शिकायत दर्ज न कराए. जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने कहा- 'निष्कर्ष के तौर पर, हमारा मानना है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125-ए के तहत किए गए अपराध का आरोप लगाने वाली किसी भी निजी शिकायत को ष्टह्वक्ष्ट की धारा 195 की कड़ी शर्तों से गुजरने की जरूरत नहीं है, जैसा कि हाई कोर्ट ने माना था. अगर किसी चुने हुए उम्मीदवार को परेशान करने के लिए या झूठे आरोपों के साथ कोई शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो देश के कानून हमारे सक्षम मजिस्ट्रेटों को पूरी शक्ति देते हैं कि वे मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए जैसा उचित समझें, वैसा आदेश पास कर सकें. 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125-ए उन उम्मीदवारों को सजा देती है जो अपने नामांकन पत्रों या चुनावी हलफनामों में गलत जानकारी देते हैं, जरूरी बातें छुपाते हैं, या अनिवार्य जानकारी देने में नाकाम रहते हैं. पीठ ने आगे कहा, 'इस सवाल का जवाब देने के बाद, हम दोहराते हैं कि ट्रायल मजिस्ट्रेट के सामने चल रही कार्यवाही को बंद करने का हाई कोर्ट का फैसला बरकरार रहेगा, लेकिन इसके पीछे के कारण वो नहीं हैं जो हाई कोर्ट ने दिए थे. 'अदालत ने यह



भी ध्यान दिलाया कि भले ही चुनाव आयोग अपने क्षेत्र में सर्वोच्च है और उसने कानूनी प्रावधानों की अपनी समझ के आधार पर गाइडलाइंस या प्रेस नोट जारी किए हैं, लेकिन कानूनों की व्याख्या मुख्य रूप से अदालतों का काम है और ऐसे दिशानिर्देश या प्रेस नोट हमें (सुप्रीम कोर्ट को) मानने के लिए मजबूर नहीं करते. सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणियां राजकुमार मदकी द्वारा दायर एक अपील पर फैसला सुनाते हुए कीं. यह अपील कर्नाटक हाई कोर्ट के 7 मार्च, 2025 के फैसले के खिलाफ की गई थी. हाई कोर्ट ने बीदर निर्वाचन क्षेत्र से कर्नाटक विधानसभा के चुने हुए सदस्य शैलेंद्र बेलदाले के खिलाफ राजकुमार की आपराधिक शिकायत को खारिज कर दिया था. उनका आरोप था कि बेलदाले ने 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र के साथ दिए हलफनामे में अपने रहने के पते के बारे में गलत जानकारी दी थी. उन्होंने बेंगलुरु में एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने सीआरपीसी की धारा 200 के तहत एक निजी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125-ए के तहत दंडनीय अपराध का आरोप लगाया गया था. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट करते हुए कहा, 'अगर विधायिका की वास्तव में यह मंशा होती कि चुनाव जीतने के इरादे से हलफनामे में गलत जानकारी देने से जुड़े किसी भी अपराध (जिसका जिक्र आरओपी एक्ट की धारा 125-ए में है) पर अदालत तभी कार्रवाई कर सकती है जब शिकायतकर्ता कोई सरकारी अधिकारी हो, तो सीआरपीसी की धारा 195 में संशोधन करके ऐसा प्रावधान किया जा सकता था, क्योंकि आरओपी एक्ट की धारा 125-ए काफी नई है. '

लुधियाना में खुले में शराब पी रहे लोगों पर बरसे निहंग, डंडे मारकर खदेड़ा



लुधियाना, एजेंसी। ताजपुर रोड स्थित हुंदल चौक पर उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब निहंग सिंहों के एक जत्थे ने शराब ठेके के बाहर खुले में जाम छलका रहे लोगों पर डंडे बरसा दिए। निहंगों ने लाठियां फटकारते हुए शराबियों को दौड़ा-दौड़ा कर खदेड़ दिया और ठेके के बाहर लगी पानी की टोंटी को भी तोड़ डाला। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें निहंग खुले में नशा करने वालों को सख्त लहजे में चेतावनी देते नजर आ रहे हैं। प्राप्त विवरण के अनुसार, यह घटना 15 अक्टूबर दोपहर की है जब झोटा हत्याकांड के इंसाफ को लेकर समूचे शहर में तनाव और बंद का माहौल था। ताजपुर रोड के हुंदल चौक पर स्थित शराब के ठेके के बाहर कई लोग खुलेआम सड़क किनारे बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे निहंग सिंहों के जत्थे ने जब दिनदहाड़े सार्वजनिक स्थान पर शराबियों का जमावड़ा देखा, तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। निहंगों ने तुरंत अपनी लाठियां और डंडे निकाल लिए और ठेके के बाहर बैठे पियक्कड़ों पर टूट पड़े। अचानक हुए इस एक्शन से शराबियों में भगदड़ मच गई और वे अपनी बोतलें व गिलास छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। शराबियों को खदेड़ने के दौरान निहंगों ने ठेके के बाहर लगी पानी की टोंटी को भी लाठियों से तोड़ दिया ताकि कोई वहां पानी या बर्फ लेकर महफिल न सजा सके। निहंगों ने तीखे तेवर दिखाते हुए दो-टूक कहा कि सार्वजनिक सड़कों और चौराहों पर बैठकर शराब पीना और तमाशा खड़ा करना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में हुंडई मोटर 94,000 से अधिक वाहनों को वापस मंगाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी परिवहन अधिकारियों के अनुसार, हुंडई मोटर अमेरिका में 94,000 से अधिक हुंडई और जेनेसिस वाहनों को वापस मंगाएगी। इन वाहनों में पावर सीट की मोटरें ओवरहीट (अत्यधिक गर्म) हो सकती हैं, जिससे आग लगने का खतरा है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा 9 अक्टूबर को जारी एक नोटिस में कहा गया है कि इस कदम से 94,622 वाहन प्रभावित होंगे। इनमें 2015-2016 के कुछ हुंडई जेनेसिस मॉडल और 2017-2020 के जेनेसिस ज80 मॉडल शामिल हैं। एजेंसी ने बताया कि पावर सीट कंट्रोल स्विच के फंस जाने के कारण सामने की पावर सीट की मोटरें ओवरहीट हो सकती हैं। इससे वाहन के खड़े होने या चलते समय आग लगने का खतरा हो सकता है। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि जब तक मरम्मत का काम पूरा न हो जाए, तब तक वे अपने वाहनों को बाहर और अन्य वाहनों या इमारतों से दूर पार्क करें, क्योंकि आग लगने से चोट लगने का खतरा हो सकता है। एजेंसी के अनुसार, इस खराबी को ठीक करने का तरीका अभी तैयार किया जा रहा है। प्रभावित वाहन मालिकों को 7 दिसंबर तक सूचना पत्र भेजे जाने की उम्मीद है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को जॉर्जिया में एक चुनावी रैली के दौरान दक्षिण कोरियाई ऑटोमोटिव पार्ट्स निर्माता हुंडई ट्रांसिस इंक की योजना का जिक्र किया। कंपनी जॉर्जिया में लगभग 560 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रही है। ट्रम्प मध्यावधि चुनावों से पहले अपने आर्थिक एजेंडे का प्रचार कर रहे थे। जॉर्जिया के डाल्टन में आयोजित रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा, हुंडई ने अभी घोषणा की है कि वह जॉर्जिया के वेस्ट पॉइंट में अपनी फैक्ट्रियों के विस्तार के लिए 560 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। यहां उनका इशारा संभवतः हुंडई ट्रांसिस की ओर था, जो दक्षिण कोरिया के हुंडई मोटर ग्रुप की ऑटोमोटिव पार्ट्स बनाने वाली एक सहयोगी कंपनी है। इस निवेश योजना की घोषणा पिछले हफ्ते जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प के कार्यालय द्वारा की गई थी। गवर्नर के कार्यालय के अनुसार, हुंडई ट्रांसिस वेस्ट पॉइंट में अपनी दो मौजूदा निर्माण इकाइयों को अपग्रेड करने और एक तीसरा प्लांट लगाने की योजना बना रही है। इससे हाइब्रिड वाहनों के पावरट्रेन का उत्पादन बढ़ेगा और 320 नई नौकरियां भी पैदा होंगी

लंदन की सड़क पर नशे में बेसुध मिलीं यूएई के शाही परिवार की महिला को कोर्ट ने सुनाई कड़ी सजा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवार से जुड़ी 32 वर्षीय महिला महराह अल नाहयान को बच्चे की देखभाल में लापरवाही बरतने के मामले में अदालत ने सजा सुनाई है। वह पश्चिमी लंदन की एक सड़क पर बेसुध हालत में मिली थीं, जबकि उनके पास मौजूद छोटा बच्चा बिना जूतों के सड़क के पास अकेला घूम रहा था। राहगीरों ने बच्चे को संभाला और पुलिस के आने तक उसकी देखभाल की। अदालत ने महिला को दो साल का सामुदायिक आदेश दिया और 6,114 पाउंड का जुर्माना लगाया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, घटना 13 जून को पश्चिमी लंदन में हुई थी। महराह अल नाहयान सड़क किनारे रेलिंग के सहारे बेसुध बैठी मिलीं। उनके पास एक अन्य व्यक्ति भी बेहोशी की हालत में था। इसी दौरान एक छोटा बच्चा बिना जूतों के सड़क के पास खेलता दिखाई दिया।वहां से गुजर रहे लोगों ने देखा कि बच्चा वाहनों की आवाजाही के बेहद करीब था और उसकी देखभाल करने वाला कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था।

बच्चे की सुरक्षा को लेकर चिंतित राहगीर उसकी मदद के लिए आगे आए। पुलिस के पहुंचने तक उन्होंने बच्चे को संभाले रखा। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जब महराह अल नाहयान को होश आया, तो उन्होंने कथित तौर पर राहगीरों से पूछा कि वे इतनी चिंता क्यों कर रहे हैं। यह टिप्पणी भी अदालत में सामने आई।अभियोजन पक्ष ने कहा कि बच्चे को सड़क के पास अकेला छोड़ना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता था। वह ट्रैफिक की ओर जा सकता था, खो सकता था या किसी अनजान व्यक्ति के साथ जा सकता था। ऐसी स्थिति में बच्चे को शारीरिक नुकसान पहुंचने के साथ-साथ मानसिक परेशानी भी हो सकती थी। अदालत को बताया गया कि पुलिस ने महराह अल नाहयान की तलाशी ली थी। इस दौरान नशीले पदार्थों से संबंधित कुछ चीजें मिलीं, लेकिन कोई अवैध नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ।रिपोर्ट के अनुसार, महराह को हर महीने 8,000 पाउंड का भत्ता मिलता है। उन्हें नशे की लत के उपचार के लिए सरे के वोकिंग स्थित प्रायरी क्लिनिक में भर्ती कराया गया है।

लाओस में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी से वियतनाम की चिंता बढ़ी, क्षेत्रीय सुरक्षा पर मंडराया खतरा



बीजिंग, एजेंसी। लाओस में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी ने दक्षिण-पूर्व एशिया में क्षेत्रीय सुरक्षा और शक्ति संतुलन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। खास तौर पर वियतनाम के लिए यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से लाओस को अपनी पश्चिमी सीमा पर रणनीतिक सुरक्षा के लिहाज से अहम सहयोगी मानता रहा है। चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों, लाओस में नेतृत्व परिवर्तन और बीजिंग पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता के बीच हनोई के सामने अपने पारंपरिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो रही है। लोवी इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ हंटर मार्स्टन ने पिछले सप्ताह कहा था कि वियतनाम को पहले से ही चारों ओर से घिरने की आशंका है, क्योंकि चीन दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों और सैन्य ठिकानों को लगातार मजबूत कर रहा है।

चीन के सैन्य केंद्र के बाद वियतनाम-लाओस की अहम बैठक

8 अक्टूबर को वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग ने लाओस के नवनियुक्त प्रधानमंत्री सलेमक्से कोम्मासिथ से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विशेष संबंधों को दोहराया। हालांकि, इस बैठक का महत्व इसके समय को लेकर अधिक है।

यह मुलाकात चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय की ओर से लाओस के बान केउन हवाई अड्डे पर संयुक्त सैन्य सहायता और प्रशिक्षण केंद्र खोलने की घोषणा के करीब एक सप्ताह बाद हुई। इसके अलावा, यह लाओस की नेशनल असेंबली द्वारा सलेमक्से को प्रधानमंत्री चुने जाने के कुछ ही दिनों बाद आयोजित की गई। उन्होंने सोनेक्से सिफानडोन की जगह ली है, जिन्हें अब नेशनल असेंबली का अध्यक्ष बनाया गया है।

बीजिंग का कहना है कि इस केंद्र का उद्देश्य लाओस की वायु सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देना है और इसका इस्तेमाल किसी तीसरे देश को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाएगा। हालांकि, विशेषज्ञों के मुताबिक, केंद्र की वास्तविक भूमिका का आकलन उसके आधिकारिक नाम से नहीं, बल्कि वहां तैनात सैन्यकर्मियों, उपकरणों और भविष्य में उसकी गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा। उपलब्ध सैटेलाइट तस्वीरों में वहां हल्के लड़ाकू विमान और सहायक वाहन दिखाई देने की बात सामने आई है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले समय में केंद्र का विस्तार किस हद तक होता है और वहां सैन्य पहुंच तथा तैनाती से जुड़े नियम क्या रहते हैं।

लाओस में नेतृत्व परिवर्तन से हनोई की चिंता

लाओस में सत्ता परिवर्तन भी वियतनाम के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। पूर्व प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानडोन के परिवार के वियतनाम के साथ लंबे समय से करीबी संबंध रहे हैं। उनके पिता और लाओस के पूर्व राष्ट्रपति खामते सिफानडोन को वियतनामी नेतृत्व एक पुराने मित्र के रूप में देखता था। अप्रैल 2025 में खामते के निधन के बाद लाओस ने पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की थी, जबकि वियतनाम में दो दिन का शोक मनाया गया था। यह दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और राजनीतिक संबंधों की गहराई को दर्शाता है। हालांकि, सोनेक्से का प्रधानमंत्री पद छोड़ना अपने आप में यह संकेत नहीं है कि लाओस की राजनीति में वियतनाम का प्रभाव समाप्त हो रहा है। उन्हें नेशनल असेंबली का अध्यक्ष बनाया जाना बताता है कि वह अब भी देश की सत्ता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसी तरह, नए प्रधानमंत्री सलेमक्से कोम्मासिथ की नियुक्ति को भी सीधे चीन समर्थक गुट की जीत के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। उनके राजनयिक करियर में रूस और ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा प्राप्त करना तथा पश्चिमी देशों के साथ संबंधों से जुड़े दायित्व निभाना शामिल रहा है।

आर्थिक जरूरतें बदल रही हैं लाओस की रणनीति: विश्लेषण के मुताबिक, लाओस की विदेश नीति में बदलाव को समझने के लिए उसकी आर्थिक परिस्थितियों पर ध्यान देना जरूरी है। देश को निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक स्थिरता की जरूरत है। ऐसे में उसकी सरकार उन देशों के साथ समझौते करने के लिए तैयार हो सकती है, जो इन जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं। वियतनाम के लिए चिंता की बात यह है कि लाओस की नीतियों में पारंपरिक राजनीतिक और वैचारिक निकटता के मुकाबले आर्थिक लाभ को अधिक महत्व दिया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि लाओस चीन के प्रति पूरी तरह राजनीतिक रूप से झुक गया है। बल्कि, आर्थिक दबाव और विकास की जरूरतें उसके रणनीतिक विकल्पों को प्रभावित कर सकती हैं। चीन की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के जरिए अपने क्षेत्रीय प्रभाव को ठोस रूप दे सकता है। इससे लाओस जैसे छोटे और आर्थिक रूप से सीमित संसाधनों वाले देश के लिए बीजिंग के साथ संबंध बनाए रखना आकर्षक बन जाता है।

खत्म हो गई संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता, विरोध-प्रदर्शनों को लेकर भारत ने यूएन के दावों की उड़ाईं धज्जियां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत जीना रोमेरो के उन दावों को भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि देश में युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य या लैंगिक न्याय पर बात करने के कारण बदले की कार्रवाई या कलंक का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजनयिक अनुज स्वरूप ने कड़े शब्दों में जवाब देते हुए कहा कि ये आरोप गुमनाम और बिना पुष्टि किए गए बयानों पर आधारित हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के



81वें सत्र में शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता के अधिकार पर विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपोर्टियर) के साथ हुई एक बातचीत के दौरान प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक को ये स्वतंत्रताएं प्रदान करता है।

अनुज स्वरूप ने क्या कहा?: स्वरूप ने कहा, भारत ने शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता पर विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपोर्टियर) की रिपोर्ट पर ध्यान दिया है। भारत में हमारे संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत हर नागरिक को ये स्वतंत्रताएं, साथ ही बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई हैं। इनकी सुरक्षा एक स्वतंत्र न्यायपालिका, एक स्वतंत्र प्रेस और एक सशक्त राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा की जाती है।

रोमेरो की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने भारत के युवाओं से जुड़े इसके दावों के आधार पर सवाल उठाए। यह रिपोर्ट ऐसे समय में सौंपी गई है जब भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ युवाओं का बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन चल रहा है।

खत्म हो गई संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता: उन्होंने कहा, फिर भी विशेष प्रतिवेदक सुश्री जीना रोमेरो का दावा है कि भारत में युवा अगर मानसिक स्वास्थ्य या लैंगिक न्याय पर बात करते हैं तो उन्हें बदले की कार्रवाई या सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है। हालांकि, उन्होंने इसके समर्थन में केवल फुटनोट में कुछ अज्ञात लोगों की बातों का हवाला दिया है। रिपोर्ट लिखने का यह मनमाना तरीका ही वह मुख्य कारण है, जिसकी वजह से संयुक्त राष्ट्र और उसके संस्थानों की विश्वसनीयता खत्म हो गई है। उन्होंने रोमेरो की रिपोर्ट को बिना किसी आधार के, सुनी-सुनाई बात करार दिया। उन्होंने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के खिलाफ, गुमनाम और बिना पुष्टि किए गए दावों के आधार पर लगाया गया यह व्यापक आरोप कोई सबूत नहीं है। यह महज सुनी-सुनाई बातें हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का रूप दे दिया गया है और मेरा प्रतिनिधिमंडल इसे पूरी तरह से खारिज करता है। स्वरूप ने भारत में युवाओं के लिए नागरिक स्थान (सिविक स्पेस) के बारे में रिपोर्ट के आकलन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने इसके समर्थन में राजनीतिक आंदोलनों में युवाओं की भागीदारी और वरिष्ठ सरकारी नेताओं के साथ उनके जुड़ाव का हवाला दिया। जुलाई के विरोध-प्रदर्शनों के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय मंत्रियों की बातचीत का जिक्र करते हुए स्वरूप ने कहा, दिलचस्प बात यह है कि उसी रिपोर्ट में बताया गया है कि युवा भारतीयों ने एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक आंदोलन खड़ा किया। किस दमनकारी देश में युवाओं की एक ऐसी व्यंग्यात्मक पार्टी सरकार से सवाल पूछ सकती है।

पीठ पर पंख बांधकर उड़ते हुए दफ्तर पहुंचता है युवक, वीडियो शेयर कर बताई वजह

वाशिंगटन, एजेंसी। रोजाना ऑफिस आना-जाना अक्सर दिन का सबसे थकाऊ और तनावपूर्ण हिस्सा होता है। सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम सारी एनर्जी को खत्म कर देता है। हालांकि, इस समस्या से पार पाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सहारा लिया जाता है, लेकिन अमेरिका के एक व्यक्ति ने ट्रैफिक से बचने का अनोखा और नया तरीका खोज निकाला है।

युवक सड़क पर गाड़ी चलाने के बजाय अपने ऑफिस सीधा उड़कर पहुंचता है। युवक के ऑफिस पहुंचने के तरीके को देख लोग हैरान हैं।

पैरामोटर से जाते हैं ऑफिस: कार या बस लेने के बजाय कोलोराडो के रहने वाले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर जैकब हट्ज़लर अपने काम पर जाने के लिए पैरामोटर का इस्तेमाल करते हैं। इस अनोखे परिवहन माध्यम के जरिए उन्हें अपने ऑफिस पहुंचने में सिर्फ 20 मिनट का समय लगता है।

इंस्टाग्राम पर वायरल हुए एक वीडियो के माध्यम से हट्जलर ने अपनी इस रोमांचक और अनूठी डेली कम्यूट यात्रा के बारे में दुनिया को बताया। उनके मुताबिक, इस तरह की



उड़ान के लिए किसी बड़े रनवे की कोई आवश्यकता नहीं होती, बल्कि इसके लिए केवल उड़ने का शौक और कुछ हटकर करने का साहस चाहिए होता है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हैं जैकब: अपने इस सफर के बारे में विस्तार से बताते हुए जैकब हट्जलर कहते हैं, मैं एक एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के रूप में अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए अपना पैरामोटर उड़ाता हूं। पैरामोटर असल में एक पैराग्लाइडर की तरह होता है, जिसके पिछले हिस्से में एक शक्तिशाली प्रोपेलर लगा होता है। इसमें आपको अपनी पीठ पर मोटर और प्रोपेलर को कसना होता है, थोड़ा दौड़कर उड़ान भरनी पड़ती है और फिर आप हवा में बादलों के बीच तैरने लगते हैं। उन्होंने आगे बताया कि वे पैराजेट मेवरिक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें ओजोन सिरोको 3 18द्व विंग लगा होता है। यह सेटअप उन्हें बेहतरीन स्पीड, परफॉरमेंस और नियंत्रण का शानदार तालमेल देता है। हट्जलर ने बताया कि वे सबसे पहले अपने अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के सामने सड़क तक पैदल चलकर आते हैं, फिर वहां अपना विंग सेट करते हैं और उड़ान भरने से पहले मोटर की तकनीकी जांच करते हैं। इसके बाद वे आसमान में उड़ान भरते हैं और एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर तक पहुंचने में उन्हें महज 20 मिनट लगते हैं। हालांकि, इस दौरान उन्हें नियमों का भी पालन करना पड़ता है। क्लास डेल्टा एयरस्पेस में प्रवेश करने से पहले उनके लिए टावर के साथ टू-वे कम्युनिकेशन यानी दोतरफा बातचीत स्थापित करना अनिवार्य होता है। आसमान में अकेले सफर करते हुए हट्जलर टावर पर मौजूद अपने सहकर्मियों से संपर्क साधते हैं और एयरपोर्ट के दक्षिण हिस्से में सुरक्षित उतरने की अनुमति मांगते हैं। टावर से हरी झंडी मिलने के बाद, जहां उन्हें अपने जोखिम पर उतरने और शांत हवा में सावधानी बरतने की हिदायत दी जाती है–वे बेहद शालीनता और आराम से जमीन पर लैंड करते हैं।

सोशल मीडिया पर जैकब का यह वीडियो वायरल है। इस वायरल वीडियो को 13.5 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और इस पर हजारों लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इंटरनेट यूजर्स उनके इस अनोखे और रोमांचक अंदाज को देखकर हैरान हैं।

ब्रिटेन में सिख युवक ने किया मर्डर; मां हथियार छिपाकर ले गई घर, अब महिला को UK से निकालने की तैयारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में हत्या के एक चर्चित मामले में दोषी ठहराई गई भारतीय महिला किरण कौर को भारत वापस भेजने की तैयारी की जा रही है। किरण पर अपने बेटे विक्रम डिगवा की हत्या के मामले में मदद करने का आरोप साबित हुआ था। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह विदेशी अपराधियों को जल्द से जल्द निर्वासित करने की नीति पर काम करता है। किरण कौर (53) को इस साल जुलाई में तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने बेटे द्वारा हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू को घर ले जाकर अपराध के बाद उसकी मदद की। उनका बेटा विक्रम डिगवा 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। यह घटना पिछले साल 3 दिसंबर को हुई थी, जब 23 वर्षीय विक्रम डिगवा ने हेनरी नोवाक की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस साल जून में अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। उसे कम से कम 21 साल जेल में बिताने होंगे, जिसके बाद ही वह पैरोल के लिए पात्र हो सकेगा। ब्रिटेन की सरकार अब जेलों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए बनाई गई योजना के तहत किरण को समय से पहले रिहा करने की तैयारी कर रही है। इसके बाद उनके निर्वासन का रास्ता खुल सकता है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा, हम विदेशी अपराधियों को पहले अवसर पर निर्वासित करने का हमेशा प्रयास करेंगे। मंत्रालय ने हेनरी नोवाक के परिवार और मित्रों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हिंसा की इस भयावह घटना में उनकी जिंदगी बेरहमी से छीन ली गई।

अमेरिकी सांसद कॉकरोच जनता पार्टी को दे रहे समर्थन, भारत के खिलाफ विदेश मंत्री रुबियो को भड़काया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की आगामी भारत यात्रा से पहले छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने भारत के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनसे छात्र प्रदर्शनों पर कथित बल प्रयोग और मतदाता सूची में बदलाव जैसे मुद्दे उठाने की मांग की है। प्रमिला जयपाल और इल्हान उमर समेत इन सांसदों ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों की निगरानी का आरोप भी लगाया है।



वहीं, डेमोक्रेटिक नेता और जो बाइडेन के पूर्व सलाहकार अजय जैन भुटोरिया ने इस पहल पर पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकी सांसदों को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने के बजाय अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। प्रमिला जयपाल और इल्हान उमर सहित छह अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो से आग्रह किया है कि वह भारत यात्रा के दौरान अपने भारतीय समकक्षों के सामने दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में छात्र प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा बल प्रयोग के कथित आरोपों का मुद्दा उठाएं। अमेरिकी सांसदों जयपाल, उमर, जिम मैकगवर्न, रशीदा तलाइब, एलेनॉर होम्स नॉर्टन और जीसस गार्सिया ने वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास और अन्य अमेरिकी शहरों के वाणिज्य दूतावासों पर कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे लोगों की निगरानी के लिए फोटोग्राफर को तैनात करने का आरोप लगाया है। रुबियो अगले सप्ताह भारत यात्रा पर जा रहे हैं और मुंबई में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

पाकिस्तान में पीटीआई सरकार को निलंबित किए जाने के बाद इमरान खान की बढ़ी मुश्किलें

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उनके राजनीतिक गढ़ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आपातकाल घोषित कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को निलंबित कर दिया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब इमरान खान के परिवार ने उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जताते हुए तत्काल चिकित्सा सहायता की मांग की है।

अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा में हाल के दिनों में उग्रवादी हमलों में तेजी आई है। प्रांतीय सरकार पर इन हमलों से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है। आपातकाल लागू होने के बाद प्रांत की कमान राष्ट्रपति जरदारी की पार्टी के एक नेता को सौंप दी गई है।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने आपातकाल लागू



करने के फैसले का विरोध करते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित कदम बताया है। पार्टी का आरोप है कि सरकार इस फैसले के जरिए प्रांत के बजट और संसाधनों पर उसकी पकड़ कमजोर करना चाहती है। साथ ही, इसके जरिए इलाके पर राजनीतिक नियंत्रण मजबूत करने और इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर इस्लामाबाद की ओर प्रस्तावित मार्च को रोकने की कोशिश की जा रही है।

पीटीआई ने बुधवार को पेशावर हाई कोर्ट में आपातकाल के फैसले को चुनौती दी। पार्टी के करीबी सहयोगी जुल्फी बुखारी ने कहा कि इमरान खान के बुनियादी मानवाधिकारों को आतंकवाद जैसे जटिल मुद्दे से जोड़ना पूरी तरह अनुचित है।

रिहाई और इलाज की मांग को लेकर प्रदर्शन की तैयारी: आपातकाल की घोषणा से पहले इमरान खान के हजारों समर्थक खैबर पख्तूनख्वा में जुटे थे। वे खान की रिहाई और बेहतर चिकित्सा सुविधा की मांग को लेकर इस्लामाबाद तक मार्च निकालने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, प्रदर्शन से पहले इमरान खान की तीन बहनों, पार्टी नेताओं और सैकड़ों समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आंखों की रोशनी और स्वास्थ्य को लेकर चिंता: 74 वर्षीय इमरान खान पूर्व क्रिकेटर हैं और 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। वर्ष 2023 में भ्रष्टाचार के आरोपों में उन्हें जेल भेज दिया गया था। खान इन आरोपों से इनकार करते रहे हैं। उनके परिवार और पार्टी ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। परिवार के अनुसार, खान की एक आंख की रोशनी प्रभावित हुई है, उनका ब्लड प्रेशर उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा है और लंबे समय तक अकेले कैद में रहने से उनकी मानसिक स्थिति पर भी असर पड़ रहा है। परिवार ने उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

सरकार और पीटीआई के बीच बातचीत भी विफल: इमरान खान के समर्थन में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की आशंका के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने पिछले सप्ताह पीटीआई के साथ बातचीत की थी। पार्टी ने खान को निजी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, जेल में उनसे मुलाकात की अनुमति देने और लंदन में रह रहे उनके बेटों से फोन पर बातचीत कराने की मांग रखी थी। पाकिस्तान के जूनियर गृह मंत्री तलाल चौधरी ने रॉयटर्स को बताया कि सरकार ने पीटीआई की लगभग सभी मांगें स्वीकार कर ली थीं। हालांकि, सरकार ने बदले में पार्टी से खैबर पख्तूनख्वा में इस्लामी उग्रवाद की सार्वजनिक रूप से निंदा करने, हमलों में मारे गए सुरक्षाकर्मियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने और आतंकवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का समर्थन करने की मांग की थी। चौधरी के अनुसार, पीटीआई ने सरकार की इन शर्तों को स्वीकार नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

हांगकांग सिक्सेस 2026

क्रुणाल पंड्या होंगे भारत के कप्तान, भुवनेश्वर की जगह खेजरोलिया को मौका

नई दिल्ली । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद क्रुणाल को यह जिम्मेदारी दी गई। भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में क्रुणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश



राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है। क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा, 'हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार को जरूर मिस करेंगे, लेकिन हमें उन्हें नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पत्थर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

रणजी ट्रॉफी

यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

मुंबई । मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ बिलासपुर में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाले मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यशस्वी जायसवाल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे।



दरअसल, यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं।

मुंबई की टीम

सिद्धेश लाड (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, सूर्यांश शेडगे, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, मुशीर खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, अथर्व अंकोलेकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा और ओंकार तरमले।



न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित

वनडे में 2 अलग कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल को कमान सौंपी गई है, जबकि आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी (उप-कप्तान) होंगे। वहीं, आखिरी दो मैचों में बदलाव करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को चौथे और पांचवें वनडे के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। इनके साथ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल और नमन धीर भी टीम में शामिल हैं। वहीं, नियमित विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल, तेज गेंदबाज



अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ शुरुआती तीन वनडे मैचों में ही खेलेंगे। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रवाना होंगे।

अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया है।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

चौथे और पांचवें मैच के लिए भारत की वनडे टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर/उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

भारत की टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज।

यह कैसी तैयारी

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह : 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है। बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेल सके थे। अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था। इस पूरे टूर्नामेंट में बुमराह ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की, जो एक वनडे मैच के स्पेल से भी कम है। न्यूजीलैंड दौरे पर बुमराह को तेज गेंदबाजों के लिए मददगार कंडिशंस में आजमाने का अच्छा मौका था।



अगरकर के जाने के बाद भी मौका नहीं, क्या टीम इंडिया में वापसी के रास्ते शमी के लिए क्या अब बंद हो चुके हैं?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर से नजरअंदाज किया गया है। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान ओझा को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बनाया गया था। प्रज्ञान ने अंतरिम मुख्य चयनकर्ता के रूप में न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए अपनी पहली टीम को मंजूरी दी। इस टीम में सबसे चौंकाने वाला नाम भुवनेश्वर कुमार का था। 36 साल के भुवनेश्वर कुमार की 4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 के लिए भी इंजर्ड अर्शदीप की जगह टीम इंडिया में शामिल कर लिया गया है और वह संभवत : प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। भुवनेश्वर कुमार की वापसी ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी की



उम्मीद जगाई थी। शमी 9 मार्च 2025 (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल) के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हर फॉर्मेट खेला और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी फॉर्म और फिटनेस का सबूत दिया। वह अभी भी रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने शमी को हमेशा नजरअंदाज किया। इस दौरान भुवनेश्वर कुमार के साथ भी ऐसा ही हुआ। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद वह टीम इंडिया से बाहर रहे।

अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बने और उनकी पहली टीम में ही भुवनेश्वर कुमार थे। इसके बाद शमी का न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की संभावना बढ़ गई, खासकर जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में उनका चयन तय माना जाने लगा। लेकिन, शुक्रवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा हुई, तो शमी का नाम फिर नदारद था।

पहला टी20: डेब्यूटेंट निकी के साथ दीप्ति ने जुटाए 82 रन,

भारत ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से हराया



रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को 4 विकेट से मात दी।

इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष दो मैच 18 और 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं, जिसके बाद तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज आयोजित होगी। रायपुर में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर सिर्फ 114 रन बनाए। इस टीम ने 7 के स्कोर पर बिलव्ड बिजा (0) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद केलिस नधलोवु ने मोडेस्टर मुपाचिकवा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाकर मेहमान टीम को संभाला। मुपाचिकवा 16 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद शार्ने मेयर्स ने नधलोवु के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन, जबकि न्याशा ग्वानजुरा के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया।

निकी प्रसाद को स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया

भारत के लिए युवा ऑलरआउंडर निकी प्रसाद इस मैच में डेब्यू किया। उन्हें मुकाबले से पहले कप्तान स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया। कैप मिलने के बाद साथी खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और अनुष्का शर्मा ने गले लगाकर उन्हें बधाई दी।



उप-कप्तानी एक बड़ी जिम्मेदारी, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत निडर होकर खेलना चाहता है: शेफाली वर्मा

रायपुर। शेफाली वर्मा को हाल ही में भारतीय महिला टी20 क्रिकेट टीम की उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले शेफाली ने कहा कि भारतीय टीम के नेतृत्व समूह में उनकी भूमिका सिर्फ इस पद तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि टीम अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में निडर और समझदारी भरा टी20 क्रिकेट खेलने का लक्ष्य लेकर चल रही है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज से होगी। रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले सीरीज के शुरुआती मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेफाली ने कहा, 'उप-कप्तानी की बात करें तो, मैंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी भी की है, इसलिए मेरे पास इसका अनुभव है। मुझे पता है कि उप-कप्तानी सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें हर एक खिलाड़ी का ख्याल रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार और सहज रहें। मैं बस यही कोशिश कर रही हूं कि हर खिलाड़ी सहज महसूस करे और कप्तान की मदद कर सकूं।'



उन्होंने महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को देते हुए कहा, 'हरमन दी ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज महिला क्रिकेट जिस मुकाम पर है, वह पूरी तरह से हरमन दी की ही देन है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

नोएडा । हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया। हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-1 से जीता। हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।



जीत के बाद चिराग ने कहा, 'सुपर 6 स्टेज की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे।'

एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।

'हम मैनचेस्टर सिटी को परेशान कर सकते हैं'

मुकाबले से पहले इप्सविच गोलकीपर वाल्टन का बयान

मैनचेस्टर । इप्सविच टाउन के गोलकीपर क्रिश्चियन वाल्टन का मानना है कि उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी को कड़ी टक्कर देने और उन्हें परेशान करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि एतिहाद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस प्रीमियर लीग मुकाबले में इप्सविच पूरी आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। इप्सविच ने टॉप लीग में अपनी वापसी की एक अच्छी शुरुआत की है, उसे लीग की शीर्ष टीम के खिलाफ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, वाल्टन ने कहा कि उनकी टीम इंग्लिश फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार है। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए वाल्टन ने कहा, 'हमें पूरा भरोसा है कि मैनचेस्टर सिटी का सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। हमें पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां जाना



होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां जाकर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं।'

मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।